नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 13
अंक : 08
सोमवार, 27 मार्च से 02 अप्रैल 2023
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं : केजरीवाल 03
मीडिया और समाज : दरकता विश्वास 08
आरसीबी की विजयी शुरूआत 10
नमी से निखरेगी खूबसूरती 11

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in
twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड छोड़ने की वजह बतायी 12

असम में अरविंद केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव का फूंका बिगुल

❍ केंद्र और राज्य सरकार पर साधा निशाना ❍ असम में भी मुफ्त बिजली देने का दिया भरोसा

गुवाहाटी, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को असम की राजधानी गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने यहां आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एक तरह से बिगुल फूंका। केजरीवाल ने अपने संबोधन में सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा पर निशाना साधा और उनकी जमकर आलोचना की।

यहां रैली में केजरीवाल ने अपने भाषण की शुरूआत असमिया भाषा में यह कह कर किया कि आप लोग कैसे हैं। केजरीवाल ने कहा कि आप की इस तरह की यह पहली बैठक कर रही है और इस पहली बैठक में साफ है कि आने वाले दिनों में यह सभा डॉ हिमंत बिस्व सरमा सरकार को हराएगी। केजरीवाल ने कहा कि दोस्तों असम पर मां कामाख्या का आशीर्वाद है। मैं मां कामाख्या को प्रणाम करता हूं।

केजरीवाल ने महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव को नमन किया। उन्होंने ज्योतिप्रसाद अग्रवाल, कलागुरु बिष्णु प्रसाद राभा और सुधाकांत डॉ भूपेन हजारिका द्वारा राज्य के लिए किए गए योगदान और बलिदान की सराहना की। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ों, विशाल ब्रह्मपुत्र नदी आदि के माध्यम से प्रकृतिक सुंदरता और धन से समृद्ध असम को सभी नेताओं ने मिलकर पिछले 75 सालों में सिर्फ इन संपत्तियों को लूटा है। असम के लोगों ने 52 साल तक कांग्रेस, 10 साल तक अगप और पिछले सात सालों से राज्य को चलाने के लिए भाजपा को वोट दिया, लेकिन बदले में असम के लोगों को क्या मिला? इन पार्टियों ने जनता को सिर्फ धोखा दिया है।

केजरीवाल ने सरमा को अपने घर चाय व दोपहर के भोजन पर किया आमंत्रित

गुवाहाटी, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को दिल्ली में अपने आवास पर चाय और दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया। श्री केजरीवाल ने आज यहां एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए असम के मुख्यमंत्री को यह न्यौता दिया। श्री सरमा ने विधानसभा के बाहर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने पर श्री केजरीवाल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की धमकी दी थी। उन्होंने श्री सरमा की धमकियों की निंदा और उनके व्यवहार की आलोचना की तथा उन्होंने गुवाहाटी पहुंचने पर उनके सत्कार के लिए असम के लोगों के आतिथ्य की प्रशंसा की। उन्होंने यहां एक संकल्प सभा में कहा कि अगर असम में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार आती है तो सभी युवाओं रोजगार और मुफ्त बिजली देने का वादा करते हैं। उन्होंने दावा किया कि आप सरकार ने सात साल में दिल्ली को बदल दिया और जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम में गंदी राजनीति कर रही हैं।

रैली में असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा की कड़ी आलोचना करते हुए केजरीवाल ने कहा कि भाजपा की सरकार 2016 में आई और 2015 में यह दिल्ली में थे। भाजपा सरकार तथा डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने पिछले सात सालों में राज्य के लोगों के लिए कुछ भी नहीं किया, वह सिर्फ राजनीति ही किये हैं। मुख्यमंत्री डॉ सरमा पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि मुझे धमकी दी है कि अगर केजरीवाल आए तो मैं जेल भेजूंगा।

मुख्यमंत्री डॉ सरमा पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि आप असम के मुख्यमंत्री तो बन गए लेकिन आपने असम की संस्कृति नहीं सीखी। मेहमानों से प्यार करने वाले असमिया लोगों की मेहमान नवाजी को लेकर असम के लोग कोई हल्ला नहीं मचाते हैं।

केजरीवाल के चाय के बुलावे पर भड़क उठे हिमंता बिस्वा सरमा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज असम के दौरे पर थे। सीएम केजरीवाल ने अपने स्पीच में कहा कि वो असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को अपने घर चाय पर बुलाना चाहते हैं। केजरीवाल ने हिमंता को निमंत्रण देते हुए कहा कि आप मेरे घर आइए मैं आपको अपनी गाड़ी में दिल्ली घुमाऊंगा। केजरीवाल के इस निमंत्रण पर हिमंता भड़क गए हैं। केजरीवाल पर हमला बोलते हुए हिमंता ने कहा, 'मर्द जैसा बात कीजिए।' दरअसल, रविवार को आम आदमी पार्टी के सबसे बड़े नेता अरविंद केजरीवाल असम गए थे। वहां उन्होंने हिमंता बिस्वा सरमा पर जमकर निशाना साथा। बीते दिनों हिमंता ने केजरीवाल को चेतावनी दी थी। हिमंता ने कहा था कि अगर केजरीवाल ने उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया तो वह उनपर मानहानि का केस कर देंगे। हिमंता के इसी चेतावनी पर तंज कसते हुए आज केजरीवाल ने कहा, 'आपने सात साल में कुछ नहीं किया।

अमेरिका के कई हिस्सों में भीषण तूफान से तबाही

21 की मौत, 130 से अधिक घायल

ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका के मध्य-पश्चिमी और दक्षिणी राज्यों में शुक्रवार से शनिवार तड़के आये भीषण तूफान से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी और 130 से अधिक लोग घायल हो गये।

सीएनएन ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि कम से कम सात अमेरिकी राज्यों में शुक्रवार को 50 से अधिक शुरूआती बवंडर की रिपोर्ट दर्ज की गई। स्थानीय मीडिया आउटलेट 'रीजन 8 न्यूज' के अनुसार, काउंटी सीट और क्रॉस काउंटी, अरकंसास के सबसे बड़े शहर वाईन में आये एक जोरदार तूफान की पुष्टि की गयी और इसमे चार लोगों की मौत हो गई और 10 से अधिक घायल हो गए।

वाईन के पुलिस प्रमुख रिचर्ड डेनिस ने शुक्रवार रात कहा, 'पूरे शहर में भारी तबाही हुई है' और बवंडर के कारण कई लोग फंस गए हैं। पुलास्की काउंटी के अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार दोपहर जानलेवा बवंडर के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 50 लोगों को लिटिल रॉक, अर्कांसस के अस्पतालों में भेजा गया। लिटिल रॉक के मेयर फ्रैंक स्कॉट जूनियर ने शनिवार को सीएनएन को बताया, करीब 2,600 मकान आदि को नुकसान पहुंचा है। प्रांतीय गवर्नर बिल ली ने एक बयान में कहा कि दक्षिण पश्चिम टेनेसी में स्थित मैकनेरी काउंटी में कम से कम सात लोग मारे गए।

उत्तरी इलिनोइस के बेल्विदेरे में शुक्रवार की रात अपोलो थिएटर की छत गिरने से एक 50 वर्षीय व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। अधिकारियों ने कहा कि 40 अन्य लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें से कम से कम दो की हालत गंभीर है।

इलिनोइस आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता केविन सुर के अनुसार दक्षिणी इलिनोइस के क्रॉफर्ड काउंटी में एक आवासीय मकान के ढहने से तीन अन्य लोगों की मौत हो गई। राज्य पुलिस सार्जेंट मैट एम्स ने कहा कि इसके अलावा शुक्रवार की रात, सुलिवन काउंटी, इंडियाना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घर और स्वयंसेवी अग्निशमन विभाग क्षतिग्रस्त हो गए। इस बीच इंडियाना के गवर्नर एरिक होलकोम्ब ने शनिवार को सुलिवन और जॉनसन काउंटी के लिए आपदा आपात स्थिति की घोषणा की। इसके अलावा अलबामा और मिसिसिपी में भी मौतों की सूचना मिली है और बवंडर ने पूर्वी आयोवा में भी नुकसान पहुंचाया है।

सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति-2021-22 में कथित अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दर्ज प्राथमिकी में पूर्व उपमुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। राउस एवेन्यू स्थित एम. के. नागपाल की विशेष अदालत ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद 51 वर्षीय श्री सिसोदिया की जमानत याचिका अस्वीकार कर दी।

सीबीआई ने लंबी पूछताछ के बाद 26 फरवरी को गिरफ्तार श्री सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। बाद में सिसोदिया को विशेष अदालत में पेश किया गया था, जहां उन्हें सीबीआई के अनुरोध पर श्री सिसोदिया को चार मार्च तक केंद्रीय जांच एजेंसी की हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि समाप्त होने पर दो दिनों की और सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। सीबीआई हिरासत समाप्त होने के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सीबीआई मामले में न्यायिक हिरासत के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) श्री सिसोदिया से पूछताछ की थी। बाद में विशेष अदालत ने श्री सिसोदिया को ईडी की हिरासत में भेजा था।

श्री सिसोदिया को ईडी की हिरासत खत्म होने के बाद इस मामले में भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद है। शीर्ष अदालत ने 28 फरवरी को श्री सिसोदिया की रिट याचिका खारिज करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष गुहार लगा सकता है। श्री सिसोदिया ने अपनी गिरफ्तारी और सीबीआई की जांच के तरीकों पर सवाल उठाते हुए राहत की उम्मीद में शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद श्री सिसोदिया की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया था।

भारत यात्रा पर आ सकते हैं चीन के रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, आरएनएन। भारत और चीन के बीच पिछले करीब तीन वर्षों से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चले आ रहे गतिरोध के बीच चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू के भारत यात्रा पर आने की संभावना है।

दरअसल भारत 27 अप्रैल से शंघाई सहयोग संगठन देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक की मेजबानी कर रहा है और उसने इसके लिए सभी सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों को आमंत्रित किया है। पाकिस्तान और चीन के रक्षा मंत्रियों को भी बैठक में हिस्सा लेने का निमंत्रण दिया गया है।

सूत्रों के अनुसार चीन के रक्षा मंत्री के बैठक में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लेने की संभावना है और इसके लिए वह भारत यात्रा पर आ सकते हैं।

यदि चीनी रक्षा मंत्री भारत आते हैं तो पूर्वी लद्दाख में करीब तीन वर्ष से चले आ रहे सैन्य गतिरोध के बाद चीन के रक्षा मंत्री की यह पहली भारत यात्रा होगी। हालाकि अभी इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गयी है।

उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2020 में चीन द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति को बदलने की एकतरफा कोशिश के बाद से दोनों देशों की सेनाओं के बीच गतिरोध चला आ रहा है।

बुजुर्गो और कमजोर समूहों के लिए डब्ल्यूएचओ ने की कोविड बूस्टर की मांग

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कई देशों में कोविड-19 के मामलों में एक और वृद्धि के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुजुर्गों और अन्य कमजोर समूहों के लिए बूस्टर टीकाकरण की सिफारिश की है। टीकाकरण पर विशेषज्ञों के डब्ल्यूएचओ के रणनीतिक सलाहकार समूह की बैठक के बाद सिफारिश की गई।

संक्रमण और टीकाकरण के कारण ओमिक्रोन और उच्च जनसंख्या-स्तर की प्रतिरक्षा के प्रभाव को दशार्ने के लिए कोविड टीकों के उपयोग को प्राथमिकता देने के लिए रोडमैप को संशोधित किया। एसएजीई अध्यक्ष डॉ हन्ना नोहिनेक ने एक बयान में कहा, संशोधित रोडमैप उन लोगों के टीकाकरण के महत्व पर फिर से जोर देता है जो अभी भी गंभीर बीमारी के जोखिम में हैं, ज्यादातर पुराने वयस्क और अतिरिक्त बूस्टर के साथ अंतर्निहित स्थिति वाले हैं।

संशोधित रोडमैप में कोविड टीकाकरण के लिए तीन प्राथमिक उपयोग समूहों की रूपरेखा दी गई हैः उच्च, मध्यम और निम्न।

ये प्राथमिकता समूह मुख्य रूप से गंभीर बीमारी और मृत्यु के जोखिम पर आधारित होते हैं, और टीके के प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता, कार्यक्रम संबंधी कारकों और सामुदायिक स्वीकृति पर विचार करते हैं।

उच्च प्राथमिकता वाले समूह में वृद्ध वयस्क, महत्वपूर्ण कॉमरेडिटी वाले युवा वयस्क, छह महीने की उम्र के बच्चों और वृद्ध गर्भवती व्यक्तियों और अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकताओं सहित इम्यूनोकॉम्प्रोमाइजिंग स्थितियों वाले लोग शामिल हैं।

उच्च प्राथमिकता वाले समूह के लिए, एसएजीई अंतिम खुराक के बाद 6 या 12 महीने के अतिरिक्त बूस्टर की सिफारिश करता है, जिसकी समय सीमा उम्र और इम्यूनोकम्प्रोमाइजिंग स्थितियों जैसे कारकों पर निर्भर करती है।

डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि सभी कोविड वैक्सीन सिफारिशें समय-सीमित हैं, और केवल वर्तमान महामारी परिध्श्य के लिए ही लागू की जानी चाहिए। इस प्रकार, वैश्विक स्वास्थ्य निकाय ने कहा, अतिरिक्त बूस्टर के लिए सिफारिशों को निरंतर वार्षिक कोविड वैक्सीन बूस्टर के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। नोहेनेक ने कहा, देशों को यह तय करने में अपने विशिष्ट संदर्भ पर विचार करना चाहिए कि स्वस्थ बच्चों और किशोरों जैसे कम जोखिम वाले समूहों को टीकाकरण जारी रखना है या नहीं, जबकि नियमित टीकों से समझौता नहीं करना चाहिए, जो इस आयु वर्ग के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

ऋण गारंटी सीमा में वृद्धि, शुल्क में कमी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने छोटे उद्योग धंधों को प्रोत्साहन देने और उनको सुगमता से पूंजी उपलब्ध कराने के लिए गारंटी राशि की सीमा बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए और शुल्क घटाकर 0.37 प्रतिशत करने की घोषणा की है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि छोटे उद्योग धंधों के लिए क्रेडिट गांरटी योजना में बदलाव किया गया है। नये दिशा निदेर्शों के अनुसार ऋण गारंटी की राशि दो करोड़ रुपए से बढ़ाकर पांच करोड़ रुपए कर दी गयी है। इसके साथ ही गांरटी राशि शुल्क दो प्रतिशत से घटाकर 0.37 प्रतिशत कर दिया गया है। ये बदलाव एक अप्रैल से प्रभावी होंगे। केंद्रीय बजट 2023-24 में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक अप्रैल से सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना में सुधार की घोषणा की थी। इसके लिए 9,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

इसरो ने किया आरएलवी का सफल परीक्षण

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को रीयूजेबल लॉन्च वीइकल ऑटोनॉमस लैंडिंग मिशन (आरएलवी-एलईएक्स) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

इसके साथ भारत का अपना पुनः प्रयोज्य लॉन्च वाहन होने का सपना वास्तविकता के एक कदम करीब पहुंच गया है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि यह परीक्षण आज तड़के कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में किया गया।

आरएलवी ने सुबह 7:10 बजे भारतीय वायु सेना के एक चिनूक हेलीकॉप्टर द्वारा अंडरस्लंग लोड के रूप में उड़ान भरी और 4.5 किमी (एमएसएल से ऊपर) की ऊंचाई हासिल की।

इसरो ने सिलसिलेवार ट्वीट में बताया कि आरएलवी के मिशन मैनेजमेंट कंप्यूटर कमांड के आधार पर एक बार पूर्व निर्धारित पिलबॉक्स पैरामीटर प्राप्त हो जाने के बाद, आरएलवी को मध्य हवा में 4.6 किमी की डाउन रेंज में छोड़ा गया है। इसरो ने बताया कि स्थितियों में स्थिति, वेग, ऊंचाई और शरीर की दर आदि को कवर करने वाले 10 पैरामीटर शामिल है।

आरएलवी का परीक्षण स्वायत्त है। आरएलवी ने तब एकीकृत नेविगेशन, मार्गदर्शन और नियंत्रण प्रणाली का उपयोग करके दृष्टिकोण और लैंडिंग युद्धाभ्यास किया और सुबह 7:40 बजे एटीआर हवाई पट्टी पर एक स्वायत्त लैंडिंग पूरी की। इसके साथ ही इसरो ने अंतरिक्ष यान की स्वायत्त लैंडिंग सफलतापूर्वक हासिल की।

इसरो ने बताया कि आरएलवी अनिवार्य रूप से एक अंतरिक्ष विमान है, जिसमें कम लिफ्ट टू ड्रैग अनुपात होता है। इसके लिए उच्च ग्लाइड कोणों पर एक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। साथ ही इसके लिए 350 किमी प्रति घंटे के उच्च वेग पर लैंडिंग की आवश्यकता होती है।

सफल परीक्षण के लिए मोदी ने इसरो की सराहना की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रीयूजेबल लॉन्च वीइकल स्वायत्त लैंडिंग मिशन (आरएलवी एलईएक्स) के सफल परीक्षण के लिए सराहना की हैं।

श्री मोदी ने आज परीक्षण की सफलता पर ट्वीट कर पुनः प्रयोग के अनुकूल प्रक्षेपण यान स्वायत्त लैंडिंग मिशन' (आरएलवी एलईएक्स) के सफल परीक्षण के लिए इसरो की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत को पुनः प्रयोग के अनुकूल प्रक्षेपण यान के उद्देश्य को साकार करने के लिए एक कदम और करीब ले जाती है। इसरो ने बताया कि कर्नाटक के चित्रदुर्ग में वैमानिकी परीक्षण रेंज (एटीआर) में पुन प्रयोग किये जाने वाले यान की स्वायत्त लैडिंग का परीक्षण किया गया।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
कार्यालय:
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62
फोन:
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

भारतीय मूल के सॉफ्टवेयर इंजीनियर को नासा के चंद्र से मंगल कार्यक्रम का प्रमुख नियुक्त किया गया

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल के अमेरिकी सॉफ्टवेयर और रोबोटिक इंजीनियर अमित क्षत्रिय को नासा के नए चंद्र से मंगल कार्यक्रम का पहला अध्यक्ष नामित किया गया है। यह कार्यक्रम अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा की चंद्रमा पर दीर्घकालिक उपस्थिति की तैयारियों को सुनिश्चित करेगा ताकि मानव को अंतरिक्ष विज्ञान की नयी उपलब्धि के तहत लाल ग्रह (मंगल) तक भेजा जा सके।

एजेंसी ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि क्षत्रिय नासा द्वारा गठित कार्यालय के पहले प्रमुख के तौर पर तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरू करेंगे। नासा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि नए कार्यालय का उद्देश्य एजेंसी की चंद्रमा और मंगल पर मानव अन्वेषण गतिविधियों को अंजाम देना है ताकि पूरी मानवता को उसका लाभ मिल सके।

नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा, अन्वेषण का स्वर्ण काल अब हो रहा है और नया कार्यालय यह सुनिश्चित करने में नासा की मदद करेगा कि वह चंद्रमा पर सफलतापूर्वक दीर्घकालिक उपस्थिति दर्ज करे और मानवता को मंगल ग्रह की ओर छलांग लगाने हेतु तैयारियों को पूरा किया जा सके। नेल्सन ने कहा, चंद्रमा से मंगल कार्यक्रम कार्यालय नासा को चंद्रमा तक मिशन को पूरा करने और मंगल ग्रह पर पहली बार मानव को भेजने की तैयारियों में मदद करेगा।

विज्ञप्ति के मुताबिक क्षत्रिय चंद्रमा और मंगल ग्रह पर मानव मिशन की योजना बनाने और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

क्षत्रिय ने एकीकृत अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली ओरियन और एक्लो लरेशन ग्राउंड सिस्टम प्रोग्राम का निर्देशन और नेतृत्व किया है। पूर्व में क्षत्रिय ने सामान्य अन्वेषण प्रणाली विकास संभाग के कार्यवाहक एसोसिएट निदेशक पद पर कार्य किया है।

क्षत्रिय ने वर्ष 2003 में अंतरिक्ष कार्यक्रम में अपने करियर की शुरूआत की थी। वर्ष 2014 से 2017 तक वह अंतरिक्ष केंद्र उड़ान निदेशक के पद पर रहे।

क्षत्रिय भारत से अमेरिका आए पहली पीढ़ी के प्रवासी की संतान हैं और उन्होंने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से गणित विज्ञान में स्नातक किया है और टेक्सास विश्वविद्यालय से गणित में एमए की उपाधि हासिल की है।

हनोई 2022 में वियतनाम का सबसे महंगा शहर : रिपोर्ट

हनोई, एजेंसी। वियतनाम की राजधानी हनोई 2022 में दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में रहने के लिए सबसे महंगी जगह थी। वियतनाम के सामान्य सांख्यिकी कार्यालय की ओर से हाल ही में प्रकाशित निवास करने की लागत पर एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। शीर्ष पांच सबसे महंगे शहरों और प्रांतों की सूची में क्वांग निन्ह का उत्तरी प्रांत दूसरे स्थान पर है। इसके बाद दक्षिणी हो ची मिन्ह सिटी, केंद्रीय दा नांग शहर और दक्षिणी बा रिया-वंग ताऊ प्रांत है।

स्थानीय समाचार पत्र वियतनाम न्यूज ने शुक्रवार को इस रिपोर्ट को हवाला देते हुये यह रिपोर्ट प्रकाशित की है। सेंट्रल क्वांग ट्राई प्रांत को 2022 में सबसे कम स्थानिक लागत के रहने वाले सूचकांक (एससीओएलआई) के साथ पाया गया, इसके बाद ट्रे विन्ह, बेन ट्रे, सोक ट्रांग और नाम दिन्ह का स्थान है। रिपोर्ट के अनुसार, रेड रिवर डेल्टा ने उत्तरी मिडलैंड और पर्वतीय क्षेत्र और दक्षिण पूर्व क्षेत्र के साथ देश के सबसे महंगे क्षेत्र के रूप में अपनी स्थिति बरकरार रखी। मेकांग डेल्टा क्षेत्र में मोटे तौर पर भोजन और खानपान सेवाओं की कम कीमतों के कारण रहने की लागत सबसे कम है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्र की गहन खेती के तरीकों और कृषि उत्पादन के लिए अनुकूल मिट्टी और जलवायु परिस्थितियों के कारण ये कीमतें कम हैं। पिछले साल वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से और अप्रत्याशित घटनाक्रम के बावजूद, वियतनाम में 2022 में एससीओएलआई सूचकांक 2021 की तुलना में ज्यादा बदलाव नही आया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि विविध वितरण प्रणाली के साथ उपभोक्ता सामान प्रचुर मात्रा में हैं, इसलिए इलाकों में वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं हुआ।

यौन उत्पीड़न साबित हुआ तो कार्रवाई की जाएगी : स्टालिन

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा में आज कलाक्षेत्र फाउंडेशन में यौन उत्पीड का मामला उठाया गया। इस पर मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आश्वासन दिया कि यदि आरोपियों के खिलाफ सबूत मिलते है तो उन पर आश्वयक कार्रवाई की जायेगी।

विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य की ओर से लाये गये विशेष ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुये स्टालिन ने कहा कि राज्य सरकार पूरे मामले की विस्तृत जॉच करायेगी और यदि आरोप सही पाये गये तो आरापियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी चाहे वह कोई भी हो। द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने कहा कि कलाक्षेत्र फाउंडेशन केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्रालय के तहत काम करता है और राष्ट्रीय महिला आयोग ने 21 मार्च को अखबार में प्रकाशित रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा था। इसके बाद फाउंडेशन निदेशक ने पुलिस महानिदेशक से मुलाकात कर कहा था कि संस्थान में यौन उत्पीड की कोई शिकायत नहीं थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने समाचार पत्र की रिपोर्ट के आधार पर महानिदेशक को 25 मार्च को एक और पत्र लिखा था इसके बाद जांच की गयी।

स्टालिन ने कहा कि 29 मार्च को महिला आयोग की अध्यक्ष ने फाउंडेशन का दौरा किया और 210 छात्राओं से पूछताछ की। उन्होंने कहा कि इस संबंध में पुलिस को कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

नाटो सदस्यता: फिनलैंड की सभी बाधाएं दूर, तुर्किए की संसद ने दी मंजूरी

स्वीडन की सदस्यता अटकी, तुर्किए व हंगरी से नहीं मिली हरी झंडी

अंकारा, एजेंसी। फिनलैंड को नाटो की सदस्यता मिलने की सभी बाधाएं दूर हो गयी हैं। तुर्किए की संसद ने फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने के लिए सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। अभी स्वीडन की नाटो सदस्यता की राह में तुर्किए और हंगरी की बाधा बनी हुई है।

नाटो की सदस्यता के लिए पूरी प्रक्रिया के साथ सभी सदस्य देशों की मंजूरी भी जरूरी होती है। फिनलैंड व स्वीडन ने नाटो सदस्यता के लिए आवेदन किया था। अब तक तुर्किए की संसद से दोनों देशों की सदस्यता को मंजूरी न मिलने के कारण इनकी नाटो सदस्यता अटकी हुई थी। अब तुर्किए की संसद ने एकमत से फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने की मंजूरी दे दी है। नाटो के अन्य सदस्य देश पहले ही फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने की मंजूरी दे चुके हैं। स्वीडन और फिनलैंड ने साल 2022 में नाटो का सदस्य बनने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद अधिकतर देशों ने स्वीडन और फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाने की मंजूरी दे दी थी लेकिन हंगरी और तुर्किए इसके लिए तैयार नहीं थे। तुर्किए का आरोप था कि कुर्दिश आतंकी संगठन फिनलैंड और स्वीडन से तुर्किए के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। हालांकि दोनों देशों ने तुर्किए के आरोपों से इनकार किया था। वहीं हंगरी का आरोप है कि स्वीडन और फिनलैंड में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है और दोनों देश इसके बारे में झूठ बोलते हैं। बाद में तुर्किए और हंगरी ने फिनलैंड के प्रति अपने रुख को नरम कर लिया था और फिनलैंड को नाटो में शामिल करने की मंजूरी दे दी। दोनों देश अभी भी स्वीडन की सदस्यता का विरोध कर रहे हैं। हंगरी का कहना है कि स्वीडन को सदस्यता पाने के लिए कई बड़े कदम उठाने होंगे।

नाटो की सदस्यता की राह खुलने पर फिनलैंड ने खुशी जाहिर की है। फिनलैंड के राष्ट्रपति साउली निनिस्तो ने कहा कि हमारा देश नाटो में शामिल होने के लिए तैयार है। सभी 30 देशों ने उनकी सदस्यता को मंजूरी दे दी है और वह सभी सदस्य देशों को उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं। निनिस्तो ने कहा कि फिनलैंड एक मजबूत और सक्षम सहयोगी बनेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वीडन भी जल्द नाटो का सदस्य बनेगा। नाटो के महासचिव जेंस स्टोलटेनबर्ग ने भी फिनलैंड को नाटो का सदस्य बनाए जाने का स्वागत किया और कहा कि इससे नाटो और मजबूत होगा।

रामनवमी झड़पः हावड़ा में स्थिति अब शांतिपूर्ण

हावड़ा (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हावड़ा शहर में काजीपाडा इलाके के आसपास रामनवमी की शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान दो समूहों के बीच हुई झड़प के बाद पुलिस की भारी तैनाती के बीच शुक्रवार को इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हावड़ा शहर थाने के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि काजीपाडा के आसपास के विभिन्न इलाकों में रात भर तलाशी अभियान चलाए गए और छापेमारी की गई। झड़प के सिलसिले में अब तक 35 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि वीडियो फुटेज के जरिए हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम बंगाल के हावड़ा शहर में बृहस्पतिवार की शाम रामनवमी की शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान दो समूहों के बीच हिंसा हो गयी थी। घटना तब हुई, जब शोभायात्रा काजीपाडा इलाके से गुजर रही थी। हिंसा के दौरान कई दुकानों और ऑटो-रिक्शा में तोड़फोड़ की गई, जबकि कुछ पुलिस वाहनों सहित कई कार में आग लगा दी गई। आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाडियों का इस्तेमाल किया गया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया। इलाके में शांति बहाल करने के लिए भारी बल तैनात किया गया है। शहर में पश्चिम बंगाल के प्रति केंद्र सरकार के कथित भेदभाव के खिलाफ यहां धरने पर बैठीं मुख्यमंत्री ममता बनर्ती ने अपने 30 घंटे के विस्तारित धरने का समापन करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, मैंने बार-बार कहा है कि रामनवमी की किसी भी शोभायात्रा को नहीं रोका जाएगा। मैंने इस संबंध में पुलिस को स्पष्ट निर्देश दिए थे। जहां एक समुदाय अन्नपूर्णा पूजा मना रहा है, वहीं दूसरा रमजान के दौरान रोजा रख रहा है। बनर्जी ने कहा, उन्होंने (आखिरी समय में) रास्ता क्यों बदला और एक समुदाय को निशाना बनाने और उस पर हमला करने के लिए अनाधिकृत रास्ता क्यों अपनाया। यदि वे मानते हैं कि वे दूसरों पर हमला करेंगे और कानूनी हस्तक्षेप के माध्यम से राहत प्राप्त करेंगे, तो उन्हें पता होना चाहिए कि जनता एक दिन उन्हें नकार देगी।

हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोपों को निराधार बताया। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अधिकारी ने कहा, हिंसा के लिए मुख्यमंत्री और राज्य प्रशासन जिम्मेदार हैं।

आईजीएमसी में 45.68 करोड़ रुपये से बनेगा पीईटी ब्लॉक, मुख्यमंत्री ने रखी आधारशिला

शिमला, एजेंसी। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में 45.68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनने वाले पहले पीईटी ब्लॉक की आधारशिला रखी। इसमें 21 करोड़ रुपये की पोजीट्रान एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी) सीटी मशीन, 9 करोड़ रुपये स्पैक्ट सीटी मशीन के लिए तथा 15.68 करोड़ रुपये की राशि निर्माण कार्यों के लिए शामिल हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के मरीजों को पीईटी स्कैन के लिए चंडीगढ़ या दिल्ली जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश में मरीजों को विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। पीईटी की सुविधा प्रदेश में प्राप्त होने से लोगों के पैसे और समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि एक बार पीईटी ब्लॉक का कार्य पूरा हो जाने के बाद यह कार्डियोलॉजी, मनोचिकित्सा, यूरोलॉजी और अन्य विभागों के अलावा कैंसर का पता लगाने, प्रतिक्रिया और फॉलो-अप की सुविधा प्रदान में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि पीईटी ब्लॉक तीन मंजिला इमारत होगी, जिसमें मरीजों, डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के लिए आधुनिक सुविधाओं के अलावा लगभग 50 वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य एक वर्ष के भीतर सभी मेडिकल कॉलेजों में पीईटी स्कैन सुविधाएं स्थापित करना है। हमीरपुर मेडिकल कॉलेज में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर कैंसर केयर के लिए 400 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ रही है और कैंसर के कारणों के अध्ययन के लिए बजट में पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और सरकारी अस्पतालों में रेफरल सिस्टम को समाप्त कर विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किए हैं, जिसमें सभी मेडिकल कॉलेजों में आपातकालीन चिकित्सा विभाग की स्थापना भी शामिल है, ताकि लोगों को शीघ्र इलाज कराने में किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि इस विभाग के आईसीयू में प्रति बेड एक स्टाफ नर्स तैनात की जाएगी। कैजुअल्टी वार्ड में तीन बेड पर एक स्टाफ नर्स तैनात की जाएगी और प्रत्येक 10 बेड पर एक डॉक्टर तैनात किया जाएगा। उनकी ड्यूटी आठ घंटे तक सीमित होगी। उन्होंने कहा कि आईजीएमसी शिमला में ट्रॉमा सेंटर के साथ 175 बिस्तर क्षमता की आपातकालीन चिकित्सा सुविधा स्थापित करने के लिए 11 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

बावड़ी हादसे में 36 की मृत्यु, 18 सुरक्षित निकाले गए

इंदौर,एजेंसी। मध्यप्रदेश के इंदौर के बेलेश्वर मंदिर परिसर में रामनवमी के दिन बावड़ी की छत गिरने के कारण हुए हादसे में 36 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गयी और 18 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज घायलों से मुलाकात करने के साथ ही घटनास्थल का मुआयना किया।

स्थानीय स्नेह नगर क्षेत्र के बेलेश्वर मंदिर में रामनवमी के दिन श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए एकत्रित हुए थे। मंदिर परिसर में एक पुरानी बावड़ी थी, जिसे छत बनाकर ढक दिया गया था। गुरुवार को दिन में लगभग 12 बजे अचानक छत भरभराकर गिर गयी और उस पर खड़े लोग बावड़ी में गिर गए। सूचना मिलने पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू हुए और कल रात तक 13 लोगों के शव निकाले गए। वहीं 18 लोगों को सुरक्षित निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार राहत एवं बचाव कार्य में सेना के जवानों की भी मदद ली गयी और आज सुबह तक शेष 23 लोगों के शव और निकाले गए। इसके साथ ही राहत एवं बचाव कार्य पूरा हो गया। कुल 36 लोगों की मृत्यु दर्ज की गयी, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों की स्थिति खतरे के बाहर बतायी गयी है। हालाकि कुछ घायलों का गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में इलाज चल रहा है। शेष जनरल वार्ड में भर्ती हैं।

इसके पहले मुख्यमंत्री श्री चौहान और गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा सुबह विशेष विमान से भोपाल से इंदौर पहुंचे। उनके साथ ही जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की। इसके बाद श्री चौहान घटनास्थल पर पहुंचे और कहा कि इस मामले में दोषियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार मंदिर कमेटी से जुड़े पदाधिकारियों के खिलाफ गैरइरादतन हत्या और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस संपूर्ण मामले की इंदौर जिला कलेक्टर ने दंडाधिकारीय जांच (मजिस्ट्रियल इंक्वारी) के आदेश दे दिए हैं।

एक नजर

अगले सप्ताह अदालत में पेश हो सकते हैं ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मैनहट्टन के जिला अटॉर्नी की ओर से दायर आरोपों के परिप्रेक्ष्य में मंगलवार को अदालत में पेश हो सकते हैं। सीएनएन ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। इससे पहले गुरुवार को श्री ट्रम्प के खिलाफ जूरी ने आरोप तय किये थे। कथित तौर पर व्यापार रिकॉर्ड को गलत साबित करने से संबंधित 30 से अधिक मामलों का उन्हें सामना करना पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति ने हालांकि इन आरोपों को खारिज करने के साथ ही इसे राजनीतिक उत्पीड़न और चुनावी हस्तक्षेप करार दिया है।

जापान ने रूस को विमान, ड्रोन, निर्माण उपकरण के निर्यात पर लगाया प्रतिबंध

टोक्यो, एजेंसी। जापान रूस को वह निर्माण उपकरण निर्यात नहीं करेगा, जिसमें हाइड्रोलिक उत्खनन और बुलडोजर, विमान और जहाज इंजन, नेविगेशन के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, उड़ान रेडियो, विमान और अंतरिक्ष यान और उनके लिए पुर्जे, ड्रोन और ऑप्टिकल और फोटोग्राफिक उपकरण शामिल हो।

जापानी अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि सात अप्रैल से लागू होने वाले निर्यात प्रतिबंध स्टील और स्टील उत्पादों, एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम उत्पादों, स्टीम बॉयलरों और उनके लिए पुर्जों पर भी लागू होंगे , साथ ही फोर्जिंग उपकरण, जनरेटर, परिवहन वाहन और उनके लिए पुर्जे, ऑप्टिकल फाइबर और फाइबर ऑप्टिक केबल, मापने के उपकरण, सटीक उपकरण और दूरबीन पर यह प्रतिबंध लागू होगा।

इक्वाडोर में भूस्खलन में सत्रह लोगों की मौत, 37 घायल

क्विटो, एजेंसी। मध्य इक्वाडोर में भूस्खलन में कम से कम सत्रह लोगों की मौत हो गयी और 37 अन्य घायल हो गये।

जोखिम प्रबंधन के राष्ट्रीय सचिवालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस एजेन्सी ने बताया कि रविवार को चिम्बोराजो प्रांत के अलौसी शहर में भारी भूस्खलन हुआ था। एजेंसी ने कहा कि भूस्खलन से कुल पांच सौ स्थानीय निवासियों के प्रभावित होने के साथ ही 72 लोगों के लापता होने की सूचना है। इसके अलावा, प्राकृतिक आपदा ने 57 घरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया।

आस्ट्रेलिया में कोरोना की नयी लहर की चेतावनी, लोगों को बूस्टर खुराक लेने की सलाह

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष चिकित्सक ने देश को सर्दी से पहले कोविड-19 के नए दौर से निपटने के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) पॉल केली और स्वास्थ्य एवं वृद्ध देखभाल मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि सरकार रविवार को टीकाकरण के महत्व और मूल्य को मजबूत करने के लिए नए कोविड-19 विज्ञापन अभियान की शुरूआत करेगी। यह 2023 के लिए एक अतिरिक्त कोविड-19 बूस्टर खुराक के लिए टीकाकरण पर ऑस्ट्रेलियाई तकनीकी सलाहकार समूह की सलाह के बाद यह अभियान शुरू किया गया है।

श्री बटलर ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ह्लयदि आपको संक्रमित हुए छह महीने से अधिक समय हो गया है, या छह महीने पहले जब आपने कोविड वैक्सीन की अपनी अंतिम खुराक ली थी, तो अब आप बाहर जाकर अपनी सुरक्षा के लिए एक और अतिरिक्त खुराक प्राप्त कर सकते हैं, चाहे वह आपकी तीसरी, चौथी या पाँचवीं खुराक हो। श्री केली ने कहा कि वर्ष के ठंडे महीनों के दौरान ऑस्ट्रेलिया में संक्रमण की नई लहरों की भविष्यवाणी से पहले बूस्टर टीकों का बढ़ता कवरेज महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी की शुरूआत में उपलब्ध कराए जाने के बाद से 10 लाख ऑस्ट्रेलियाई लोगों को 2023 की बूस्टर खुराक मिल चुकी है।

गिरफ्तार सिखों की रिहाई को लेकर एसजीपीसी ने किया रोष मार्च

अमृतसर, एजेंसी। अमृतपाल सिंह के मामले में गिरफ्तार किए गए सिख नौजवानों की रिहाई की मांग को लेकर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी की अध्यक्षता में श्री हरमंदर साहिब से लेकर डीसी दफ्तर तक रोष मार्च निकाला गया। इस रोष मार्च में एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी सहित रागी जत्थो के अलावा एसजीपीसी के सदस्य ने भी हिस्सा लिया। डीसी दफ्तर के बाहर सभी एकत्रित हुए और पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया। एसजीपीसी की मांग है कि अमृतपाल के मामले में जिन लोगों पर एनएसए लगाया गया है, वह हटाया जाए। इसके अलावा दूसरे राज्यों की जेलों में भेजे गए सिख नौजवानों को पंजाब में वापस लाया जाए।

डीसी दफ्तर पहुंचने के बाद एसजीपीसी की तरफ से डीसी को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। हम सरकार से अपील करते हैं कि धारा 751 के तहत बुक किए गए सभी लोगों को छुट्टी दे दी जाए। साथ ही उनके खिलाफ एनएसए को रद्द कर दिया जाए। हम डीसी अमृतसर को एक ज्ञापन देंगे कि नजरबंद रखे गए निर्दोष युवकों को रिहा किया जाए।

शिंदे-फडणवीस सरकार ने पिछड़े वर्ग के फंड में

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार विपक्षी पार्टी के प्रतिनिधियों को निशाना बना रही है और महा विकास अघाड़ी सरकार द्वारा स्वीकृत कार्यों को निलंबित करने जैसी कई पहलों के बाद अब वह पिछड़े वर्गों के सही फंड में कटौती करने का पाप कर रही है। श्री पाटिल ने अपने ट्वीट किया, पिछड़े वर्ग की कई योजनाएं प्रभावित हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा सरकार ने पिछले बजट में महा विकास अघाड़ी सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग की कल्याणकारी योजनाओं के लिए किए गए प्रावधान में बड़ी कटौती की है ।उन्होंने कहा कि इन्दु मिल में डॉ बाबासाहेब अम्बेडकर के स्मारक के प्रावधान में कमी की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया है। उन्होंने कहा कि 'स्टैंड अप इंडिया' योजना के मूल बजट में एक सौ करोड़ रुपये के प्रावधान में से 10 करोड़ रुपये की कमी कर दी है।

देश में हो रही लोकतंत्र की हत्या : सीपीएस सुंदर

कुल्लू, एजेंसी। देश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। पूर्व में ऐसा कभी नहीं हुआ जब विपक्ष की आवाज को दबाया गया हो। यह बात मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर ने सर्किट हाउस में पत्रकार वार्ता में कही।

ठाकुर ने कहा भाजपा नफरत की राजनीति कर रही है। देश में नफरत की राजनीति को खत्म करने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 4 हजार किलोमीटर तक पद यात्रा की गई। जहां उन्हें भारी समर्थन प्राप्त हुआ। ठाकुर ने कहा राहुल गांधी ने पूछना शुरू किया कि मोदी जी बताएं अडानी कौन है। लगातार राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे सवालों से घबराई भाजपा ने योजना के साथ न्यायपालिका को प्रो एक्टिव किया ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो साल की सजा मिलते ही 24 घंटे में लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी।

सीपीएस ने कहा कांग्रेस कर्नाटक में पूरे बहुमत से सरकार बनाएगी। ठाकुर ने कहा भाजपा तानाशाही तरीके से सरकार चला रही है। पहले अडवाणी ओर शांता कुमार जैसे कद्दावर नेताओं को हाशिए पर धकेला गया ओर उसी प्रकार राहुल गांधी को भी रास्ते से हटाने का प्रयास किया है।

कोविड संबंधी हालात पर नजर रख रही दिल्ली सरकार

किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं : केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी पर नजर रख रही है और 'हर प्रकार की स्थिति से निपटने के लिए तैयार' है।

केजरीवाल ने कहा कि पिछले चार-पांच दिन में संक्रमण से तीन मरीजों की मौत हुई और ये लोग पहले से ही किसी 'अत्यंत गंभीर' बीमारी से ग्रसित थे। उन्होंने कहा कि आकलन में पता चला है कि संक्रमित लोगों की मौत अन्य गंभीर बीमारियों के कारण हुई और उनकी मौत का मुख्य कारण कोविड नहीं था, लेकिन इस बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता।

केजरीवाल ने कोविड संबंधी हालात पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि चिंता करने की अभी कोई आवश्यकता नहीं है और शहर की सरकार हर जरूरी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार कोविड-19 संबंधी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और वह किसी भी प्रकार की स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 295 नए मामले सामने आए थे और संक्रमण की दर 12.48 प्रतिशत रही। दिल्ली में पिछले साल 31 अगस्त के बाद एक दिन में सबसे अधिक 300 मामले बुधवार को सामने आए थे और दो लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण दर 13.89 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

दिल्ली से 36 लाख पुराने वाहनों को हटाने में लग जाएंगे सैकड़ों साल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में परिवहन विभाग द्वारा अवैध घोषित की जा चुकी 36 लाख गाड़ियों को सड़कों से हटाना परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। बीते दो वर्षों में जिस रफ्तार से पुराने वाहनों को जब्त कर कबाड़ (स्क्रैप) में भेजा गया है, उसी रफ्तार से काम हुआ तो पूरी तरह से दिल्ली से पुराने वाहनों को हटाने में 736 साल लग जाएंगे. राजधानी में प्रदूषण की रोकथाम के लिए 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया था। इससे पहले एनजीटी ने भी 10 साल पुराने डीजल वाहनों और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार की स्क्रैपिंग पॉलिसी के तहत पुराने वाहन को अगर स्क्रैप कराने पर नए वाहनों के पंजीकरण में कुछ रियायत दी जाती है। लेकिन इन योजनाओं के बावजूद दिल्ली में पुराने वाहन चल रहे हैं। विभाग के सामने बड़ी चुनौती है कि डी-रजिस्टर्ड की जा चुकी 36 लाख वाहनों को कैसे हटाया जाए. आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 2022-23 में 8,444 पुराने वाहनों को जब्त किया गया है। जबकि, 2021-22 में जब्त किए गए वाहनों की संख्या 2,931 थी।

रोड पर पार्क मिली गाड़ी तो होगी जब्तः पिछले सप्ताह दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने पुराने वाहनों को सीधे कबाड़ में भेजने का अभियान शुरू किया है।

एक नजर

कूड़ा उठाने के विवाद में निगमकर्मियों और पुलिस से मारपीट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर में कबाड़ की दुकान का कूड़ा उठाने के विवाद में स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के सफाईकर्मियों से मारपीट की। इतना ही नहीं, सूचना पर पहुंचे पुलिस जवानों को भी पीटा। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की तलाश की जा रही है।

नगर निगम के सफाई कर्मचारी रोहताश के अनुसार, 29 मार्च की रात को वह कूड़े की गाड़ी लेकर सहयोगी कर्मचारी राहुल के साथ लौट रहे थे। तभी मुस्तफाबाद में एक कबाड़ की दुकान के पास चार-पांच लोगों ने उन्हें रोक लिया और कूड़ा उठाने के लिए कहने लगे। उन्होंने कहा कि गाड़ी में घर का कूड़ा उठाते हैं। इसके बाद आरोपियों गाली-गलौज शुरू कर दी। रोहताश वीडियो बनाने लगे। आरोपियों ने मोबाइल फोन और गाड़ी की चाबी छीन ली। साथ ही मारपीट भी की गई। सूचना पर दयालपुर थाने से कांस्टेबल प्रतीक और हेड कांस्टेबल अंकित वहां पहुंचे। आरोपियों ने उनके साथ भी गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। सूचना मिलने के बाद थाने से और पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और दो को पकड़ लिया।

निगम इस साल 80 हजार कुत्तों का बंध्याकरण करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में कुत्तों के आंतक से निपटने के लिए दिल्ली नगर निगम इस साल 80 हजार कुत्तों का बंध्याकरण कराएगा। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र आधारित बंध्याकरण नीति के तहत डॉग एंबुलेंस भी मुहैया कराई जा रही हैं। इससे सड़कों पर ज्यादा से ज्यादा गैर पालतू कुत्तों को बंध्याकरण किया जा सकेगा। वसंत कुंज में कुत्तों के हमले के बाद दो भाइयों की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद महापौर शैली ओबरॉय ने नगर निगम के अधिकारियों की बैठक ली थी। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द इस तरह की घटना रोकने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया जाए। अधिकारियों का कहना है कि गैर पालतू कुत्तों की जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए कुत्तों के बंध्याकरण का अभियान शुरू कर दिया गया है। इस साल में करीब 80 से अधिक कुत्तों के बंध्याकरण का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए चार नये बंध्याकरण केंद्र जल्द ही शुरू कर दिए जाएंगे। बीते साल सितंबर 2022 तक 36 हजार 735 कुत्तों का बंध्याकरण किया गया था।

वजीर हत्याकांड की जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंपी

नई दिल्ली, एजेंसी। मोती नगर इलाके में वर्ष 2021 में हुई नेशनल कांफ्रेंस के नेता त्रिलोचन सिंह वजीर की हत्या के मामले की जांच अब आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दी गई है। हाल ही में अपराध शाखा ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसको लेकर सवाल खड़े हो रहे थे, जिसके बाद पुलिस कमिश्नर जांच शाखा को ही बदल दिया है। जानकारी के अनुसार, अगस्त 2021 में मोती नगर इलाके में नेशनल कांफ्रेंस नेता त्रिलोचन सिंह वजीर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जांच पहले अपराध शाखा को सौंपी गई थी। मुख्य आरोपी हरमीत सिंह सहित तीन आरोपियों को कुछ समय बाद ही गिरफ्तार कर लिया था। आरोपपत्र दाखिल हो चुका है और मामला अदालत में है। हाल ही में अपराध शाखा ने जम्मू के तीन लोगों को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था और दिल्ली बुलाया गया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें सुदर्शन सिंह वजीर (पूर्व अध्यक्ष, यूनाइटेड सिख फ्रंट), हरजिंदर सिंह रैना (पूर्व सदस्य, जम्मू कश्मीर गुरुद्वारा प्रबंधक बोर्ड) और जगपाल सिंह (खजांची, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी) शामिल थे। इस पर परिजनों ने सवाल खड़े किए तो जम्मू स्थित गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने इसे गलत बताया था। पुलिस कमिश्नर के सामने भी मुद्दा उठाया था। इसके बाद मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा को सौंप दी गई है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम का अचानक बदला मिजाज, गरज के साथ बरसे बादल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। दिल्ली और दिल्ली से सटे इलाकों में बारिश हो रही है। बारिश को लेकर आईएमडी ने पहले ही अलर्ट दिया था। दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ तेज हवाएं भी चल रही है। तेज हवाओं और बारिश के चलते फिजा में ठंडक घुल गई है। आईएमडी ने कहा था कि अगले दो घंटों के दौरान दिल्लीह और एनसीआर के आसपास के क्षेत्रों में अलग-अलग स्थाअनों पर भारी वर्षा के साथ हल्कीर से सामान्य वर्षा होने की बात कही गई है। गुरुग्राम में भी तेज बारिश हुई है। बता दें कि अप्रेल के महीने में इस तरह का मौसम दुर्लभ है। वहीं, मौसम विभाग ने कहा था कि पश्चिम दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली (मुंडका, जाफरपुर, नजफगढ़) के अलग-अलग स्थानों के आसपास के क्षेत्रों में तूफान आने की भी संभावना है। वहीं, झज्जर, फरुखनगर, सोहना (हरियाणा) और भिवाड़ी (राजस्थान) के आसपास के क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तीव्रता के साथ बारिश होगी।

बाइक फिसलने पर गिरे बदमाश, दो को दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक युवक से मोबाइल झपट लिया। युवक के शोर मचाने पर गश्त करने वाले पुलिसकर्मियों ने बदमाशों को पकड़ने के लिए घेरा तो बदमाश घबरा गए और उनकी बाइक फिसल गई। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने बदमाशों को पकड़ लिया। पुलिस आरोपी 27 वर्षीय जसबीर, 23 वर्षीय आकाश उर्फ उत्कर्ष और 31 वर्षीय नवीन से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी अमृता गुगुलोथ ने बताया कि 31 मार्च को दल्लुपुरा में रहने वाले आकाश शर्मा नोएडा अपने दफ्तर से पैदल लौट रहे थे। जब वह अग्रेसन कॉलेज के पास पहुंचे। तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने उनसे मोबाइल झपट लिया और भागने लगे। उन्होंने शोर मचाया तो गश्त कर रहे पुलिस कर्मियों ने उन्हें घेरने का प्रयास किया। वह डर गए और उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई। गिरने के बाद पुलिसकर्मियों ने दो को दबोच लिया, जबकि एक फरार हो गया। बाद में पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुरानी कोंडली और राजबीर कॉलोनी के रहने वाले हैं।

दिल्ली से हज यात्रा के लिए 1200 लोगों का चयन, वेटिंग लिस्ट में 1500

नई दिल्ली, एजेंसी। हज यात्रा 2023 के लिए इस बार दिल्ली के 1200 लोगों का चयन किया गया है. लॉटरी के माध्यम से सभी तीर्थयात्रियों का चयन किया गया है. इस वर्ष चयन ड्रा रैंडम डिजिटल के माध्यम से किया गया है. जिसमें चयनित तीर्थयात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है. हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर अपलोड की गई सूची के अनुसार दिल्ली से 1200 लोगों को हज यात्रा के लिए चयनित किया गया है. वही वेटिंग लिस्ट में 1500 लोगों के नाम हैं. पूरी लिस्ट देखने के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं. गौरतलब है कि हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज 2023 पर जाने वाले लोगों के लिए 10 फरवरी को आवेदन करने का ऐलान किया था. इसी क्रम में दिल्ली स्टेट हज कमेटी ने भी राजधानी से हज 2023 के आवेदन मांगे थे. यात्रा के लिए लोगों ने हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर ऑनलाइन अप्लाई किया था.

कंझावला कांड : दिल्ली पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने कंझावला मामले में सात आरोपियों के खिलाफ शनिवार को 800 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि एक जनवरी की सुबह सुल्तानपुरी से कंझावला तक एक कार के नीचे फंसकर घिसटने से 20 वर्षीय युवती की मौत हो गई थी। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट सान्या दलाल ने आरोपपत्र पर विचार करने के लिए 13 अप्रैल की तारीख तय की है।

पुलिस ने दो जनवरी को इस मामले में दीपक खन्ना, अमित खन्ना, कृष्ण, मिथुन और मनोज मित्तल को गिरफ्तार किया था। अदालत ने दो अन्य आरोपियों आशुतोष भारद्वाज और अंकुश को पहले जमानत दे दी थी। एक सत्र अदालत ने दीपक खन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। पुलिस के अनुसार, सात लोगों को गिरफ्तार किया गया और जांच पूरी होने के बाद करीब 117 गवाहों के साथ 800 पृष्ठों का एक आरोपपत्र तैयार किया गया। पुलिस ने कहा, जांच के दौरान एकत्रित की गयी सामग्री और सबूतों के आधार पर आरोपियों पर अभियोग चलाने के लिए पर्याप्त सामग्री है। आरोपपत्र के अनुसार, अमित खन्ना, कृष्ण, मिथुन और मनोज मित्तल पर हत्या का आरोप लगाया गया है। आशुतोष और अमित खन्ना पर मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसमें कहा गया है कि सभी आरोपियों पर आपराधिक षडयंत्र, सबूत नष्ट करने, अपराधी को पनाह देने, साझा मंशा और झूठी सूचना देने के आरोप लगाए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने अमित खन्ना पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान या निजी

प्रधानमंत्री का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी : केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 21वीं सदी का युवा तेजी से भारत की तरक्की चाहता है इसलिए प्रधानमंत्री का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है। श्री केजरीवाल ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कल गुजरात उच्च न्यायालय का आदेश आया कि देश के लोग प्रधानमंत्री की शैक्षिक योग्यता के बारे में जानकारी नहीं ले सकते हैं। न्यायालय के इस आदेश से पूरा देश एक तरह से स्तब्ध है। हम लोग जनतंत्र में रहते हैं और जनतंत्र के अंदर प्रश्न पूछने और जानकारी मांगने की आजादी होनी चाहिए। किसी का भी कम पढ़ा-लिखा होना कोई गुनाह नहीं है। किसी का अनपढ़ होना भी कोई गुनाह या पाप नहीं है। हमारे देश में इतनी गरीबी है कि अपने घर की परिस्थितियों की वजह से बहुत लोगों को अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाती है।

उन्होंने प्रधानमंत्री की शैक्षिक योग्यता की जानकारी मांगने की वजह बताते हुए कहा कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल हो चुके हैं। इन 75 सालों में देश उतनी तरक्की नहीं कर पाया, जितनी करनी चाहिए थी। आज लोगों में बहुत ज्यादा बेचैनी है और तेजी से तरक्की करना चाहते हैं। 21वीं सदी का युवा बहुत आकांक्षी है और वह चाहता है कि भारत तेजी से तरक्की करे। ऐसे में देश के प्रधानमंत्री का पढ़ा-लिखा होना बहुत जरूरी है लेकिन हम देखते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर दूसरे-तीसरे दिन कुछ ऐसे बयान आते हैं, जो देश को विचलित कर देते हैं।

श्री केजरीवाल ने कहा कि गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश ने प्रधानमंत्री की शिक्षा को लेकर जो संशय था, उसे और बढ़ा दिया है। इस बात का देश के लोगों को जवाब नहीं मिल पाया कि प्रधानमंत्री कितने पढ़े-लिखे हैं। कुछ वर्ष पहले अमित शाह ने भी एक संवाददाता सम्मेलन करके कुछ डिग्री दिखाई थी। अगर डिग्री है और वह सही है तो डिग्री क्यों नहीं दी जा रही है।

गुजरात और दिल्ली विश्वविद्यालय डिग्री की जानकारी क्यों नहीं दे रहे हैं? उन्होंने कहा कि गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अफवाहों का बाजार गर्म है और जनता के मन में बहुत सारे प्रश्न खड़े हो रहे हैं। अगर प्रधानमंत्री दिल्ली और गुजरात विश्वविद्यालय से पढ़े हैं, तो ऐसे में गुजरात विश्वविद्यालय को जश्न मनाना चाहिए कि हमारे विश्वविद्यालय में पढ़ा लड़का देश का प्रधानमंत्री बन गया।

एनडीएमसी ने किया शिकायत निवारण सुविधा शिविर का आयोजन

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकताओं को सूचना, सुविधा और शिकायत निवारण प्रदान करने के लिए एनडीसीसी कन्वेन्शन सेंटर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया। एनडीएमसी के संबंधित अधिकारियों ने शिविर में जनता से 79 शिकायतें प्राप्त की। निवासियों की अधिकांश शिकायतें कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, बागवानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्यिक, कर और संपदा विभागों से संबंधित हैं। इसके अलावा सैकड़ों स्थानीय निवासियों और सेवा उपयोगकताओं ने नागरिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए सुविधा शिविर का दौरा किया।

पालिका परिषद द्वारा शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए विभिन्न विभागों से संबंधित अधिकारियों ने जनता से उनकी जन शिकायतों पर आमने-सामने चर्चा की और उनका समाधान किया गया । नीति स्तर के निर्णयों की आवश्यकता वाली शिकायतों को उनके निवारण की संभावित समय-सीमा के साथ समझाया गया। पालिका परिषद के 30 विभागों के सौ से अधिक अधिकारी/कर्मचारी शिकायतों के मौके पर निवारण के लिए शिविर में मौके पर मौजूद रहे। विभिन्न विभागों के हेल्प डेस्क की निगरानी उनके विभागाध्यक्ष करते रहे।

इन सुविधा शिविरों के आयोजन के अलावा पालिका परिषद क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपयोगकताओं के लिए संपर्क रहित शिकायत निवारण तंत्र के रूप में एक "जन सुविधा पोर्टल" भी लॉन्च किया हुआ है। इस जन सुविधा पोर्टल का लिंक एनडीएमसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दिल्ली में मर्सिडीज चालक ने सिपाही से मारपीट की, मामला दर्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य दिल्ली के तुगलक रोड पर लाल बत्ती पार करने के कारण रोके गए मर्सिडीज चालक ने पुलिस कांस्टेबल को कथित रूप से गालियां दी और उनके साथ मारपीट की।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि कार चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की उम्र 28 से 30 साल के बीच है और उसका दावा है कि उसके पिता केंद्रीय गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव थे। थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, सहायक उपनिरीक्षक वीरेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल राकेश कुमार और कांस्टेबल सुरेंद्र की 25 मार्च को हुमायूं रोड पर सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट पर ड्यूटी थी। प्राथमिकी के अनुसार, शाम 6 बजकर करीब 55 मिनट पर सफेद मर्सिडीज और एक टोयोटा फॉर्च्यूनर कार लाल बत्ती पार कर हुमायूं रोड पर आ गए। तब सिंह ने कुमार को वाहनों को रोकने का निर्देश दिया। प्राथमिकी में बताया गया कि जैसे ही कार रूकी, मर्सिडीज चालक (जिस पर एक अस्थायी नंबर प्लेट लगी थी) कार से उतरा और कथित रूप से कुमार

दिल्ली के निजामुद्दीन में मजार का अवैध हिस्सा ढहाया, बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन दरगाह के पास एक प्रमुख सड़क के बगल में स्थित एक 'दरगाह' की जगह भारी सुरक्षा तैनाती के बीच शनिवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। दिल्ली पुलिस ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने दक्षिण दिल्ली में हजरत निजामुद्दीन दरगाह के पास इस अतिक्रमण रोधी कार्रवाई को अंजाम दिया। वहीं दरगाह के केयरटेकर यूसुफ बेग ने कहा कि सैयद अब्दुल्ला उर्फ भूरे शाह की दरगाह जो सब्ज बुर्ज के पास एक भूखंड पर कायम है, मुस्लिम और हिंदू दोनों समुदायों के लोगों की श्रद्धा का केंद्र है। उन्होंने इसे 16वीं शताब्दी की एक डबल-गुंबददार मुगलकालीन स्मारक बताया।

अधिकारियों ने बताया कि पीडब्ल्यूडी की टीम ने शनिवार को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच हजरत निजामुद्दीन इलाके में मथुरा रोड के सामने मजार का अवैध हिस्सा ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान मजार के दोनों तरफ के रास्तों को रोक दिया गया। अवैध निर्माण गिराए जाने के बाद मलबा हटाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों एसडीएम की ओर से मजार के बाहर अवैध निर्माण हटाने के लिए नोटिस दिया गया था।

नोटिस जारी किए जाने के बाद करीब 13 मीटर का हिस्सा हटा भी लिया गया था, लेकिन फिर भी अवैध हिस्सा बच गया था। इसको लेकर भी कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन अवैध हिस्से को नहीं हटाया गया।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला का आप पर हमला

सिसोदिया का भ्रष्टाचार छिपाना चाहते हैं केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल पर एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्रियों का विवरण मांगने पर हमला बोला है। भाजपा नेता ने प्रेस वार्ता कर सीएम केजरीवाल पर लोगों का मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज होने के मुद्दे से लोगों को ध्यान भटकाना चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने केजरीवाल पर हमला करते हुए कहा कि दिल्ली के सीएम की पीएम की डिग्री की जानकारी मांगने की आड़ में आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार से लोगों का भटकाना चाहते हैं, क्योंकि एक अदालत ने उनके नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पूनावाला ने आरोप लगाया, "यह दर्जे की राजनीति मुद्दों को भटकाने का एक बहाना है।.. असली मंशा मनीष और केजरीवाल के भ्रष्टाचार को छिपाने की है।" उन्होंने कहा कि दिल्ली की अदालत ने शुक्रवार को दिल्ली आबकारी नीति मामले में "नंबर एक" आरोपी सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी।"केजरीवाल और मनीष सिसोदिया की भ्रष्टाचार की डिग्री खुल का सामने आ गई है।"

सिसोदिया के घर से एजेंसियों को मिले 100 करोड़ः भाजपा नेता

पूनावाला ने मुख्यमंत्री केजरीवाल को 'कट्टर ईमानदार' बताते हुए कटाक्ष कर आगे कहा-आप नेताओं ने बार-बार दावा किया कि तलाशी के दौरान जांच एजेंसियों को सिसोदिया के आवास पर कुछ भी नहीं मिला, लेकिन पूनावाला के अनुसार, "जांच एजेंसियों को उनके आवास से 100 करोड़ रुपये मिले।"

आपको बता दें कि गुजरात उच्च न्यायालय ने मुख्य सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश को रद्द कर दिया है और फैसला सुनाया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री और स्नातकोत्तर डिग्री प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली महिला आयोग ने ट्रांसजेंडर की स्थिति में सुधार लाने पर दिशा निर्देश जारी किए

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने राष्ट्रीय राजधानी में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों की हालत में सुधार लाने के लिए केंद्र तथा दिल्ली सरकार को शुक्रवार को दिशा निर्देश जारी किए। डीसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा कि भारत सरकार ने 2019 में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून और 2020 में केंद्रीय नियम पारित किए थे। हालांकि, दिल्ली के लिए राज्य नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। आयोग द्वारा भेजे नोटिस के जवाब में दिल्ली सरकार ने कहा कि शहर के लिए नियमों के स्वीकृत मसौदे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय से अभी अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। उसने आयोग को यह भी बताया कि 'ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड' के गठन को स्वीकृति दे दी गयी है और गृह मंत्रालय से इसकी अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। मंत्रालय को अपनी सिफारिशों में आयोग ने नियमों तथा ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया ताकि दिल्ली में ट्रांसजेंडर लोगों का कल्याण और सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जाए। आयोग ने कहा कि तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश तथा बिहार समेत 12 राज्यों ने ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड का गठन कर लिया है तथा दिल्ली को इसमें पीछे नहीं रहना चाहिए।

महिला आयोग ने शहर की सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए योजनाएं फौरन शुरू करने तथा जरूरतमंद लोगों के लिए आश्रय गृह बनाने की भी सिफारिश की है। आयोग ने कहा कि उसने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून के क्रियान्वयन में कई कमियों की भी पहचान की है। इनमें ट्रांसजेंडर लोगों को वे 'पहचान प्रमाणपत्र' जारी करने में मौजूद खामियां शामिल हैं, जिसका इस्तेमाल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में किया जा सकता है।

लोक निर्माण विभाग में कर्मचारियों ने मनाया काला दिवस

पुरानी पेन्सन को लेकर कर्मचारी है आन्दोलनरत

एनसीआर समाचार

प्रयागराज। 1अप्रैल को लोक निर्माण विभाग में कर्मचारियों को पैन्शन का लाभ नहीं मिल रहा है। जिसके विरुद्ध लोक निर्माण विभाग फील्ड कर्मचारी वेलफेयर समिति के तत्वावधान में कर्मचारी लगातार आन्दोलनरत हैं। इसी क्रम आज सैकड़ों कर्मचारियों ने 1अप्रैल 2004 से पुरानी पेन्शन को खत्म कर नई पेन्शन योजना को केंद्र सरकार ने लागूं किया था, तब से आज तक लगातार आन्दोलन के बाद भी केन्द्र सरकार के कानों में जू नहीं रेंग रहा है। जिससे कर्मचारियों का भविष्य अन्धकार मय हो गया है।

लो.नि.वि. का आलम तो यह है कि 1990 के पूर्व से लगातार कार्य कर रहे कर्मियों को भी पेन्शन से वंचित कर दिया गया है जबकि विभाग में लगातार सेवा करतें हुए कर्मचारियों की सेवा अवधि 35 से 40वर्ष हो गयी है फिर भी सरकार कुम्भकर्णी निद्रा में है।

जिसको लेकर आज वेलफेयर समिति के बैनर तले कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर 1अप्रैल 2023 को काला दिवस मनाया और सरकार विरोधी नारे लगाये कर्मचारियों के जुलुस का नेतृत्व करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंडल अध्यक्ष ई0 बी के पाण्डेय, प्रदेश उपाध्याय ओ पी सिंह ने कर्मचारियों से एकजुट रहने कि अपील किया कि एकता के बल पर ही पुरानी पेन्शन का लाभ लिया जा सकता है समिति के प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम सूरत पाण्डेय एवं महा मंत्री अरुण पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कहा कि आज लो. नि.वि. का सम्पूर्ण कर्मचारी वेलफेयर समिति के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर साथ चलने को तैयार है। जिससे

कर्मचारियों को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है। कि लो. नि. वि. फील्ड कर्मचारी वेलफेयर समिति के आन्दोलन एवं प्रयास से सेवा जोड़ कर पुरानी पेन्शन का लाभ सरकार को देना पड़ेगा।

आज के जुलुस एवं सभा का नेतृत्व करने वालो में मुख्य रूप से समिति के संरक्षक घनश्याम पाण्डेय, जिला मंत्री श्याम लाल यादव ,संगठन मंत्री रजनीश कुमार श्रीवास्तव ,व0उपाध्याय, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष राजेंद्र कुमार मिश्रा,उपाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव,राकेश तिवारी, मनोज पाण्डेय,राकेश श्रीवास्तव, ज्ञान चन्द्र, संत कुमार, लाल चन्द्र, अभय मन्टू, युवराज मिश्रा, गुल्लर सिंह, यादव, वसुदेव, पुरूषोंतम, लवलाल, सीताराम मणि, श्याम पन्डा, जय प्रकाश मिश्रा के अलावा सैकड़ों कर्मचारियों ने विरोध प्रर्दशन मे शामिल रहे।

कानपुर की सबसे बड़ी रेडिमेट कपड़ो की मार्केट बांसमंडी में लगी भीषण आग

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी रेडिमेट कपड़ो की मार्केट बांसमंडी अनवरगंज स्थित एआर टावर में देर रात भीषण आग लग गई आग ने विकराल रूप धारण करते हुए आधा दर्जन कांपलेक्सो लपेटे में ले लिया, जिसमे करीब एक हजार दुकानें जलकर राख में तब्दील हो गई शहर के आसपास के जिले लखनऊ, उन्नाव, कानपुर देहात से एक सैकड़ा दमकल की गाड़ियां आग पर काबू पाने में 24 घंटे से लगी हुई हैं। घटना की जानकारी होते ही मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे और आधिकार्यो से घटना के बाबत जानकारी ली और व्यापारियों की हरसंभव मदद का भरोसा दिया देर रात से ही पुलिस आयुक्त, संयुक्त पुलिस आयुक्त समेत कई पुलिस अधिकारी और यातायात के जवान मुस्तैद रहे।

सेना के जवान भी आग को बुझाने के साथ व्यापारियों के बचे माल.को सुरक्षित निकलने में मदद कर रहे है देर रात करीब 1:46 पर शार्ट सर्किट से बासमंडी अनवरगंज स्थित टॉवर में आग लग गई। कपड़ो का गोदाम होने के कारण पल भर आग में आग ने विकराल रूप धारण करते हुए एआर टावर धधकने लगा इसके बाद आग की लपटों ने हमराज कांप्लेक्स, नफीस टावर, अरजन कांप्लेक्स, मसूद कांप्लेक्स और सुपर हमराज कांप्लेक्स को लपेटे में ले लिया।

जानकारी पर स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग कंट्रोल नंबर पर भी सूचना दी जिसके बाद हरकत में आए थानेदार भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे सीएफओ भी दमकल की पांच गाड़ियो के साथ पहुंचे और आग को काबू करने में लग गए।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, देर रात हवा चलने से आग की तीव्रता और बढ़ गई जिसमे आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया। करीब एक हजार दुकानों को स्वाहा कर दिया। व्यापारियों की माने तो एक अनुमान के मुताबिक पांच अरब का माल स्वाहा हो गया है वही घटना के वीभत्स रूप देख व्यापारियों में मायूसी छा गई है।

जिलाधिकारी विशाख अय्यर के साथ कमिश्नर डॉक्टर राजशेखर, पुलिस आयुक्त बीपी जोगदंड और संयुक्त पुलिस आयुक्त आनंद प्रकाश तिवारी लगातार हालातो का जायजा लेते रहे। आग बुझाने के लिए लखनऊ से आई हाइड्रोलिक फायर टेंडर का प्रयोग किया गया। वहीं दमकल के जवान लगातार आग को बुझाते रहे। घटनास्थल के करीब आसपास एक किमी इलाका सील किया गया है। विद्युत सप्लाई बंद होने से 10 हजार घरों में पानी को तरस गए वही फायर कमाडेंट अजय कुमार ने उम्मीद जताई है की शाम तक आग पर पूरी तरह से काबू पाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने की असमय बरसात, ओलावृष्टि से उपजी स्थिति की समीक्षा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में विगत दिनों प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हुई असमय वर्षा और ओलावृष्टि से उपजी स्थिति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसानों का हित सुरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। विगत मार्च माह में प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में हुई असमय वर्षा और ओलावृष्टि के कारण किसान और कृषि उपज पर दुष्प्रभाव पड़ा है। विगत 24 घंटों में भी प्रदेश के 09 जनपदों में ओलावृष्टि की सूचना है। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार किसानों के साथ खड़ी है।

योगी ने कहा कि मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह स्थिति अगले दो-तीन दिन और रहने की संभावना है। इसके लिए सभी आवश्यक सतर्कता प्रबंध किए जाएं। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा असमय बरसात, ओलावृष्टि के कारण जिस भी किसान की फसल प्रभावित हो, उसका आंकलन कर नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि उपलब्ध कराने में देर न हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मौसम पूवानुर्मान के बारे में किसानों को समय से जानकारी उपलब्ध कराई जाए। मौसम विज्ञानियों की चेतावनियों के बारे में सुदूर गांव तक किसान को टीवी, अखबार व स्थानीय प्रशासन के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराएं। यह पूवानुर्मान 24-48 घंटे का हो। ऐसी स्थिति में जबकि लोग अलर्ट होंगे तो क्षति भी कम होगी।

कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण यदि किसी भी प्रदेशवासी की दुःखद मृत्यु होती है, मानव-वन्य जीव संघर्ष से कोई घायल होता है तो बिना विलंब किए, तत्काल पीड़ित परिवार से संपर्क किया जाए। राहत आयुक्त स्तर से आपदा राहत कोष में पीड़ित परिवार को तुरंत आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

एक नजर

उप्र में जाली नोउप्र में जाली नोट छापने व चलाने के मामले में तीन गिरफ्तार

शाहजहांपुर (उप्र), एजेंसी। जाली नोट छापने और चलाने के आरोप में शनिवार को यहां तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 42,000 रुपये मूल्य के जाली नोट बरामद किए गए। पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस आनंद ने कहा, हमने कोतवाली थाना क्षेत्र के एक कारखाने में जाली नोट छापने के आरोप में सचिन, अखिलेश और विवेक मौर्य को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया, हमने आरोपियों के कारखाने से जाली नोटों की छपाई में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल, स्याही और प्रिंटर भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने छोटे मूल्यवर्ग के जाली नोट छापते थे और जिले के ग्रामीण इलाकों में उनका इस्तेमाल करते थे।

प्रधान सुधा यादव ने इंटरलॉकिंग मार्ग का किया शुभारंभ

लखनऊ, एजेंसी। गोसाईगंज विकासखंड गोसाईगंज का शेखनापुर गांव महिला प्रधान सुधा यादव के नेतृत्व में विकास के रास्ते पर बढ़ रहा है। प्रधान गांव के विकास के लिए तत्पर हैं। शनिवार को उन्होंने इंटरलॉकिंग मार्ग का शुभारंभ किया। शेखनापुर प्रधान सुधा यादव के करीब दो साल के कार्यकाल में कायाकल्प के अलावा प्राथमिक विद्यालय की बाउंड्री और गेट का निर्माण हुआ। पहले जहा लोगो को पुछना पड़ता था स्कूल कहा है वहीं अब दूर से ही नजर आने लगा है। स्कूल के तीन कमरों का निर्माण शुरू हो चुका है। पंचायत भवन का निर्माण प्रस्तावित है। शनिवार को प्रधान सुधा यादव ने ग्राम पंचायत सचिव राजेश सिंह, प्रधान प्रतिनिधि दिनेश यादव, अमित यादव, पंचायत सहायक दीपक यादव, अशीष यादव, सहित अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में इंटर लॉकिंग मार्ग के निर्माण का शुभारंभ किया।

लविवि के प्रशासनिक भवन पर छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के सदस्यों ने लखनऊ विश्वविद्यालय पंजीकरण संख्या (एलयूआरएन) पॉलिसी के खिलाफ लविवि के प्रशासनिक भवन पर शनिवार को बड़ी संख्या में जमा होकर विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान एनएसयूआई के अध्यक्ष विशाल सिंह और ने कहा कि 100 रुपए की अतिरिक्त वसूली जो लविवि द्वारा की जा रही है ये गरीब छात्रों पर बोझ है और हम सभी छात्र इस नीति का पुरजोर विरोध करते है। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से विशाल सिंह, प्रिंस प्रकाश, निशांत शुक्ला, कार्तिकेय शंकर, अंकित चौधरी, पवन सिंह, शुभम खरवार, राणा सुधांशु, शरद कुमार, अजय कुमार, विकास, निशांत शुक्ल, आनंद दिवाकर, सौरभ, अमित मौजूद रहे। इस मौके पर सुधांशु शहर अध्यक्ष एनएसयूआई ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी कई छात्रों की छात्रवृत्ति नहीं आई और कहा जा रहा है कि बजट खत्म हो गया है। दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन रजिस्ट्रेशन फीस एलयूआरएन जैसे अलग-अलग नाम देकर आम छात्रों से पैसे वसूल रहा है। सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन दोनों ने साजिश रची है और आम छात्रों को पढ़ाई से रोकना चाहते हैं।

यूपी में पांच आईएएस के तबादले, दुर्गा शक्ति नागपाल बनी बांदा की डीएम

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को पांच आईएएस अफसरों तबादले कर दिए हैं। आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल को बांदा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। यूपी सरकार के यहां जारी सूची के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के पांच अधिकारियों का स्थानांतरण किया है। जिन अधिकारियों का तबादला किया गया है उनमें खाद्य एवं रसद विभाग के विशेष सचिव रहे दिव्य प्रकाश गिरि को मुख्य सचिव का स्टाफ अफसर बनाया गया है। प्रतीक्षारत रही संयुक्ता समद्दार को आयुक्त राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) यूपी की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं कृष्ण कुमार का सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद प्रयागराज के पद पर किया गया तबादला निरस्त कर दिया गया है। उन्हे विशेष सचिव कृषि उत्पादन आयुक्त बनाया गया है। कृष्ण कुमार की जगह आनंद कुमार को सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद यूपी प्रयागराज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ज्ञात हो कि दुर्गा शक्ति नागपाल यूपी कैडर की आईएएस अफसर हैं। यूपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद पंजाब कैडर में उनकी नियुक्ति हुई। ड्यूटी के डेढ़ साल के अंदर ही उन्होंने एक भूमि घोटाले का खुलासा किया। ग्रेटर नोएडा में रेत माफिया के खिलाफ एक्शन लिया। उनके पति भी एक प्रशासनिक अधिकारी हैं। अखिलेश सरकार में उनको सस्पेंड कर दिया। उस समय उनके खिलाफ चार्जशीट भी दायर की गई थी। मामला तात्कालिक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तक पहुंच गया था।

एसएफडी का काम वन लाइफ वन मिशन : प्रफुल्ल अकांत

लखनऊ, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत ने शनिवार को डॉ अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में विकासार्थ विद्यार्थी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया। पर्यावरण पर आयोजित कार्यशाला में देशभर के 32 प्रांत से 257 पर्यावरण विषय में काम करने वाले प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला के उदघाटन अवसर पर बोलते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री प्रफुल्ल अकांत ने कहा कि कहा कि एसएफडी (विकासार्थ विदयार्थी) का काम वन लाइफ वन मिशन है। एसएफडी विनाश रहित विकास की संकल्पना को लेकर देशभर के परिसरों में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि एसएफडी की नर्मदा अध्ययन यात्रा जैसे महाभियान विद्यार्थियों को दिशा देने वाले हैं। एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री साक्षी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया है। आज यही समाधान का मार्ग है। राष्ट्रीय संयोजक राहुल गौड़ ने बताया कि 02 अप्रैल को पर्यावरण सम्मेलन का समापन है। उन्होंने बताया कि विकासार्थ विद्यार्थी छात्रों के लिए एक ऐसा मंच है जहां छात्र कार्यकर्ता,नीति निमार्ता, पर्यावरणविद और उत्साही पर्यावरणीय मुद्दों जैसे कि जलवायुसंकट, जैव विविधता संसाधन प्रबंधन आदि पर चर्चा करने के लिए इकट्ठा होते हैं और समाधान का मार्ग खोजते हैं। इस कार्यशाला में एसएफडी के कार्य, देश की पर्यावरण की स्थिति की चर्चा तथा भारतीय ज्ञान प्रणाली के आधार पर पर्यावरण का संरक्षण विषय पर बात की गई।

भाजपा सरकार व्यापारियों को कर रही है परेशान : अखिलेश

कानपुर, एजेंसी। एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने आए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। बाँस मंडी अग्निकांड पर शोक जताते हुए उन्होंने कहा कि नोटबंदी की मार झेलने के बाद प्रदेश सरकार जीएसटी विभाग से छापेमारी करा कर व्यापारियों को परेशान करने का काम कर रही है।

साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि जाति, धर्म के आधार पर व्यापारियों को चिन्हित कर सरकार द्वारा छापेमारी कराई जा रही है। निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण की बात पर पूर्व सीएम ने जातिय जनगणना के बाद आबादी के अनुसार से आरक्षण प्रदान करने की बात कही।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव शनिवार दोपहर यशोदा नगर स्थित मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण सिंह यादव के पिता की पुण्यतिथि पर उनके आवास पहुंचे। निवर्तमान राष्ट्रीय महासचिव के पिता राम सेवक यादव की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उन्होंने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष ने 31 मार्च को बाँस मंडी में हुए अग्निकांड पर व्यापारियों के साथ सहानुभूति जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार को पीड़ितों की मदद करनी चाहिए।

इसके बाद योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नोटबंदी से परेशान व्यापारियों का सरकार छापेमारी करा कर परेशान करने का काम कर रही है। उन्होंने सपा छात्र सभा के निवर्तमान प्रदेश महासचिव व सैडलरी व्यापारी सिराज हुसैन की ओर इशारा करते हुए कहा कि डेढ़ माह पूर्व जीएसटी विभाग ने सिराज के फैक्ट्री में छापेमारी कर कागजात पूरे होने के बावजूद 7.68 लाख जीएसटी काट ली। सरकार जाति, धर्म के आधार पर व्यापारियों को चिन्हित कर उनके यहां छापेमारी कराने का काम कर रही है।

छापेमारी के बाद व्यापारियों से विभाग की ओर से शुल्क वसूला जा रहा है। निकाय चुनाव में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देने की बात पर पूर्व मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार को आरक्षण से पूर्व जातिय जनगणना करानी चाहिए, जिसके बाद आबादी के अनुसार से आरक्षण दिया जाना चाहिए।

सीएमएस आयोजन में भूखे रहे मासूम !

लखनऊ, एजेंसी। गोमती नगर स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल के सांस्कृतिक आयोजन में आये तमाम छोटे बच्चों के अभिभावकों ने इस स्कूल के ऐसे हर आयोजन की रिहर्सल और प्रस्तुति के दौरान बच्चों को भूखा-प्यासा रखने की शिकायत की। नर्सरी और किंटरगार्डेन में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने पत्रकारों को बताया कि खुद को दुनिया का सबसे बड़ा स्कूल बताने वाले इस संस्थान के सभी आयोजनों में छोटी कक्षाओं के बच्चों को भूखा प्यासा रखने की परंपरा बनी हुई है। ये हमारे बच्चों को घर से लाया टिफिन भी नहीं करने देते हैं,न पानी पीने देते हैं।

हम घर से टिफिन में तमाम खाने-पीने की चीजें भरकर भेजते हैं ताकि बच्चा इतनी देर तक भूखा न रहे लेकिन बाद में पूरा टिफिन भरा मिलता है। यहाँ तक कि ये लोग बच्चों को फ्रूट बाक्स में घर से लाये मौसमी फल भी नहीं खाने देते। हजारों रुपये देकर इस संस्थान में अपने बच्चों का दाखिला करा चुके अभिभावक पछता रहे हैं कि इससे बेहतर हम अपने बच्चों को गली मोहल्ले के किसी छोटे स्कूल में पढ़ा लेते। कम से कम वहाँ हमारा बच्चा भूखा प्यासा रहकर ऐसा बेदम तो न हो जाता। शनिवार को आयोजन की मस्ती में शामिल बच्चों के चेहरे तो खिले हुए थे लेकिन अभिभावकों के चेहरों पर अपने नौनिहालों के इतनी देर भूखे रह जाने की तकलीफ मौजूद थी।

जब इस बारे में अभिभावक मंच से बात की गई तो इसके अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार ने कहा कि इस तरह की घटना बहुत दुखद है। स्कूल प्रशासन द्वारा बच्चों को समय से खाने-पीने की चीजें देनी चाहिए और अगर उनके पास व्यवस्था नहीं थी तो बच्चों को उनके टिफिन ही खाने देते है। अभिभावक मंच ने कहा कि वे इस मामले की शिकायत जल्द ही शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों से करगे।

मेरे संज्ञान में अभी ऐसा कुछ नहीं आया है,वैसा ऐसी कोई बात नहीं है। कार्यक्रम में बच्चों को खाने-पीने की चीजें बकायदा दी जाती है और उन्हें अपने टिफिन में लाए खाने के सामानों को कभी खाने-पीने नहीं रोका जाता है। शनिवार को स्कूल में कार्यक्रम सुबह 10 से दोपहर 01 बजे तक चला है और आयोजन के मुख्य अतिथि सीएमएस प्रमुख जगदीश गांधी रहे।

-ऋषि खन्ना, जनसम्पर्क अधिकारी सीएमएस

बाजार में भीषण आग,तीस दुकानें जलकर हुई खाक

प्रयागराज, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में प्रयागराज चौक घंटाघर स्थित संजय मार्केट में शनिवार की सुबह आग लग गई। जिससे करीब 30 दुकानें पूरी तरह से जलकर खाक हो गयी। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आग की चपेट में 210 दुकाने आयी थी जिसमें 30 दुकाने पूरी तरह से जल गयी। आग पर काबू पाने के लिए 20 दमकल की गाडिया पहुंची।

धीरे-धीरे आग ने आसपास की अन्य दुकानों को भी चपेट में ले लिया, पूरा इलाका धुएं से भर गया। व्यापारियों समेत आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मची रही। मौके पर पहुंचे पुलिस और फायर कर्मी आग पर काबू पाने की कोशिश में लगे रहे। घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। यह पीडीए की बनायी गयी मार्केट है।

सीएफओ आरके पाण्डेय ने बताया कि नेहरू कॉम्प्लेक्स में सुबह आग लगने की सूचना मिली। फायर ब्रिगेड 20 गाडियां और सौ से अधिक कर्मचारियों ने जेसीबी और हाइड्रोलिक मशीनों की मदद से आग पर काबू पाया गया। अब तक आग से लाखों की क्षति का अनुमान लगाया जा रहा है। कांम्प्लेक्स में कपड़े, कॉस्मेटिक और प्लास्टिक के सामान की दुकानें है। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आ रही है।

बेमौसम बारिश में खुली स्मार्ट सिटी के दावों की पोल !

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी में शुक्रवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर नगर निगम ही नहीं बल्कि स्मार्ट सिटी के सरकारी दावों की पोल पूरी तरह खोल कर रख दी है। गौरतलब है,कि विगत दिनों लखनऊ में आयोजित हुए जी-20 सम्मेलन की तैयारियों के लिए ढोल पीटकर चलाए गए नगर को सुन्दर बनाने का विशेष अभियान अब इन्वेस्टर्स को खुश करने के बाद नगर अब अपने हालात पर आंसू बहाने को मजबूर हो गया है।

ज्ञातव्य हो कि जहां एक ओर जो लखनऊ नगर निगम गृह कर वसूलने के लिए सुबह 6 बजे ही बकायेदारों के घर और दुकान सील कर देता है। वहीं,नगर निगम शहर में चंद घंटों की बेमौसम बरसात के पानी को निकालने के पुख्ता इंतजाम आज तक नहीं कर सका है। जिससे पुराने लखनऊ समेत राजधानी के विस्तार में नये बसे तमाम इलाकों में भारी जल भराव की भीषण समस्या बनी रहती है।

मौलवीगंज जनहित व्यापार मंडल के वरिष्ट उपाध्यक्ष शिराजउद्दीन ने बताया कि टैक्स वसूलने में रिकार्ड बनाने वाला नगर निगम बरसात से होने वाले जलभराव और त्यौहार के समय कूड़े के ढेरों को उठवाने के लिए स्थानीय लोगों से अपने कार्यालय में सिफारिश के लिए चक्कर लगवता रहता है। इस वक्त रमजान का पाक महीना चल रहा है ऐसे में मौलवीगंज के हैदर मिर्जा रोड और मौलाना अब्दुल शकूर मार्ग पर पिछले करीब 30 वर्षो से चली आ रही भारी जलभराव समस्या के कारण इन हालात में दुकानदार अपनी दुकानें नहीं खोल पाते हैं।

इसी क्षेत्र की मस्जिद धनिया महरी में शनिवार सुबह फजर की नमाज में भी जलभराव के कारण तमाम नमाजियों को नमाज के लिए आने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। वहीं,स्थानीय सपा विधायक रविदस मल्होत्रा है जिन को इस क्षेत्र से भरपूर समर्थन वोट की शक्ल में मिला। लेकिन वह भी विधायक बनने के बाद से आज तक यहां नहीं आए। क्षेत्रीय पार्षद का कार्यकाल पूरा हो चुका है,लेकिन आगामी चुनाव में क्षेत्र विकास के लिए काम करने का दावा करने वाले तमाम प्रत्याशियों के पोस्टर गली के हर नुक्कड़ पर दिखाई देंगे है, लेकिन प्रत्याशी अभी से गायब हैं।

वहीं,इस समस्या पर इकबाल हसन,अध्यक्ष आदर्श व्यापार मंडल ने बताया कि लखनऊ स्मार्ट सिटी के इंदिरानगर में फैजाबाद रोड स्थित भूतनाथ मेट्रो स्शेटन के बगल में निर्माण के समय पानी निकासी का नाला बन्द कर दिए जाने के कारण विगत वर्षों से लक्ष्मणपुरी बाजार में भारी जलभराव की समस्या बनी हुई है। यहां थोड़ी ही देर की बारिश का पानी कई दिनों तक जमा रहता उसकी वजह से मच्छर एवं संक्रमण का खतरा बना रहता है। इसी तरह जलभराव के कारण दुकानों में ग्राहक नहीं आ पाते है। जिसकी वजह से व्यापारियों की दुकानदारी बिल्कुल ठप हो जाती है। जलभराव निस्तारण के लिए पीडब्ल्यूडी नगर निगम और जल निगम विभागों को कई बार लिखित एवं मौखिक समस्या बताने के बावजूद आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई।

जोन एक के जोनल अधिकारी का बंद रहता है फोन!

जलभराव की समस्या को लेकर जब नगर निगम जोन-01 के जोनल अधिकारी नरेन्द्र वर्मा से सम्पर्क किया गया तो उनका मोबाइल बंद मिला। वहीं जब नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से सम्पर्क किया गया तो उनका फोन नहीं उठा। इसके अलावा जब स्थानीय विधायक रविदास मल्होत्रा से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि अभी विधायक निवास में हूं इसलिए बात नहीं कर सकता आप यहाँ आइये तब कोई बात होगी।

राजस्थान कस्टोडियन भूमि पर मालिकाना हक किसानों का अधिकार- राज्यमंत्री यादव

एनसीआर समाचार

राजस्थानः कोटपूतली में बीते दिन 31 मार्च 2023 को बसई ग्राम पंचायत में महकमा कस्टोडियन भूमि निस्तारण हेतु कैंप आयोजित कर किसानों को उनकी काबिज भूमि पर खातेदारी के अधिकार प्रदान किए गए।

आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि गृह राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव, उपखंड अधिकारी ऋषभ मंडल, तहसीलदार अभिषेक सिंह, प्रधान इंद्राज गुर्जर, किसान बचाओ आंदोलन के संयोजक मनोज चौधरी, सरपंच कविता देवी, सरपंच विक्रम गुर्जर, एडवोकेट रामावतार सनवाल, ब्लॉक अध्यक्ष कनैया लाल सैनी आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर मीना, विक्रम लीडर, सरपंच पूर्व सरपंच मेहरसिंह, सरपंच सुरेश यादव, स्र२२ दाताराम जाट, बनवारी मीना सन्नी सेहरा, बाबूलाल सनवाल, कुलदीप गोठवाल ने माला एवं साफा पहनाकर अतिथियों का स्वागत किया।

ग्रामवासियों द्वारा कोटपुतली जिला बनाने पर मंत्री राजेंद् का जोरदार स्वागत किया एवं आभार जताया।

राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा की कस्टोडियन भूमि का मालिकाना हक किसानों का अधिकार था जिससे वो सालो से वंचित रहे। अब उनको उनकी जमीनों का हक मिल रहा है, ये खुशी के पल है। किसानों को उनके अधिकार दिलाने के लिए हमेशा तैयार हूं। उन्होंने जिला बनाने पर मुख्य मंत्री का धन्यवाद दिया तथा कोटपुतली के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाने की बात कही।

प्रधान इंद्राज गुर्जर ने किसानों को इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा की यह किसानों की बड़ी जीत है।

एसडीएम ऋषभ मंडल ने प्रक्रिया पर प्रकाश डाला एवं आगामी कैंप के बारे में विस्तृत चर्चा की।

तहसीलदार अभिषेक सिंह ने आवंटित लिस्ट का अनाउंस करते हुए आपत्तियों की सुनवाई की।

किसान बचाओ आंदोलन के संयोजक मनोज चौधरी ने कस्टोडियन भूमि को बड़ी जीत बताते हुए किसानों को आपसी विवाद भाईचारे एवं आपसी सौहार्द से हल करने की अपील की। उन्होंने कस्टोडियन भूमि के लिए किए गए संघर्ष एवं आंदोलन के लिए ग्रामवासियों को शुभ कामनाएं दी।

खातेदारी के निस्तारण होने पर किसानों के चेहरे पर खुशी दिखी। सालों बाद अपनी जमीनो का मालिकाना हक मिलने पर वे खुश नजर आए। उन्होंने मंत्री यादव का आभार व्यक्त किया।

अभी तक 1100 बीघा से ज्यादा जमीनों का मालिकाना अधिकार किसानों को मिल चुका है। प्रशासन द्वारा जमीनों के पट्टे भी जारी किए गए गए है। आने वाले समय में और भी कैंप आयोजित कर बाकी फाइल का निस्तारण भी शीघ्र किया जायेगा।

गौरतलब है कस्टोडियन भूमि के अंतर्गत वे जमीने आती है जो मुसलमानों के नाम आजादी से पहले थी जिन पर आजादी के बाद यहां के किसानों ने कब्जा कर काश्तकारी शुरू तो कर दी लेकिन उनका मालिकाना अधिकार उन्हें नहीं मिल पाया।

ऐसी जमीन एक कस्टोडियन महकमा के अंतर्गत आने के कारण ना तो उन पर किसी प्रकार का लोन मिल पाता था ना ही बिजली का कनेक्शन हो पाते थे और किसान नारकीय जीवन जीने पर मजबूर थे।

लगभग 4 साल पहले कोटपूतली के समीपवर्ती गांव बसई में किसान बचाओ आंदोलन के नाम से राज्यव्यापी आंदोलन कर कस्टोडियन भूमि के निस्तारण के लिए आंदोलन किया गया जिसका नेतृत्व किसान बचाओ आंदोलन के संयोजक मनोज चौधरी ने किया, जिसके बाद तत्कालीन विधायक राजेंद्र सिंह यादव ने विधानसभा में प्रबलता से इस मुद्दे को उठाया। सरकार ने कमेटी निर्धारित कर कस्टोडियन भूमि के लिए रास्ते खोले एवं राज्य सरकार को झुकना पड़ा। उसके उपरांत अभी तक कुल 5 कैंप आयोजित कर हजारों बीघा कस्टोडियन भूमि का निस्तारण किया गया है।

'हिंदू धर्म पर बढ़ते हमले, 'हिंदूफोबिया' के खिलाफ जॉर्जिया में प्रस्ताव पारित

एनसीआर समाचार

जॉर्जिया 'हिंदूफोबिया' की निंदा करने वाला प्रस्ताव पारित करने वाला पहला अमेरिकी राज्य बना। फोर्सिथ काउंटी के प्रतिनिधि लॉरेन मैकडॉनल्ड और टॉड जोन्स द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था।

यह क्या कहता है ?

यह कथित रूप से नोट करता है कि हिंदू धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है, जिसमें स्वीकृति, आपसी सम्मान और शांति के मूल्यों के साथ विभिन्न परंपराओं और विश्वास प्रणालियों को शामिल किया गया है।

इसमें यह भी कहा गया है कि अमेरिकी- हिंदू समुदाय चिकित्सा, विज्ञान, इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, शिक्षा, निर्माण, ऊर्जा और खुदरा व्यापार आदि क्षेत्रों में प्रमुख योगदान देता है।

एसोसिएटेड प्रेस ने उत्तर अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) के उपाध्यक्ष राजीव मेनन को यह कहते हुए उद्धृत किया, रेप. मैकडॉनल्ड और रेप. जोन्स के साथ- साथ अन्य सांसदों के साथ काम करना एक सच्चा सम्मान था, जिन्होंने इस काउंटी प्रस्ताव को पारित करने की पूरी प्रक्रिया के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन किया।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को 'डिजिटल नवाचारों में प्रगतिशील राज्य' का सराहना पुरस्कार

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग को नई दिल्ली में आयोजित कम्प्यूटर सोसाईटी ऑफ इंडिया के विशेष रूचि समूह कार्यक्रम में ह्यडिजिटल नवाचारों में प्रगतिशील राज्यह्न का सराहना पुरस्कार प्रदान किया गया है। विभाग के अतिरिक्त निदेशक राजीव शर्मा ने विशेष कार्यक्रम में यह पुरस्कार प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि, राज्य में आईटी और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा शुरू की गई पहल के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। डिजिटल उपकरणों के उपयोग से शासन को बेहतर और सुगम बनाने में सहायता मिल रही है और इससे नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के प्रयासों में भी तेजी आई है। उन्होंने बताया कि हिमाचल ई-गर्वर्नेंस और आईटी उपकरणों के उपयोग में देश का अग्रणी राज्य है। विभाग ने बेहतर नागरिक सेवाओं, ई-गर्वर्नेंस और डिजिटल आधारभूत ढांचे में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए हैं और इससे संपूर्ण शासन प्रणाली में पादर्शिता और दक्षता भी सुनिश्चित हुई है। यह पुरस्कार ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में सरकार से नागरिक (जी2सी) तथा सरकार से व्यापार (जी2बी) सेवाओं सहित प्रदेश में सुशासन की स्थापना में किए गए प्रशंसनीय एवं सफल प्रयासों को रेखांकित करता है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में विभाग की 'गरूड़' (गवर्नेंस एंड रिफॉर्म्स यूजिंग ड्रोन्ज), हिमाचल ऑनलाइन सेवा, मुख्यमंत्री सेवा संकल्प नागरिक हेल्पलाइन, ई-ऑफिस, डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण), हिमस्वान (हिमाचल प्रदेश स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क), हिमाचल प्रदेश स्टेट डाटा सेंटर, ई-केबिनेट, लिटिगेशन मॉनिटरिंग सिस्टम, रेवेन्यू मैनेजमेंट सिस्टम सहित कई अन्य पहल इसमें शामिल है।

पीएसए के तहत 113 नशा तस्कर गिरफ्तार, 7 हिरासत में, पिछले 3 माह में बरामद हुआ करोड़ों का मादक पदार्थ

एनसीआर समाचार

जम्मू कश्मीरः समाज से नशे के खतरे को मिटाने के लिए 'ड्रग्स के खिलाफ युद्ध' अभियान को जारी रखते हुए पुलिस ने बारामूला में एक ड्रग पेडलर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया है. गौरतलब है कि पिछले तीन (03) महीनों में बारामूला में 113 ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया गया है, 7 को पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया है, एनडीपीएस एक्ट के तहत 75 मामले दर्ज किए गए हैं और करोड़ों रुपये की तस्करी बरामद की गई है।

एसडीपीओ तंगमर्ग श्री जावेद अहमद-जेकेपीएस की देखरेख में एसएचओ थाना कुंजर के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने बटपोरा कुंजर में स्थापित एक चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका, जिसने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन चतुराई से उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 48 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। उसकी पहचान गोनीपोरा कुंजर निवासी घ मोहम्मद मीर के पुत्र फिरदौस अहमद मीर के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया है जहां वह हिरासत में है।

तदनुसार, कानून की संबंधित धाराओं के तहत कुंजर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है।

यहां यह उल्लेख करना उचित है कि चालू वर्ष के पिछले तीन महीनों के दौरान, बारामूला में पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत 75 मामले दर्ज किए हैं और 113 ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया है, पीएसए के तहत 7 ड्रग पेडलर्स को हिरासत में लिया है और ब्राउन शुगर, चरस और पोस्ता सहित वर्जित पदार्थ बरामद किए हैं। करोड़ों का भूसा/भांग पाउडर के अलावा 11 वाहन भी सीज किए हैं।

ड्रग पेडलर्स के खिलाफ हमारी लगातार कार्रवाई से समुदाय के सदस्यों को आश्वस्त होना चाहिए कि हम अपने समाज को ड्रग के खतरे से मुक्त रखने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

1 अप्रैल मूर्ख दिवस नहीं, बल्कि गर्व करने का दिन है, 1935 में आज के दिन हुई थी 'भारतीय रिजर्व बैंक' की स्थापना

एनसीआर समाचार

साल 1935 में आज ही के दिन यानी 1 अप्रैल 1935 में ह्यभारतीय रिजर्व बैंकह्न की स्थापना की गई थी। 1 अप्रैल 1935 को फ्ढ्ढकी स्थापना बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर द्वारा की गई थी। फ्ढ्ढकी स्थापना डॉ. भीम राव आंबेडकर की किताब 'द प्रॉब्लम ऑफ रुपी-इट्स ऑरिजन एंड इट्स सॉल्यूशन' के आधार पर की गई है। भारतीय रुपये और साथ ही आर्थिक इतिहास पर लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से पहली बार ढँऊ करने वाले डॉ. आंबेडकर ने अपनी किताब में भारतीय रुपये के अवमूल्यन और समस्याओं के बारे में विस्तार से बताया है और साथ ही रुपये को संभालने के लिए बतौर अर्थशास्त्री सुझाव भी दिए हैं। साल 1926 में अंग्रेजों ने रॉयल कमीशन को भारत भेजा था, क्योंकि पहले विश्वयुद्ध के बाद भारतीय रुपए की बहुत बुरी हालत होती जा रही थी। डॉ आंबेडकर हिल्टन कमीशन के समक्ष पेश हुए और अपनी किताब के आधार पर फ्ढ्ढक जैसे बैंक की संकल्पना आयोग के सामने रखी। बाद में हिल्टन कमीशन ने बाबा साहब के सुझावों के आधार पर RBI की स्थापना का प्रस्ताव दिया और इस तरह 1 अप्रैल 1935 को भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई।

अप्रैल में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

पहले ही कर ले अपना जरुरी काम, जाने किन- किन दिनों रहेगा बंद

एनसीआर समाचार

इसके साथ ही एक अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष 2023- 24 शुरू हो रहा है। इसके पहले महीने यानी अप्रैल में 15 दिन बैंक काम नहीं करेंगे। कई कारणों से देश में अलग- अलग जगहों पर 9 दिनों तक बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इनके अलावा सप्ताह के अंत में 5 रविवार और 2 शनिवार को भी बैंक बंद रहेंगे।

छुट्टी से महीने की शुरूआत

इस महीने की शुरूआत दो दिन की छुट्टी के साथ हुई है। 1 अप्रैल को बैंक खातों की वार्षिक बंदी और 2 अप्रैल को रविवार के कारण बैंकों में कामकाज नहीं होगा। इसके अलावा इस बार अप्रैल में ईद-उल-फितर, अंबेडकर जयंती, महावीर जयंती, समेत कई अन्य मौकों पर बंद रहेंगे बैंक।

लॉन्ग वीकेंड

इस महीने अलग-अलग जगहों के हिसाब से 3 लॉन्ग वीकेंड पड़ रहे हैं। पहली 7 से 9 अप्रैल, दूसरी 14 से 16 अप्रैल और तीसरी 21 से 23 अप्रैल। इसके अलावा इस माह के अंत में अवकाश रहेगा। 30 अप्रैल को रविवार है।

उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार अमृत काल अवधि में महाविद्यालय पोरसा में भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

एनसीआर समाचार

उच्च शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार अमृत काल अवधि में आज शासकीय महाविद्यालय पोरसा में दिनांक 31/03/ 2023 को भूतपूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र साहब सिंह तोमर जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मुरैना, विशिष्ट अतिथि गणों में श्री यदुनाथ सिंह तोमर एवं अवध प्रताप सिंह तोमर जी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य फूल सिंह दंडोतिया जी द्वारा की गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय में गत वर्षों में अध्ययनरत रहे अन्य भूतपूर्व छात्र भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में मंच का संचालन डॉ मोहन गुप्ता जी द्वारा किया गया। सभी भूतपूर्व छात्रों का महाविद्यालय के प्राचार्य फूल सिंह दंडोतिया जी द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पधारे हुए मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा महाविद्यालय से जुड़े अपने संस्मरण साझा किए एवं अपने योगदान को भी साझा किया। भविष्य में आवश्यकतानुसार महाविद्यालय को अपना योगदान देने का भी आश्वासन अतिथि गणों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में आभार डॉ धर्मेंद्र सिंह सिकरवार द्वारा किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के भूतपूर्व एवं वर्तमान छात्र छात्राओं के साथ समस्त स्टाफ सूर्यकांत बरुआ, डॉ मनेंद्र कनेरिया, डॉ मृगेंद्र तोमर, डॉ अमृतलाल पटेल, डॉ काशी प्रसाद, डॉ बिपिन बिहारी श्रोत्रीय, डॉ बृजमोहन सक्सेना, डॉ सरिता सिंह, पुनीता रोशनी, बृजेश चारी जी, डॉ दिनकर , डॉ यशपाल सिंह नरवरिया , रामरतन, चतरी लाल, दिलीप एवं समस्त स्टाफ गण उपस्थित रहा।

एक नजर

दुकान, होटल की आड़ में अवैध रूप से लोगों को शराब पिलाने व बेचने पर कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस ने होटल संचालक को किया गिरफ्तार

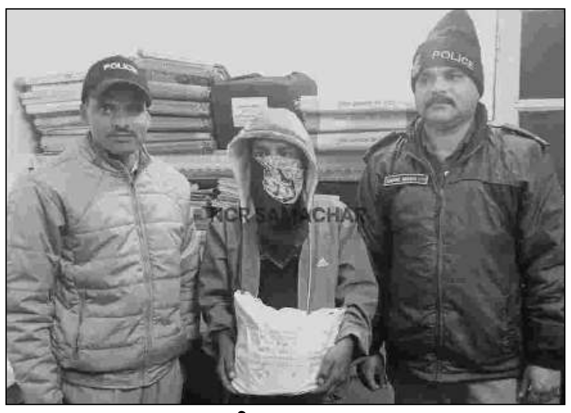

एनसीआर समाचार

उत्तराखंडः पिथौरागढ़ पुलिस अधीक्षक महोदय पिथौरागढ़, लोकेश्वर सिंह के आदेशानुसार, होटल/ ढाबों की आड़ में अवैध रुप से लोगों को शराब पिलाने/ अवैध शराब की बिक्री/ तस्करी करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे सघन अभियान के तहत दिनांक- 31.03.2023 को उ0नि0 हीरा सिंह डांगी एवं हमराही हेड का0 कमल मेहरा, हेड कानि0 पवन सिंह व हेड का0 कुन्दन सिंह द्वारा कुमौड़ तिराहा हनुमान मंदिर रोड में स्थित एक दुकान/ होटल में चैकिंग/ छापेमारी कर दुकान/होटल संचालक, रविन्द्र कुमार पुत्र लक्ष्मण प्रसाद, निवासी- ग्राम लीमा तोड़ा थाना कनालीछीना जिला पिथौरागढ़, हाल निवासी- कुमौड़ थाना व जिला पिथौरागढ़ उम्र- 31 वर्ष को दुकान/होटल में अवैध रुप से लोगों को शराब पिलाने/बेचने पर अवैध अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर उसके विरूद्ध कोतवाली पिथौरागढ़ में धारा- 21/60 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया।

इसी क्रम में जनपद के समस्त थाना प्रभारियों के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत चैकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 56 वाहन चालकों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई, जिसमें बिना हेलमेट/ बिना कागजात के वाहन चलाने पर कुल- 03 वाहन सीज किये गए।

गुजरातः डांग जिले में जर्जर रस्ते से परेशान ग्रामीण, मदद मांगने पर भी नहीं होती कोई सुनवाई

एनसीआर समाचार

गुजरातः डांग जिले के सुबीर तालुका में पिपलाईदेवी टाकलीपांडा गांव में मिली जानकारी के अनुसार रास्ता खराब होने की वजह से लंबे समय से ग्रामीण परेशान। टाकलीपांडा गांव में जर्जर सड़क होने से लोगों को आने-जाने में हो रही है काफी परेशानी। लोगों ने सरपंच से कयी बार गुहार लगायी, लेकिन गांव के सरपंच के उल्टे जवाब मिलने से सड़क की हालत और बत्तर होती जा रही है, पर आज तक न तो सड़क सुधरी और न ही लोगों को राहत मिली, जिसके कारण इस क्षेत्र के ग्रामीण व्यथित हैं। सड़क की उपेक्षा से यह साबित हो जाता है कि उच्च पदों पर बैठे अधिकारी ऐसे मामलों में कितने संवेदनशील हैं। बार-बार गुहार लगाने के बावजूद भी सड़क नहीं सुधर पाई है। बरसात के सीजन में दुर्घटना की आशंका भी बढ़ सकती है।

सड़क की इस स्थिति से ग्रामीण खासे नाराज हैं। लोगों की मांग है कि, संबंधित विभाग जल्द से जल्द इस रोड को का नव निर्माण करें। ताकि लोग किसी बड़ी दुर्घटना का शिकार न हों। लोगोको खराब रास्ते के कारण बहुत मुसीबते उठानी पड़ रही है। लोगो की यही मांग है कि, सड़क का नवनिर्माण तो लोगों को इतनी परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। टाकलीपांडा गांव के लोगों का कहना है कि, अधिकारी थोड़ा ध्यान दे तो हमें इतनी परेशानियों का सामना ना करना पड़े लोगोंकी येही मांग हे की सड़क जल्दी से जल्दी बनाई जाए।

रूसे जलाशय योजना के कार्य के लिए 14.32 करोड़ स्वीकृति

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के विकासखण्ड-खैरागढ़ के अंतर्गत रूसे जलाशय के मुख्य नहरों के जीर्णोद्धार, लाईनिंग कार्य एवं नहर विस्तारीकरण कार्य के लिए 14 करोड़ 32 लाख 45 हजार की प्रशासकीय स्वीकृति मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रदान की गई है। योजना के पूरा होने से 2467 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिल सकेगी।

हिमाचल प्रदेश में निमार्णाधीन पुल ध्वस्त, जानी नुकसान नहीं

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर में एक निमार्णाधीन पुल ध्वस्त हो गया। बुधवार देर रात 75 मीटर पुल के तीन में से एक स्लैब के टूटकर दो हिस्से हो गए। हालांकि इस घटना में किसी तरह का जानी नुकसान नहीं हुआ है। पुल तब टूटा, जब मौके पर कोई मजदूर नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। यह घटना मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू के गृह जिला हमीरपुर के भोरंज विधानसभा क्षेत्र के जाहु की है।

इस पुल के टूट जाने के बाद लोक निर्माण विभाग और निर्माण कार्य में जुटे ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लग गया है। दरअसल लोक निर्माण विभाग ने भोरंज के तहत कोट-जाहू रोड और पुल का टेंडर 2.42 करोड़ में वर्ष 2020-21 में ठेकेदार को आबंटित किया था। वर्ष 2021 में पुल का निर्माण कार्य शुरू हुआ जिसमें से करीब 35 फीसदी कार्य का भुगतान संबंधित ठेकेदार को किया जा चुका है। पुल की कुल लंबाई 75 मीटर है। जिस खड्ड पर यह पुल बन रहा है, वहां नक्शे के अनुसार चार पिलर खड़े किए जा रहे हैं। इस पुल पर 25.25 मीटर के तीन स्लैब पड? हैं।

लोक निर्माण विभाग हमीरपुर के अधीक्षण अभियंता विजय चौधरी ने बताया कि पुल के टूटने के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता से रिपोर्ट मांग गई है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगामी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं लोक निर्माण विभाग भोरंज के सहायक अभियंता, अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि बीते दिनों अधिकारियों ने इस पुल का निरीक्षण किया था। पुल में तकनीकी कमियां पाई गई थीं और संबंधित ठेकेदार को दिशा-निर्देश जारी किए थे।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी जन्मदिवस की बधाई, राज्यपाल ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिवस

एनसीआर समाचार

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को उनके जन्मदिवस की बधाई दी। उन्होंने राज्यपाल के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर, लेडी गर्वनर जानकी शुक्ल भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री के साथ लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और स्थानीय विधायक हरीश जनारथा भी उपस्थित रहे।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्यों, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य गणमान्य लोगों ने दूरभाष से राज्यपाल को शुभकामनाएं दीं। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने भी राज्यपाल से भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि शिव प्रताप शुक्ल दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह इसी समर्पण भाव से समाज, प्रदेश और देश की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से उनकी दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है।

इससे पहले, राज्यपाल ने प्रातः राजभवन में अपने परिवार के सदस्यों के साथ यज्ञ किया और राजभवन परिसर में पारिजात एवं अन्य प्रजाति के पौधे रोपे। उन्होंने राजभवन के कर्मचारियों सहित दीप जलाकर अपना जन्मदिवस मनाया।

इस अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राजभवन के कर्मचारियों ने राज्यपाल को जन्मदिवस की बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि उन्हें प्रदेश की जनता से सदैव स्नेह व सहयोग मिलता रहे और वह प्रदेश के विकास के लिए कार्य करते रहें, वह ऐसी कामना करते हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दी जन्मदिवस की बधाई

राज्यपाल ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिवस

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां राजभवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को उनके जन्मदिवस की बधाई दी। उन्होंने राज्यपाल के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर, लेडी गर्वनर जानकी शुक्ल भी उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री के साथ लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और स्थानीय विधायक हरीश जनारथा भी उपस्थित रहे।

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, राज्य मंत्रिमण्डल के सदस्यों, केंद्रीय मंत्रियों और अन्य गणमान्य लोगों ने दूरभाष से राज्यपाल को शुभकामनाएं दीं। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने भी राज्यपाल से भेंट कर उन्हें जन्मदिवस की बधाई दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बधाई संदेश में कहा कि, शिव प्रताप शुक्ल दक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह इसी समर्पण भाव से समाज, प्रदेश और देश की सेवा करते रहेंगे। उन्होंने ईश्वर से उनकी दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की है।

इससे पहले, राज्यपाल ने प्रातः राजभवन में अपने परिवार के सदस्यों के साथ यज्ञ किया और राजभवन परिसर में पारिजात एवं अन्य प्रजाति के पौधे रोपे। उन्होंने राजभवन के कर्मचारियों सहित दीप जलाकर अपना जन्मदिवस मनाया।

इस अवसर पर राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राजभवन के कर्मचारियों ने राज्यपाल को जन्मदिवस की बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि, उन्हें प्रदेश की जनता से सदैव स्नेह व सहयोग मिलता रहे और वह प्रदेश के विकास के लिए कार्य करते रहें, वह ऐसी कामना करते हैं। इस अवसर पर मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अलवर में बीजेपी के जिला अलवर उत्तर महिला मोर्चा प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

एनसीआर समाचार

राजस्थानः अलवर में आज भिवाड़ी में बीजेपी के जिला अलवर उत्तर महिला मोर्चा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ नीलम यादव ने भाग लेकर तृतीय सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महिला कल्याणकारी योजनाएं विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान डॉ. यादव ने बताया कि, मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के हित के लिए बहुत सारी कल्याणकारी योजनाए चल रही है, जिनमें मुख्य रूप से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, फ्री सिलाई मशीन प्रशिक्षण योजना, प्रधानमंत्री समृद्धि योजना, आंगनबाड़ी सेवाएं पोषण अभियान किशोरियों के लिए योजना, वन स्टॉप सेन्टर महिला हेल्पलाइन योजना, मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण योजना, अनुसंधान, प्रकाशन ओर निगरानी के लिए सहायता अनुदान योजना आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

राहुल गांधी के मुद्दे को लेकर कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौपा

एनसीआर समाचार

उरई जालौन, कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी को न्यायालय द्वारा दो वर्ष सजा एवं संसद की सदस्यता रद्द के अलावा सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिये जाने के विरोध में आज शनिवार को कांग्रेस के नगर अध्यक्ष डा. रेहान सिदीकी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय स्थित तहसील गेट पर धरना देकर राष्ट्रपति को सम्बोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन राष्ट्रपति को सम्बोधित तहसीलदार कुमार भूपेंद्र सिंह को भेंट करते हुए कहा कि विगद दिनों लोकसभा की कार्यवाही के दौरान कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से देश के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के सम्बंध के बारे कुछ प्रश्न पूछे थे।

जिनमें देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उद्योगपति गौतम अडानी के मध्य क्या रिश्ता है और कब से है तथा गौतम अडानी के ब्यापार में विदेशों से आया बीस हजार करोड़ रुपया किसका है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सरकारी विदेश यात्राओं में कितनी बार गौतम अडानी को अपने साथ ले गये। इसके अलावा अडानी कंपनी को प्रधानमंत्री द्वारा कितने और किन- किन देशों से ठेके दिलवाये। उन्होंने कहा कि ईपीएफओ से अडानी कंपनी के शेयर खरीद कर कर्मचारियों के भविष्य को अंधकार में धकेलने के क्या कारण है। जिसका जबाब भी नहीं दिया गया और उल्टा न्यायालय के द्वारा दो साल की सजा भी राहुल गांधी को दिलवा दी तथा आनन-फानन में उनकी संसद सदस्यता रद्द कर सरकारी बगलें को खाली करने का नोटिस भी जारी कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के इस मुद्दे को लेकर सडकों पर उतर कर कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी तथा जनता के बीच पहुंच कर भाजपा सरकार के कारनामों उजागर करेगी।इस मौके पर प्रमुख रूप से अयूब अंसारी, सिद्धार्थ दिवोलिया, अनुज मिश्रा सचिव उत्तर प्रदेश, संतोष ठाकुर, राजकुमार वर्मा, लल्लू भुआ, फैजानुल हक, गुड्डू रिजवी, नफीस पठान, अशोक सक्सेना, जितेंद्र कुमार वर्मा, जमुनादास अहिरवार, माताप्रसाद, भगवान सिंह यादव, चन्द्रशेखर, मनमोहन जाटव, अवतार सिंह, गौतम मौर्य, मोहित अहिरवार, दुर्गेश नंदनी, उदित कुशवाहा, अनिल कुमार शर्मा आदि मौजूदा।

IPL 2023: मैच के दिनों में आधी रात के बाद भी बेंगलुरू मेट्रो सेवाओं का होगा विस्तार

एनसीआर समाचार

क्रिकेट मैच के दिनों में, बैयप्पनहल्ली, केंगेरी, नागासंद्रा और सिल्क इंस्टीट्यूट टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी ट्रेनें 1.30 बजे प्रस्थान करेंगी और चारों दिशाओं में नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन, मैजेस्टिक से सुबह 1.30 बजे सुबह की ट्रेनें होंगी।

बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इंडियन प्रीमियर लीग 2023 टूनार्मेंट के हिस्से के रूप में अप्रैल और मई में शहर में क्रिकेट मैच होने के दिनों में आधी रात के बाद बेंगलुरु में अपनी मेट्रो ट्रेन के समय के विस्तार की घोषणा की है।

बैंगलोर में होने वाले 2, 10, 17, 26 और 21 अप्रैल, 2023 को आईपीएल 2023 नाइट मैचों के मद्देनजर, बैंगलोर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (बीएमआरसीएल) बैयपनहल्ली- केंगेरी और नागासांद्रा पर ट्रेन सेवाओं का विस्तार करेगा। बीएमआरसीएल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, "सिल्क संस्थान क्रिकेट मैच के अगले दिन के शुरूआती घंटों तक चलता है। क्रिकेट मैच के दिन, बैयप्पनहल्ली, केंगेरी, नागासंद्रा और सिल्क इंस्टीट्यूट टर्मिनल स्टेशनों से आखिरी ट्रेनें दोपहर 1.30 बजे और नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन से मैजेस्टिक, बीएमआरसीएल ट्रेनें चारों दिशाओं में दोपहर 1.30 बजे चलेंगी होंगी।

किसी भी स्टेशन से कब्बन पार्क और एमजी रोड मेट्रो स्टेशनों की आगे की यात्रा सामान्य किराए पर टोकन, क्यूआर टिकट और स्मार्ट कार्ड के माध्यम से होगी। तेजी से भीड़ हटाने के लिए बीएमआरसीएल वापसी यात्रा के पेपर टिकट जारी करेगा, जो क्रिकेट मैच के दिन दोपहर 3 बजे से सभी मेट्रो स्टेशनों पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

पेपर टिकट की कीमत 50 रुपये है और कब्बन पार्क और एमजी रोड स्टेशनों (चिन्नास्वामी स्टेडियम के आसपास के क्षेत्र में स्थित) से पर्पल और ग्रीन लाइन पर किसी भी स्टेशन के लिए मैच के दिनों में एक ही यात्रा के लिए मान्य होगा।

शियोपुर में भारतीय किसान संघ की सभी तहसील व शाजापुर जिला कार्यकारिणी द्वारा कलेक्टर के साथ बैठक

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के शियोपुर में बीते दिन 31 मार्च को भारतीय किसान संघ की सभी तहसील व शाजापुर जिला कार्यकारिणी द्वारा कलेक्टर दिनेश जैन से किसानों की समस्याओं पर बैठक कर चर्चा की जिसमें गेहूं उपार्जन केन्द्रों पर बड़े तोल कांटे से उपज को तोला जाए। इस विषय को प्राथमिकता से लेते हुए कलेक्टर महोदय ने जिन केंद्रों पर बड़े तोल कांटे है वह तोल कार्य बड़े कांटे पर करने के निर्देश दिए किसान इसको ऐच्छिक भी करवा सकता है। मगरानीया वेयरहाउस को भी जल्दी उपार्जन केंद्र बना कर तुलाई करवाने की बात कही स्लाट बुकिंग में आ रही समस्या को भी सरल करते हुए बिना बुकिंग के मेसेज द्वारा सूचना देने और सात दिवस मे भूगतान होना। अज्ञात कारणों से पराली जल जाती उस पर किसानों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करने की बात कही इन विषयों पर चर्चा कर समस्याओं का निराकरण किया गया।

4जी सेवाओं के लिए सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा बीएसएनल के साथ एमओयू हस्ताक्षरित

एनसीआर समाचार

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा वित्त वर्ष 2023-24 की बजट घोषणा के अनुरूप राज्य के असंबद्ध (अन-कनेक्टिड) गांवों को विश्वसनीय 4जी सेवाएं प्रदान करने के दृष्टिगत सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाने के लिए भारत संचार निगम लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

समझौता ज्ञापन पर निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी मुकेश रेपस्वाल और बीएसएनएल के प्रधान महाप्रबंधक चरण सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक जे.एस. सहोता, बीएसएनएल और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने राज्य के असंबद्ध गांवों में कनेक्टिविटी के लिए भारत सरकार को एक परियोजना का प्रस्ताव भेजा था और इसके लिए 50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे।

इस परियोजना के लिए बीएसएनएल को कार्यकारी एजेंसी के रूप में चयनित किया गया था। अब एमओयू पर हस्ताक्षर होने के उपरांत बीएसएनएल कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किन्नौर, लाहौल-स्पिति, पांगी और राज्य के अन्य जिलों के दूरदराज क्षेत्रों को जोड़ने के लिए ऑप्टिकल फाइबर बिछाने और टेलीकॉम टावर स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करेगा। इस परियोजना के दिसंबर, 2023 तक पूरा होने की उम्मीद है। राज्य में कनेक्टिविटी के विस्तार के लिए मोबाइल टावरों के साथ लगभग 500 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर बिछाने की आवश्यकता होगी।

उन्होंने बताया कि सुनिश्चित और विश्वसनीय कनेक्टिविटी की सुविधा प्राप्त होने से स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में की जा रही विभिन्न डिजिटल पहलों के विस्तार में मदद मिलेगी और राज्य के लोगों को बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि 4जी दूरसंचार नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण से भविष्य में राज्य के दूरदराज के क्षेत्रों में 5जी सेवाएं प्रदान करने में भी मदद मिलेगी। इससे जीवन की गुणवत्ता और सेवा वितरण के लिए क्षमताओं में भी सुधार होगा।

एक नजर

उमरबन क्षेत्र में टवेरा वाहन से घूमकर चोरी की वारदातो को अंजाम देने वाले 4 आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः धार जिले के उमरबन शातिर बदमाश टवेरा वाहन का उपयोग कर क्षेत्र में घूम कर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे लाखों के वाहन में घूमने के कारण सख के दायरे से बाहर रहते थे। साथ ही टवेरा वाहन को 1 किलोमीटर की दूरी पर छुपाकर पैदल पहुंचकर वारदात कर वाहन का प्रयोग कर लाखों रुपए मूल्य के चांदी के आभूषण, बड़े फ्रिज चोरी कर भाग जाते थे? भारत पिता जवान सिंह कटारे जाति भील निवासी कामता थाना तिरला, तूफान पिता शेरू जाति भील निवासी जीराबाद थाना गंधवानी, सिराज पिता शेर मोहम्मद शेख जाति मुसलमान निवासी उमरबन, विधि विवादित बालक को गिरफ्तार कर टोटल 8 लाख 50 हजार का मश्रुका बरामद किया।

इस सराहनीय कार्य में मनावर थाना प्रभारी नीरज बीरथरे, उमरबन चौकी प्रभारी प्रकाश अलावा, प्रधान आरक्षक रेलसिंह सस्तिया, आरक्षक प्रियतम अवास्या,आरक्षक अरविंद पवार, करमेन्द्र रावत का योगदान रहा।

सपा नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर के प्रथम नगर आगमन पर गर्मजोशी के साथ युवा कार्यकताओं ने किया स्वागत

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः जालौन समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपराज गुर्जर के प्रथम नगर आगमन पर गर्मजोशी के साथ युवा कार्यकताओं द्वारा गर्मजोशी के साथ जगह-जगह फूल मालाओं से स्वागत किया गया इसके उपरांत नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सपा कार्यालय पहुंच कर उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि, सभी को साथ लेकर सपा मुखिया एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की नीतियों को जनता के बीच पहुंचाने का काम किया जायेगा। उन्होंने कहा कि, सपा मुखिया एवं प्रदेश अध्यक्ष ने जो जिम्मेदारी मुझे सौपी है उसे बखूबी निभाये जाने का प्रयास किया जायेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से विधायक कालपी विनोद चतुवेर्दी, रश्मि पाल, संतोषी प्रजापति, जमालुद्दीन पप्पू, सजीव कठेरिया जिला पंचायत सदस्य, जीवन बाल्मीकि पूर्व जिलाध्यक्ष (अनु-प्रकोष्ठ) संतोष वर्मा जीनू, प्रदीप दीक्षित, सभासद शादाब, पूर्व विधायक कप्तान सिंह राजपूत, जिला पंचायत सदस्य दीपू त्रिपाठी, राघवेंद्र सिंह राजावत माधौगढ़, कमर अहमद कालपी, गिल्लू भिटारी सहित सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

डांग जिले के डी सी एम केतन परमार ने आम सभा में महिला सरपंच का किया अपमान

एनसीआर समाचार

गुजरात में बीते दिन 31 मार्च को डांग जिले के वघई तालुका के नडगचोंद पंचायत में एक आम सभा हुई। आम सभा शुरू होते ही ग्राम पंचायत के दस निर्वाचित सदस्यों में से नौ सदस्य उपस्थित थे, लेकिन पांच सदस्य इस बात से असहमत थे बजट की चर्चा डी सी एम केतन परमार ने आम सभा के अध्यक्ष की तरह बदसलूकी की और आमसभा की शुरूआत की और महिला सरपंच की जगह खुद बैठ गए। आप तस्वीरों में देख सकते हैं कि, महिला सरपंच और सदस्य बैठी हैं। साथ में सरपंच व सदस्यों को निर्देश देते हुए।

अगर हमारे देश के प्रधानमंत्री पहले महिलाओं को प्राथमिकता देने का सुझाव दे रहे हैं तो ये साधारण टी सी एम केतन परमार महासभा के अध्यक्ष को अपने घमंड में अपमानित करते नजर आ रहे हैं। पांच सदस्य होने के बावजूद इस टी सी एम ने धौंस जमाई है। आमसभा वो बात करते देखे गए और आम सभा की। हमारे प्रतिनिधि ने निर्वाचित ग्राम पंचायत के पांच सदस्यों से पूछा तो उन्होंने कहा कि, हर आम सभा में हमसे बिना किसी चर्चा या सूचना के हस्ताक्षर लिए जाते हैं। ऐसे में देखना यह होगा कि महिला सरपंच का अपमान करने वाले कर्मचारी पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

अप्रैल से नया फाइनेंशियल ईयर शुरू होने के साथ ही गहनों और दवाओं पर कस्टम ड्यूटी की बढ़ोतरी

एनसीआर समाचार

आज यानी 1 अप्रैल से नया वित्तीय वर्ष 2023-24 शुरू हो गया है। यह नया साल अपने साथ कई बदलाव लेकर आया है। पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने आज नए वित्त वर्ष के पहले दिन व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की।

गहनों और दवाओं पर कस्टम ड्यूटी की बढ़ोतरी

वहीं सोने और गहनों पर कस्टम ड्यूटी आज से 20 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दी गई है, जिससे इसकी कीमत बढ़ सकती है। दर्द निवारक, एंटीबायोटिक्स और हृदय की दवाएं भी महंगी हो रही है और भी कई तरह के बदलाव किये जा रहे है जिसका सीधा असर देश की जनता पर होगा।

भारत में अपडेटेड Honda SP125 लॉन्च

होंडा मोटरसाइकिल एंड कोऑर्डिनेट इंडिया (ऌटरक) ने भारत में अपडेटेड ऌङ्मल्लर्ा रढ125 लॉन्च कर दी है।

एक नजर

मध्य प्रदेश: चंद्रावतीगंज में युवा आंजना समाज द्वारा निकाली गई बाइक रैली

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः युवा आंजना समाज द्वार श्री श्री 1008 श्री राजाराम महाराज के 141वां जन्म उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया बनाया गया, जिसको लेकर समाज द्वारा जोर शोर से तैयारी की गई थी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शासकीय हाई स्कूल चंद्रावतीगंज से राजाराम महाराज की झांकी के साथ ही एक विशाल बाइक रैली निकाली गई, वहीं चंद्रावतीगंज गांधी चौक पर कांग्रेसी नेत्री संभाग प्रवक्ता रीना बोरासी, जनपद पंचायत सदस्य बलराम चौधरी और पदम पटेल सांवेर ब्लॉक अध्यक्ष इंदर सिंह आंजना, ओंकार सिंह पटेल के द्वारा स्वागत किया गया।

चंद्रावतीगंज में पहली बार इतनी बड़ी शोभायात्रा के रूप में देखी गई, जिसमें करीब 500 गाड़ियां वाहन के रूप में थी यह रैली मेन रोड से होती हुई सागर गार्डन धर्माट रोड पहुंची इस मौके पर जितेंद्र आंजना, कमल सिंह आंजना, विजय सिंह आंजना, गोपाल आंजना, वीरेंद्र आंजना प्रेम सिंह आंजना, रणजीत सिंह आंजना, निलेश आंजना, लखन आंजना, इंदर सिंह आंजना पूर्व सरपंच, कुलदीप आंजना के साथ ही युवा शामिल हुए रैली का समापन सागर गार्डन पर हुआ आयोजन सफल होने पर युवा आंजना समाज ने सभी का आभार माना।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने की केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात

एनसीआर समाचार

भोपालः नरेला विधानसभा में रेलवे से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर केंद्रीय मंत्री को सौपा पत्र।

मंत्री सारंग ने भोपाल के निशातपुरा में कोच फैक्ट्री के पास प्रस्तावित फ्छइ के निर्माण, भारत टॉकिज आरओबी के चौडीकरण और ऐशबाग रेलवे फाटक पर फूट ओवरब्रिज का कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाने लिखा पत्र। पत्र में बरखेड़ी रेलवे फाटक के पास और मोतीनगर में रेलवे की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर निवासरत नागरिकों के पुनर्वास की आवश्यकता का भी बिंदू।

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने की सौजन्य मुलाकात

एनसीआर समाचार

भोपाल राजधानी में चल रही कंमाइंड कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में भाग लेने आए देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिवराज सरकार के मंत्री एवं भाजपा के कद्दावर नेता कमल पटेल ने शनिवार को होटल ताज लेक फ्रंट में सौजन्य भेंट की और सरकार के द्वारा किसानों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

हरियाणा: नारनौल राजस्व विभाग रीडर राजेंद्र सिंह हुए सेवानिवृत्त

एनसीआर समाचार

हरियाणाः नारनौल बीते दिन राजस्व विभाग में कार्यरत रीडर राजेंद्र सिंह आज अपनी लगभग 32 वर्ष की सरकारी सेवाओं के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उपायुक्त डॉ जयकृष्ण आभीर ने सेवानिवृत्ति समारोह में शामिल होकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

राजेंद्र सिंह 3 मई 1991में लिपिक के पद पर तैनात हुए थे। इसके बाद इन्होंने विभिन्न पदों पर अपनी निष्ठा पूर्वक सेवाएं दी हैं। लघु सचिवालय के मीटिंग हॉल में हुए सेवानिवृत्ति समारोह में सभी अधिकारियों ने उन्हें उज्जवल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर एसडीएम मनोज कुमार, नगराधीश डा. मंगल सेन उपायुक्त कार्यालय के उप अधीक्षक रजनीश गोयल के अलावा अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद थे।

आबकारी विभाग द्वारा राजस्व एकत्रिकरण में 19 प्रतिशत की वृद्धि

एनसीआर समाचार

राज्य कर एवं आबकारी विभाग के आयुक्त यूनुस ने आज यहां बताया कि विभाग ने वित्त वर्ष 2022-23 में 5130 करोड़ रुपये के राजस्व एकत्रित करने के लक्ष्य को पार कर इस अवधि के दौरान 19 प्रतिशत वृद्धि के साथ 5343 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है, जो 2021-22 की तुलना में 846 करोड़ अधिक है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष जीएसटी संग्रह में यह शानदार वृद्धि विभाग द्वारा कड़ी सर्तकता और कर अधिकारियों की कार्यकुशलता का परिणाम है। उन्होंने कहा कि रिर्टन फाईलिंग में सुधार हुआ है।

यूनिवर्सल कार्टन लागू करने के लिए कानूनी पहलुओं का किया जा रहा अध्ययन- मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू

एनसीआर समाचार

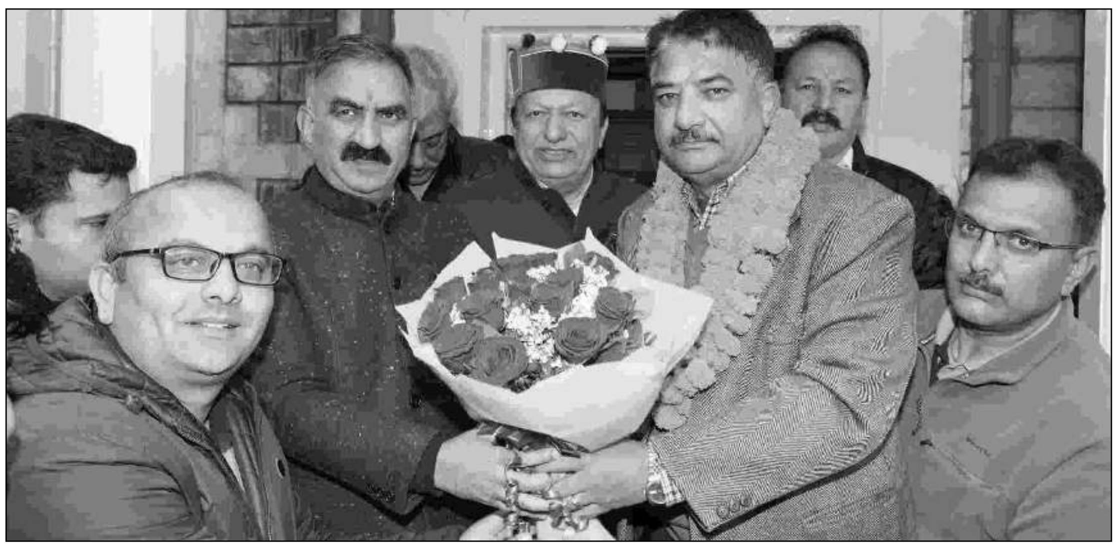

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि, राज्य के बागवानों की आर्थिकी सुदृढ़ करने के लिए प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार यूनिवर्सल कार्टन लागू करने के लिए कानूनी पहलुओं का अध्ययन कर रही है। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज यहां हिमाचल प्रदेश सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम के नेतृत्व में ठियोग विधानसभा क्षेत्र के एक प्रतिनिधिमंडल को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार ने सीए स्टोर स्थापित करने की दिशा में कदम उठाए हैं, ताकि बागवानों को उनके उत्पाद का सही मूल्य मिल सके और उन्हें बिचौलियों के शोषण से बचाया जा सके। इसके अलावा सेब आधारित डिस्टिलरी स्थापित करने पर भी विचार किया जा रहा है ताकि बागवान कम गुणवत्ता वाले सेबों को भी बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिगत इस बार प्रदेश सरकार ने ग्रीन बजट प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि, बजट में ई-बस, ई-ट्रक और ई-टैक्सी की खरीद पर 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान किया गया है तथा 250 किलोवाट से 2 मैगावाट तक की सौर ऊर्जा परियोजनाओं को स्थापित करने पर 40 प्रतिशत अनुदान देने का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सहकारी बैंक इन दोनों योजनाओं के लिए उदारतापूर्वक ऋण प्रदान करे ताकि युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हों और हिमाचल देश में हरित ऊर्जा राज्य बन सके। ये दोनों प्रमुख कार्यक्रम युवाओं के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन लायेंगे और उनके परिवारों के लिए आय के स्त्रोत उत्पन्न होंगे। उन्होंने कहा कि, दो वर्षों के उपरांत इन कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि कृषि, मत्स्य पालन और बागवानी क्षेत्रों के लिए बैंक किसानों को उदारतापूर्वक ऋण उपलब्ध करवाए ताकि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा कि, प्रदेश सरकार सही दिशा में निर्णय ले रही है ताकि समाज के हर वर्ग का समग्र व समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में 7000 एकल नारियों को आवास निर्माण के लिए 1.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का प्रावधान किया है। इसके अलावा मेधावी गरीब विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए एक प्रतिशत ब्याज पर ऋण भी उपलब्ध करवाया जाएगा। प्रदेश सरकार ने राजस्व में बढ़ौतरी के लिए शराब की दुकानों की नीलामी की और राज्य की जलविद्युत परियोजनाओं पर जल उपकर लगाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार में पार्टी कार्यकताओं को उचित सम्मान दिया जा रहा है और ठियोग क्षेत्र को विशेष अधिमान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता कुलदीप सिंह राठौर ठियोग विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। ठियोग के देवेंद्र श्याम को हिमाचल प्रदेश सहकारी बैंक का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि इसी विधानसभा क्षेत्र के केहर सिंह खाची को वन विकास निगम का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश सहकारी बैंक के अध्यक्ष देवेंद्र श्याम ने उन्हें बैंक का अध्यक्ष नियुक्त करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि बैंक राज्य सरकार के हरित बजट की दिशा में किए गए प्रयासों को पूरा करने में सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि बैंक ने ई-वाहनों की खरीद और सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान करेगा। उन्होंने कहा कि बैंक और सहकारिता आंदोलन को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

इस अवसर पर विधायक हरीश जनारथा और हिमाचल प्रदेश राज्य वन विकास निगम के उपाध्यक्ष केहर सिंह खाची सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कोटपूतली ज्ञानदास आश्रम बड़नगर में पेयजल टंकी का निर्माण कार्य हुआ शुरू

एनसीआर समाचार

राजस्थानः कोटपूतली रामनवमी को गोपाल की बगीची ज्ञानदास आश्रम बडनगर में बाइस हजार लीटर क्षमता की पीने के पानी की टंकी की नींव का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू करवाया। मंदिर महंत ज्ञान दास जी महाराज के सानिध्य में स्व. रामजीलाल अग्रवाल के पुत्रों भामाशाह संजय, नवीन, योगेश, चंद्रकांत अग्रवाल एवम फतेहचंद अग्रवाल द्वारा पीने के पानी की टंकी की नींव का भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू करवाया गया। सुंदर सिंह शेखावत ने बताया कि इस अवसर पर पावटा निवासी महावीर प्रसाद, सावित्री देवी, मुकेश अग्रवाल, बडनगर उप सरपंच रोहिताश मीणा बलवीर सिंह, राजेंद्र गढ़वाल, मूलचंद गिठाला, रामजी लाल टांक सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

ग्रामीण सड़कों के बेहतर रख-रखाव के लिए केंद्र से हिमाचल को 37.76 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन: विक्रमादित्य सिंह

एनसीआर समाचार

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत सड़कों के बेहतर रख-रखाव के लिए हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से 37.76 करोड़ रुपए का वित्तीय प्रोत्साहन अनुदान प्रदान किया गया है। यह जानकारी लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज यहां दी।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित सड़कों की मरम्मत एवं रख-रखाव के लिए केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने 31 मार्च, 2023 को 37.76 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन अनुदान राशि स्वीकृत की है।

उन्होंने कहा, राज्य में दोष-दायित्व अवधि (डीएलपी) के दौरान ई-मार्ग एवं डीएलपी पश्चात आवधिक नवीनीकरण के माध्यम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़कों की मरम्मत एवं रख-रखाव में बेहतर प्रदर्शन पर हिमाचल प्रदेश को केंद्र की ओर से यह वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि मरम्मत के उपरांत इन सड़कों के नमूनों की जांच के लिए केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता निगरानी अनुवीक्षक नियुक्त किए गए थे और राज्य ने इसमें बेहतर प्रदर्शन किया है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि यह वित्तीय प्रोत्साहन मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में वर्तमान प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में ग्रामीण सड़क नेटवर्क में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के प्रयासों तथा गत दो तिमाहियों में इसके लिए व्यय की जाने वाली राशि में बढ़ौतरी का सुपरिणाम है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश को लगभग 4 वर्षों के उपरांत यह प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से प्राप्त इस वित्तीय प्रोत्साहन राशि का उपयोग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित एवं मरम्मत योग्य ग्रामीण सड़कों की मेटलिंग-टारिंग के कार्यों के लिए किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के लोगों को दूर-दराज एवं दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध होने के साथ ही उनके दैनिक कार्यों में भी सुगमता सुनिश्चित होगी।

इंदौर सांवेर के सुंदरकांड व पत्रकार मिलन समारोह संपन्न

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः सांवेर के लालाखेड़ा सड़क स्थित पत्रकार अरविंद पटेल के यहा एक आयोजन रखा गया, जहां धार्मिक अनुष्ठान के साथ ही पत्रकार मिलन समारोह भी आयोजित हुआ, इस दौरान वरिष्ठ मीडियाकर्मी सहित अन्य का सम्मान भी हुआ।

दरअसल, युवा पत्रकार अरविंद पटेल द्वारा आयोजित कार्यक्रम का यह दूसरा वर्ष था, जहा शुक्रवार देर शाम को आयोजन शुरू हुआ। अजनोद के रामायण मंडल द्वारा सुंदरकांड के साथ ही एक से बडकर एक मधुर भजनों की प्रस्तुतियां दे रहे थे, जहा कई भक्त झूमने पर मजबूर हो गए। अरविंद पटेल ने बताया कि, सुंदरकांड और पत्रकार मिलन समारोह के आयोजन में सांवेर नगर पंचायत अध्यक्ष संदीप चंगेडिया, पार्षद और वरिष्ठ पत्रकार सूर्यकुमार ओस्तवाल, इंद्रेश चावड़ा, अनिल जोशी,राजेंद्र वर्मा, एसडीओपी पंकज दीक्षित मौजूद रहे तो वही तहसील पत्रकार संघ सांवेर के वरिष्ठजनों में मोहन खंडेलवाल, ओम कटारिया, राजेश जैन, अतुल लाडना, कपिल श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, प्रवीण भदानिया, पवन भदानीया, कमल चौधरी,अनिल पटेल (बाबा), जीतू पटेल, जीतू माथुर, सतीश शर्मा, संजय पटेल सहित कई पत्रकार गण मौजूद रहे, जिनका आयोजक अरविंद पटेल ने दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। रामायण मंडल के कलाकारों ने जहां भक्ति रस के भजनों से समा बांध दिया तो वहीं खाती समाज के सांवेर तहसील अध्यक्ष संजू फाबिया, अधिवक्ता अरुण कोठारी, श्यामधन मुंडेल, संदीप कुमावत, सुदामा पटेल सहित कई लोग विशेष अतिथि के रूम में मौजूद रहे, जिनका भी सम्मान किया गया। आयोजन में जहा सभी ने सहभोज किया तो वही सभी ने सफल आयोजन को लेकर अरविंद पटेल को बधाई दी।

रामायण मंडल अजनोद के कलाकारों ने दी प्रस्तुतियां

राम की जय हनुमान की जय रामायण मंडल अजनोद के संजय पटेल, राम गोपाल बिलावलीया, शेखर चौधरी, पुष्पेंद्र पटवारी, बबलू सर, विजय ढोलक, घनश्याम मिर्ची वाले, लीलाधर भगत, हीरालाल खाती सहित कई लोगों ने सुंदरकांड व भजनों की प्रस्तुतियां दी।

धानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की संविदा ए एन एम कामिनी सिंह ने किराए के मकान की आत्महत्या

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः धानी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात 2019में संविदा कर्मी ए एन एम पद कार्यरत थी, जोकि कामिनी सिंह पुत्री सुखनंदन सिंह मेरठ जिले निवासी थी जोकि कामिनी सिंह किराए पर लेकर रहती थी। धानी बाजार में मकान मालिक संजय अग्रहरि के पत्नी ने देखी दोनो दरवाजा बंद था और ए एन एम कामिनी सिंह को बुलाती रहती नहीं बोली तो तब रोशन दान के द्वारा ताका देखी गले में पट्टा लगा छत के कुंडी लटकी हुई देख कर स्थानीय पुलिस चौकी प्रभारी धानी मनोज कुमार यादव सूचना पर मौके पर मय फोर्स के साथ पहुंचे और थानाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा एवम पुलिस फॉस्ट फोर्स पहुंचने पर ही दरवाजे को खोल कर कामिनी सिंह की लाश को पुलिस प्रशासन अपने कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र धानी के चिकिसाधिकारी डा प्रकाश चंद चौधरी भी पूरे स्टाप मौजूद रहे।

शिमला-मटौर फोरलेन सड़क परियोजना को मूर्त रूप प्रदान करने में रंगलाए वर्तमान प्रदेश सरकार के प्रयास

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेश की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियां इसे सड़क संपर्क की दृष्टि से एक चुनौतीपूर्ण राज्य बनाती हैं। राज्य में सड़क संपर्क को सुदृढ़ करने को वर्तमान प्रदेश सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान कर रही है। मौजूदा सड़क अधोसंरचना को विकसित कर इस पहाड़ी राज्य की जीवन रेखाओं को जीवंत एवं सुगम्य बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार समयबद्ध एवं तेजी से कार्य कर रही है। राजधानी शिमला को प्रदेश केछः प्रमुख जिलों से जोड़ने वाली शिमला-मटौर फोरलेन सड़क परियोजना को साकार रूप प्रदान करने के लिए वर्षों से प्रयास किए जाते रहे हैं।

विभिन्न कारणों सेयह परियोजना पिछले कुछ वर्षों से गति नहीं पकड़ पा रही थी। हाल ही में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दिल्ली प्रवास के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से भेंट कर प्रदेश में संचालित की जाने वाली फोरलेन परियोजनाओं के कार्य को प्राथमिकता प्रदान करने का आग्रह किया था। इस बैठक की निरंतरता में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के सदस्य ने हिमाचल पहुंच कर प्रदेश सरकारसे विभिन्न पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया।

एनएचएआई के समक्ष भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर इस सड़क परियोजना को मूर्त रूप प्रदान करने में वर्तमान प्रदेश सरकार के प्रयास रंग लाए हैं। शिमला से मटौर तक राष्ट्रीय राजमार्ग का उन्नयन कर इसे फोरलेन में बदलने के लिए अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा सैद्धांतिक सहमति प्रदान की गई है। इस परियोजना का कार्य विभिन्न पैकेज में पूरा किया जाएगा। प्रत्येक पैकेज को लगभग 40-45 किलोमीटर में विभाजित किया गया है। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत की इस परियोजना से शिमला, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, सोलन तथा कांगड़ा जिलों की लाखों की जनसंख्या सीधे लाभान्वित होगी।

अपने विभिन्न कार्यों से इन जिलों के लोगों का राजधानी शिमला आना लगा रहता है। फोरलेन सड़क बन जाने से धर्मशाला से शिमला की दूरी लगभग 21 किलोमीटर कम होगी और इससे लगभग नौ घंटे का सफर करीब पांच घंटे में पूरा हो सकेगा। इससे लोगों के समय एवं पैसे दोनों की ही बचत होगी। बेहतर सड़क संपर्क से यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी उत्तरोत्तर बढ़ोतरी होगी। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में शिमला की देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान है। यहां आने वाले सैलानियों को कांगड़ा घाटी की ओर मोड़ने में बेहतर सड़क संपर्क मुख्य भूमिका निभाएगा। वर्तमान प्रदेश सरकार ने कांगड़ा जिला को प्रदेश की 'पर्यटन राजधानी' के रूप में घोषित किया है।

ऐसे में राजधानी शिमला से पर्यटन राजधानी तक देश-विदेश के सैलानियों को उच्च स्तरीय सड़क अधोसंरचना केसाथ ही उन्हें फोरलेन के किनारे आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। शिमला से मटौर तक भूमि अधिग्रहण सहित अन्य औपचारिकताओं को पूर्ण करने के लिए प्रदेश सरकार ने संबंधित विभागों एवं निकायों को लक्षित एवं समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। प्रभावित परिवारों को मुआवजा प्रदान करने के कार्य को भी गति प्रदान की गई है। सरकार के इन प्रयासों से निश्चित ही यह महत्वाकांक्षी परियोजना अपनी निर्धारित अवधि में साकार रूप ले सकेगी।

संपादकीय

आगामी चुनाव और विपक्ष की रणनीति

लोकसभा का आगामी चुनाव अत्यन्त महत्वपूर्ण होता जा रहा है। देश में भी और विदेश में भी। उसका कारण है। आज तक देश में तीन प्रकार की सरकारें रही हैं। कांग्रेस द्वारा अपनी कार्यकारिणी में भारत के विभाजन के पक्ष में प्रस्ताव पारित करने के उपरान्त, ब्रिटिश सरकार ने भारत को डोमीनियन का दर्जा देना स्वीकार कर लिया था और उस डोमिनियन की कमान पंडित जवाहर लाल नेहरू को सौंप दी थी। लेकिन यह ध्यान रखा कि डोमीनियन का गवर्नर जनरल अभी भी ब्रिटिश सरकार का प्रतिनिधि लार्ड माऊंटबेटन ही रहे। इसका ब्रिटिश सरकार को लाभ यह हुआ कि माऊंटबेटन ने जम्मू कश्मीर का बड़ा हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में करवा दिया, मामला सुरक्षा परिषद में लटका दिया जिसके कारण देश के संविधान में अनुच्छेद 370 ने जन्म ले लिया। यह कांग्रेस की पहली सरकार थी, जिसने देश के लिए भावी रणनीति तय कर दी थी। कांग्रेस की यह सरकार मोटे तौर पर 1947 से लेकर 1997 तक चली। बीच में तीन-चार साल गैर कांग्रेसी सरकारें रहीं, लेकिन वे सरकारें तकनीकी तौर पर ही गैर कांग्रेसी कही जा सकती हैं क्योंकि वे सरकारें भी मोटे तौर पर व्यक्तिगत कारणों से कांग्रेस से रूठे हुए कांग्रेसियों की ही सरकारें थीं । इसलिए देश के शासन में किन्हीं नीतिगत परिवर्तनों की आशा नहीं की जा सकती थी। सरकार की देश को लेकर सोच और दिशा वही रही जो पंडित जवाहर लाल नेहरू और लार्ड माऊंटबेटन तय कर गए थे।

यही कारण था कि पाकिस्तान बार-बार भारत पर हमले करता रहा, भारतीय सेना शौर्य का प्रदर्शन कर रही थी, लेकिन सरकारें मेज पर सेना की जीत को हार में बदलती रहीं। चीन ने भारत के बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया और भारत सरकार फिर भी उसे संयुक्त राष्ट्र संघ में वीटो पावर दिलवाने के लिए दिन-रात एक करती रही। 1998 से लेकर 2004 तक अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा सरकार रही। परन्तु वह चौबीस परस्पर विरोधी दलों की सरकार थी। अगले दस साल तक पुनः कांग्रेस सरकार ने सत्ता संभाले रखी। लेकिन यह भी तकनीकी तौर पर ही कांग्रेस की सरकार कही जा सकती थी। वास्तव में यह सोनिया माईनो गान्धी, जिसने खाँटी कांग्रेसी सीता राम केसरी को बैठक में से धक्के मार कर बाहर निकाल दिया था, की सरकार ही थी जो वह अपने दरबारियों जिन्हें नैशनल कौंसिल का नाम दे रखा था, के माध्यम से चला रही थीं। लेकिन भारतीय संविधान में सरकार के मुखिया को प्रधानमंत्री कहा जाता है, इसलिए उस पद पर मनमोहन सिंह जी को बिठा रखा था। इसलिए यदि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के छह साल निकाल दिए जाएं तो 1947 से लेकर 2014 तक कांग्रेस के लोगों की सरकार ही रही। ये सरकारें चीन, अमेरिका और पाकिस्तान को बहुत ही मुफीदकारी लगती थीं।

सोनिया माईनो गान्धी की सरकार तो वैटिकन के राष्ट्रपति को एक प्रकार से अपनी ही सरकार लगती थी। यही कारण था कि उन दिनों चर्च हर रोज दिवाली मनाता था।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है, तो वह अकारण नहीं है। उसने समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक हितों की रक्षा के लिए बहुत काम किया है और इसके लिए बड़ी कीमत भी चुकाई है। इसके बदले उसे समाज का, लोगों का भरपूर विश्वास और सम्मान भी हासिल हुआ है। दुर्भाग्य से बीते दो-तीन दशकों में यह विश्वास लगातार दरकता गया और सम्मान घटता गया है।

मीडिया और समाज : दरकता विश्वास

-प्रो. संजय द्विवेदी-

पिछले दिनों देश के एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी दैनिक द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि किसी देश को लोकतांत्रिक रहना है, तो प्रेस को स्वतंत्र रहना चाहिए। जब प्रेस को काम करने से रोका जाता है, तो लोकतंत्र की जीवंतता से समझौता होता है। मुख्य न्यायाधीश ऐसा कहने वाली पहली विभूति नहीं हैं। उनसे पहले भी कई बार कई प्रमुख हस्तियां प्रेस और मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर मिलते-जुलते विचार सार्वजनिक रूप से अभिव्यक्त कर चुकी हैं। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहा जाता है, तो वह अकारण नहीं है। उसने समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक हितों की रक्षा के लिए बहुत काम किया है और इसके लिए बड़ी कीमत भी चुकाई है। इसके बदले उसे समाज का, लोगों का भरपूर विश्वास और सम्मान भी हासिल हुआ है। दुर्भाग्य से बीते दो-तीन दशकों में यह विश्वास लगातार दरकता गया और सम्मान घटता गया है।

मीडिया की इस घटती प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता के पीछे बहुत सारे कारण गिनाये जा सकते हैं। सबसे पहला तो यही है कि उदारीकरण की आंधी से पहले जिस मीडिया ने खुद को एक मिशन बनाए रखा था, उसने व्यावसायिकता की चकाचौंध में बहुत तेजी से अपना 'कॉरपोरेटाइजेशन' कर लिया और खुद को 'मिशन' की बजाए खालिस 'प्रोफेशन' बना लिया। अब जब यह प्रोफेशन बना तो इसकी प्राथमिकताएं भी बदल गईं। 'जन' की जगह 'धन' साध्य बन गया। अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के चक्कर में मीडिया प्रतिष्ठानों ने अपने तौर-तरीके पूरी तरह बदल लिए। 'कंटेंट' की बजाय उन्होंने 'आइटम' पर ज्यादा ध्यान देना शुरू कर दिया, ताकि रीडरशिप और टीआरपी में ज्यादा से ज्यादा ऊंचाई पर पहुंचा जा सके। जितनी ज्यादा ऊंचाई, उतना ज्यादा विज्ञापन राजस्व। उसमें भी भारी घालमेल। अधिकतर अखबार और टीवी चैनल सामग्री की गुणवत्ता की बजाए आंकड़ों की बाजीगरी में अधिक भरोसा करने लगे। लेकिन, या तो उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया, या फिर परवाह नहीं की, कि इस पूरे चक्र में वे समाज और लोगों का भरोसा खो रहे हैं।

अब स्थिति यह है कि मीडिया तो लगातार विस्तार कर रहा है, लेकिन लोगों में उसकी विश्वसनीयता लगातार कम हो रही है। आज मीडिया के बहुत सारे रूप हैं। मनोरंजन को छोड़ दीजिए, तो रेडियो ज्यादा लोग सुनते नहीं, टीवी देखते नहीं, अखबार पढ़ते नहीं. अगर यह सब करते भी हैं, तो ये माध्यम उनके मन में कोई सकारात्मकता जगा पाने में सफल नहीं हो पाते। जबकि कालांतर में ऐसे असंख्य अवसर आए हैं, जब मीडिया ने अपने सामाजिक और लोकतांत्रिक दायित्वों का भली-भांति निर्वहन किया है। विश्वसनीयता के मामले में पत्रकारिता को दो वर्गों में बांटा जा सकता है। एक, 21 वीं सदी के आरंभ से पहले की पत्रकारिता और दूसरी इसके बाद की पत्रकारिता।

पहले वर्ग में वह पत्रकारिता आती है जो समाज के लिए जयप्रकाश नारायण और विश्वनाथ प्रताप सिंह जैसे नायकों को मजबूती प्रदान करती थी, भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करती थी, जनहित के लिए सत्ता की नाक में दम किए रहती थी। दूसरी पत्रकारिता वर्ष 2000 से बाद की पत्रकारिता है, जिसमें सनसनी है, स्टिंग हैं, मीडिया ट्रायल हैं, टीआरपी है, प्रायोजित यात्राएं हैं, निहित स्वार्थ हैं। अगर कुछ नहीं है, तो समाज का विश्वास। अब कोई मीडिया की ओर नहीं देखता। लोग उससे कोई उम्मीद नहीं रखते, उस पर भरोसा नहीं करते। उनके लिए मीडिया पर प्रसारित सामग्री मनोरंजन की चीज बन चुकी है। हालांकि अखबार अभी इस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन धीरे-धीरे बढ़ इसी राह पर रहे हैं।

इसकी दूसरी वजह पिछले दस-पंद्रह सालों में वैकल्पिक मीडिया, या डिजिटल मीडिया, का दिनोंदिन फैलता फलक हो सकती है। वैकल्पिक मीडिया ने, आम लोगों को अपनी बात सामने रखने की ऐसी सहूलियत प्रदान की है, जिसने पारंपरिक संचार माध्यमों पर उनकी निर्भरता खत्म कर दी है। अब वे अपनी समस्याएं या चिंताएं लेकर अखबारों-टीवी चैनलों के चक्कर नहीं काटते, बल्कि फेसबुक या ट्विटर पर पोस्ट करते हैं। क्योंकि इनमें उन्हें भरोसा रहता है कि अब उनकी बात बिना किसी बाधा या समस्या के उन तमाम लोगों तक पहुंच जाएगी, जिन तक पहुंचनी चाहिए। तीसरी वजह, खुद वह समाज है जो मीडिया पर उसकी जिम्मेदारी ठीक से न निभाने का दोषारोपण तो करता है, लेकिन कभी किसी संकट के समय उसके साथ खड़ा नजर नहीं आता। 'रिपोर्टर विदआउट बॉर्डर्स' के मुताबिक वर्ष 2003 से 2022 तक, दो दशकों के दौरान दुनिया भर में 1668 पत्रकारों की हत्या हुई। यानि हर साल करीब 84 पत्रकार। इसके अलावा 'कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स' की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक इस साल एक दिसंबर तक 363 पत्रकारों को गिरफ्तार कर जेल में डाला गया। 'रिपोर्टर विदआउट बॉर्डर्स' की रिपोर्ट इनकी संख्या 533 बताती है। उनकी ताजा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दुनिया भर में इस साल 65 पत्रकारों और मीडियाकर्मियों को बंधक बनाकर रखा गया और 49 लापता हैं।

अब आप याद कीजिए कि क्या कहीं आपने किसी देश, शहर या समाज में लोगों को इस बात के लिए इकट्ठा होकर कोई सामाजिक आंदोलन या धरना प्रदर्शन करते देखा है कि अमुक पत्रकार को जेल से रिहा किया जाए, या अमुक पत्रकार के हत्यारों को गिरफ्तार किया जाए या अमुक पत्रकार, जिसका अर्से से कोई अता-पता नहीं है, उसका पता लगाया जाए। और तो और, जिन लोगों के हित के लिए पत्रकारों ने अपनी जान जोखिम में डाली है, समाज उनके परिवार की मदद के लिए भी कभी खड़ा नजर नहीं आता। वही समाज जो पानी न आने पर सड़कें जाम कर देता है, किसी सैनिक के शहीद होने पर श्रद्धांजलि यात्राएं निकालता है। अपने अधिकारों के लिए या अपने शहीदों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए सड़कों पर आना कतई गलत नहीं है और न ही यहां इसका विरोध किया जा रहा है, बल्कि कहने का आशय यह है कि एक पत्रकार जब अपना फर्ज निभाते हुए मारा जाता है तो उसकी शहादत, उस समाज से भी बदले में कुछ चाहती है, जिसके लिए वह शहादत दी गई। बजाय इसके, हम उसके चरित्र पर सवाल उठाते हैं या उस पर हमले को जायज साबित करने की कोशिश करते हैं। कहने का आशय यह है कि अगर मीडिया और समाज के बीच विश्वास मिट रहा है, तो इसके लिए अकेले मीडिया को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

रोकना होगा कट्टरता की विसात पर राजनैतिक पांसों का खेल

-डा. रवीन्द्र अरजरिया-

विश्व के सबसे बडे लोकतंत्र में अव्यवस्थाओं, मनमानियों और अधिकारों की दुहाई पर सत्ता-सुख की चाहत निरंतर चरम सीमा की ओर बढती जा रही है। सत्ता-सुख की चाहत यानी कि समग्र पर अधिकार दिखाने की इच्छापूर्ति के प्रयास। इन प्रयासों में देश के घोषित तीन स्तम्भों सहित अघोषित चौथे स्थम्भ में भी आपसी होड मची है। कहीं संविधान की रोशनी में अनेक बार विधायिका ने कानूनों को सत्ताधारी दलों की अप्रत्यक्ष मंशा के अनुसार तोडा, मरोडा और थोप दिया। तो कहीं कार्यपालिका के व्दारा अक्सर समय की मांग के विशेषाधिकार के तहत मनमाने अंदाज में तुगलकी फरमान जारी किये, कानूनों के अनुपालन से लेकर कर्तव्यों के निर्वहन तक में लापरवाहियां बरतीं गईं और व्यक्तिगत लाभ दूरगामी परिणामों हेतु वर्तमान के कृत्यों को अंजाम दिया गया। वहीं न्यायपालिका के दरवाजों पर अन्याय, अमानवीयता और मानवाधिकारों को ढाल के रूप में स्थापित करके दस्तक देने वालों ने संवैधानिक लचीलेपन का लाभ उठाने की कोशिशें कीं। यह सब विश्व गुरू बनने की दिशा में पुनः अग्रसर होते देश में अब बहुत तेजी से हो रहा है। स्वाधीनता के बाद से ही गोरों के इशारों पर देश का बंटाधार होता रहा है जिसमें अब अनेक पश्चिमी देशों ने भी भागीदारी शुरू कर दी है। पडोसी देश पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश के अलावा दुनिया के अनेक राष्ट्रों को शक्तिशाली देशों ने दूरगामी नीतियों के तहत बरबाद कर दिया। इच्छित परिणाम मिलने से उनके हौसले बुलंद होते चले गये। जब तक भारत दबा, कुचला और निरीह राष्ट्र की श्रेणी में रहा, तब तक षडयंत्रकारियों की जमातों ने उसे खोखला करने में कोई कसर नहीं छोडी। कमजोर को अस्तित्वहीन करने हेतु भितरघातियों के माध्यम से प्रयास होते रहे। धर्म की राजनीति करके सत्ता सुख की चाह रखने वालों की नब्ज पर अंग्रेजों ने पहले से ही पकड बना रखी थी। आज भी हमारे देश के अनेक राजनैतिक दलों के कद्दावर नेता वहां से नई-नई तरकीबें सीखकर आते हैं और प्रयोग के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। इतिहास गवाह है कि सन 1757 में शक्तिशाली सिराजुद्दौला को हराने हेतु गोरों ने लालची, मक्कार और भितरघातिये मीर जाफर को ढूंढा निकला था। गद्दारी की इबादत लिखकर मीर जाफर ने गोरों की कठपुतली बनकर सिंहासन पर कब्जा किया। कुछ समय बाद अहसान फरामोशी की पर्याय बनी गोरी नस्ल ने मीर जाफर के लिए चोर पर मोर का हथियार आजमाया और मीर कासिम को भतिरघातिया बनाकर मीर जाफर को नस्तनाबूत कर दिया। ऐसा ही ग्वालियर के महाराज जयाजी राव सिंधिया ने भितरघातिया बनकर अंग्रेजों के इशारे पर झांसी का रानी लक्ष्मीबाई की हत्या करवा दी। सत्ता-सुख की मृगमारीचिका के पीछे भागने वालों के अहंकार को गोरों ने खूब भुनाया। फणीन्द्रनाथ घोष का नाम भी राष्ट्र भक्तों को नस्ताबूत करने वालों की खूनी फेरिस्त में कालिख से आज भी लिखा है। इसने भारत माता को परतंत्रता की बेडियों से मुक्त करने वाले रणबांकुरों को फांसी के फंदे पर पहुंचाने में अंग्रेजों के मदद ही नहीं की बल्कि लालच, अहंकार और ढीढता की चरम सीमा पर पहुंचकर सैण्डर्स मर्डर और एसेम्बली में बम फैकने के केसों में खुलेआम गवाही भी दी थी। आज उन्हीं गोरों को पछाडकर देश की अर्थ व्यवस्था ने दुनिया की पांचवी पायदान पर आमद दर्ज कर ली है। कभी सत्ताधारी रही अंग्रेजों की जमात को अपने गुलाम रहे देश से मिली करारी शिकस्त ने हिलाकर रख दिया। उसे खून का घूंट पीकर रह जाना पडा। अतीत गवाह है कि षडयंत्रकारी गोरों ने पहले देश को भितरघातियों की मदद से गुलाम बनाया, खनिज संपदा के दोहन से लेकर मानवीय शक्ति तक का शोषण किया और फिर अपनी धरती के कैम्ब्रिज कैम्पस से चलाया भितरघातिये तैयार करने का अभियान से तैयार किये विषपुत्र जो वर्तमान में टुकडे-टुकडे गैंग से लेकर आतंकवादियों तक के पक्ष में ढीढता से खडे हो जाते हैं। देश के ज्यादातर भगोडों ने गोरों की गोद में ही किलकारियों भरीं हैं। वही क्रम अनेक मिशनरीज की आड में आज भी जारी है। स्वाधीनता के बाद काले अंग्रेजों ने देश का अनेक सम्पत्तियों पर गोरों को कानूनन मालिकाना हक दे दिया गया, धर्म के नाम पर संविधान में विभाजनकारी व्यवस्थायें दी गईं, जातियों के नाम पर वैमनुष्यता फैलाने वाले बीजों का रोपड किया गया, देश के पुरातन सिध्दान्त वसुधैव कुटुम्बकम को नस्तनाबूत कर दिया गया। लम्बे समय तक गंगा-जमुनी संस्कृति के रूप में विविधता में एकता का परचम फहराने वालों के हाथों में हरे और भगवां झंडे पकडा दिये गये। अतीत में बोये गये जहरीले बीज अब फसल बनकर लहलहा रहे हैं। नवरात्रि और रमजान जैसे पावन अवसर पर खून की होलियां खेली गईं। बिहार के नालंदा, सासाराम, गया, नवगछिया, बिहार शरीफ, सहजालाल पीर, कदीर गंज, लखनु सराय, जलाल पीर में सडकें मानवता के रंग से लाल होतीं रहीं और पुलिस-प्रशासन की जुगलबंदी सत्ता के इशारे पर मटरगस्ती करती रही। गुजरात के फतेहपुरा, वडोदरा की कहानी भी बिहार से अलग नहीं है। ऐसा ही महाराष्ट्र के संभाजी नगर, जलगांव में भी होता रहा। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, मडियाओं आदि में रक्त रंजित कहानियों का सजीव मंचन होता रहा। झारखण्ड के जमशेदपुर, जुगसलाई, बाटा चौक सहित हल्दी पोखर में जुल्म ने खुला नृत्य किया। आंध्र प्रदेश के दुव्वा गांव की स्थिति भी ऐसी ही रही। जबकि बंगाल के आतंकी घटना क्रम ने तो वहां के शासन-प्रशासन की मंशा तक उजागर कर दी। हावडा, इस्लामपुर, शिवपुर जैसे इलाकों में होने वाले खूनी घटना क्रम से वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले से ही वाकिफ थीं। उन्होंने पहले ही घोषणा कर दी थी कि राम नवमी पर रैली करेंगे तो हिंसा होगी। यानी कि हिंसक षडयंत्रकारियों, उनकी योजनाओं और तैयारियों को अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री का समर्थन, सहयोग और सहायता प्राप्त थी। इसके बाबजूद न तो षडयंत्रकारियों की पूर्व में धर-पकड की गई और न ही उनके मंसूबों को नस्तनाबूत करने की सरकारी कोशिशें ही हुईं। आश्चर्य तो तब हुआ जब ममता बनर्जी ने अपनी राजनैतिक चालों से रमजान का हवाला देते हुए एक वर्ग को आतंक जैसी पैदा की गई स्थिति से क्लीन चिट दे दी। राजनैतिक लाभ, सत्ता-सुख की चाहत और व्यक्तिगत लालच की मृग मारीचिका के पीछे भागने वाले राजनैतिक दलों ने आम आवाम को अपनी कुटिल चालों के बीच पिसने के लिए मजबूर कर दिया है। रोकना होगा कट्टरता की विसात पर राजनैतिक पांसों का खेल अन्यथा सत्ता-सुख की चाहत में खद्दरधारियों की जमात हरे-भगवां झंडों के बीच तिरंगे को अस्तित्वहीन कर देगी और तब हम पडोसी पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश से भी गई गुजरी स्थिति में पहुंच जायेंगे जिसमें निश्चय ही देश के भितरघातियों की अहम भूमिका होगी। इस बार बस इतना ही।

कर्नाटक आरक्षण मुद्दा: ध्रुवीकरण की दिशा में एक और कदम

तनवीर जाफरी-

चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनावों की तारीख की घोषणा कर दी है। राज्य में विधानसभा चुनाव हेतु 10 मई को केवल एक चरण में ही मतदान होगा। जबकि चुनाव के नतीजे 13 मई को आएंगे। चुनावों की तारीख की घोषणा से ठीक एक सप्ताह पूर्व राज्य की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की बासवराज बोम्मई सरकार ने धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए दिये जा रहे चार प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने की घोषणा की है। साथ ही आरक्षण के इस 4 फीसदी कोटे को राज्य के दो प्रमुख समुदायों को दिये जा रहे वर्तमान आरक्षण में जोड़ने की घोषणा भी कर दी। राज्य सरकार के इस निर्णय के बाद ओबीसी श्रेणी के 2बी वर्गीकरण के अंतर्गत राज्य के मुसलमानों को अब तक दिए जा रहे 4 प्रतिशत आरक्षण को अब दो बराबर हिस्सों में विभाजित कर दिया गया है। वोक्कालिंगा और अन्य समुदाय के लिए पूर्व में दिया जा रहा चार प्रतिशत आरक्षण अब बढ़कर छह प्रतिशत हो जाएगा। साथ ही वीरशैव पंचमसाली और अन्य (लिंगायत) समुदाय जिन्हें राज्य में अब तक पांच प्रतिशत आरक्षण हासिल था, उन्हें अब सात प्रतिशत आरक्षण मिलने लगेगा। गौर तलब है कि 1994 में जब एचडी देवगौड़ा कर्नाटक के मुख्यमंत्री बने थे उसी के बाद 1995 में राज्य के मुसलमानों को आरक्षण देने का फैसला किया गया था। इसके तहत आरक्षण की कैटेगरी बी-2 बनाकर अलग से अल्पसंख्यकों को 4 फीसदी आरक्षण का प्रावधान रखा गया था। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के बाद रंगनाथ कमीशन ने मुसलमानों की दशा देखते हुये अपनी रिपोर्ट में मुस्लिमों को अलग से आरक्षण देने की सिफारिश की थी।

बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बयान गृह मंत्री अमित शाह का था। शाह ने पिछले दिनों अपने कर्नाटक दौरे पर बीदर में आयोजित चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कर्नाटक सरकार के उस निर्णय का बचाव किया जिसके तहत मुस्लिम समुदाय को अब तक दिया जा रहा 4 फीसदी आरक्षण खत्म कर दिया गया है। उन्होंने कथित 'वोट बैंक की राजनीति' के लिए मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान करने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुये कहा कि- 'भाजपा कभी तुष्टिकरण में विश्वास नहीं करती। इसलिए उसने आरक्षण व्यवस्था में बदलाव का फैसला किया।' उन्होंने कहा, 'बीजेपी ने अल्पसंख्यकों को दिया गया चार प्रतिशत आरक्षण समाप्त कर दो प्रतिशत आरक्षण वोक्कालिंगा और दो प्रतिशत आरक्षण लिंगायत समुदाय को दिया।' उन्होंने यह भी कहा कि 'अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण संवैधानिक तौर पर वैध नहीं है। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। कांग्रेस सरकार ने इसे अपनी तुष्टिकरण की राजनीति के तहत किया और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की।'

यहां यह भी काबिल-ए-गौर है कि यही वह राज्य है जहां गत वर्ष दक्षिणपंथियों ने कॉलेज में मुस्लिम लड़कियों के हिजाब पहनने का विरोध किया था उसके बाद यही हिजाब विवाद अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियों में भी छाया था। इसी राज्य में अक्सर यही दक्षिण पंथी ताकतें शेर-ए-मैसूर स्वतंत्रता सेनानी टीपू सुल्तान का विरोध करती रहती हैं। सत्ता में आने के तुरंत बाद बीजेपी सरकार ने टीपू सुल्तान की जयंती समारोह को खत्म कर दिया था। बीजेपी की इसी बोम्मई सरकार में ही इसी राज्य में हिजाब विवाद के अतिरिक्त मलाली मंदिर-मस्जिद विवाद, हलाल मांस, मुस्लिम कारोबारियों के बहिष्कार,कभी अजान का विरोध तो कभी हेडगेवार के भाषण को आधिकारिक तौर पर स्कूली पाठ में शामिल करने जैसी विवादस्पद बातों को लेकर काफी सांप्रदायिक तनाव रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य के तुमकुरु और शिमोगा में सावरकर और टीपू सुल्तान के पोस्टर को लेकर विवाद पैदा हुआ था और साम्प्रदायिक हिंसा भी हुई थी। राज्य में हिंदू संगठन रेस्टोरेंट, पार्क, बार और पब आदि में युवक-युवतियों पर हमला कर-के मॉरल पुलिसिंग करने की कोशिश कर चुके हैं। यहां 'लव जिहाद' नामक कैंपेन भी चलाया जा चुका है। 'लव जिहाद' के नाम पर कट्टरपंथी हिंदू संगठन मुसलमान युवकों पर शादी के जरिए हिंदू महिलाओं को मुसलमान बनाने का आरोप लगाते रहते हैं।

समाज के ताने बाने से खिलवाड़ करती 'हेट स्पीच'

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

हेट स्पीच एक समूह, या जाति, धर्म या लिंग जैसी अंतर्निहित विशेषताओं के आधार पर किसी व्यक्ति को लक्षित करने वाले आपत्तिजनक भाषण को संदर्भित करती है, जो सामाजिक शांति को खतरा पैदा कर सकती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, देश में 2014 और 2020 के बीच घृणास्पद भाषण अपराधों में छह गुना वृद्धि हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार दोहराया है कि घृणा अपराधों के नाम पर कोई गुंजाइश नहीं है। भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म और यह राज्य का प्राथमिक कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को ऐसे अपराधों से बचाए। एक ही बयान, किसी के लिए नफरत फैलाने वाली बात हो जाता है और किसी के लिए बोलने की आजादी। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार इसी उलझन में फंसा रहता है। अपनी बात कहने की आजादी से जुड़े कई कानून हमारे देश में मौजूद हैं और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी है। इन कानूनों का उपयोग और दुरुपयोग दोनों की ही चर्चा होती रहती है। किसी भी ऐसी बात, हरकत या भाव को, बोलकर, लिखकर या दृश्य माध्यम से प्रसारित करना, जिससे हिंसा भड़कने, धार्मिक भावना आहत होने या किसी समूह या समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा होने की आशंका हो, वह हेट स्पीच के अंतर्गत आती है।

सहिष्णुता और असहिष्णुता के शोर के बीच यह मामला और महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि समस्या के मूल में यही है कि जनता और नेता किसी की बात को सह पाते हैं या नहीं। क्या किसी की बात सहन न होने पर हिंसा भड़क सकती है, इसलिए बयानों पर कानून के जरिए सजा दिलवाकर लगाम लगाना जरूरी है। या फिर अपनी बात कहने की आजादी सभी को है, इस लिहाज से कानून की बंदिश नहीं होनी चाहिए। समाज में अनुचित व्यवहार भेदभावपूर्ण संस्थाओं, संरचनाओं और मानदंडों को उत्पन्न करते हैं, जो असमान सामाजिक संबंधों को मान्य और बनाए रखते हैं। इससे कुछ लोग दूसरों को हीन और सम्मान के योग्य समझने लगते हैं। साम्प्रदायिक एजेंट अक्सर चुनावी लाभ के लिए धर्म के नाम पर लोगों का ध्रुवीकरण करने के लिए हेट स्पीच का उपयोग करते हैं। साम्प्रदायिक घृणा फैलाने वाले भाषणों के कारण, भारत ने कई दंगे देखे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की रेंज और गुमनामी उन्हें दुरुपयोग के प्रति संवेदनशील बनाती है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर नकली समाचार अफवाह फैलाने और हेट स्पीच की बढ़ती घटनाओं को जन्म देते हैं।

पीड़ित व्यक्ति/लोग शायद ही कभी प्रतिशोध के डर से या गंभीरता से नहीं लिए जाने के डर से अधिकारियों को घटनाओं की रिपोर्ट करते हैं। यहां तक कि जब मामलों की सूचना दी जाती है, तब भी अधिकारियों द्वारा समय पर कार्रवाई की कमी के कारण उद्देश्य विफल हो जाता है। भारत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 153 और 505 मुख्य प्रावधान हैं, जो भड़काऊ भाषणों और अभिव्यक्तियों से निपटते हैं जो 'घृणास्पद भाषण' को दंडित करने की कोशिश करते हैं। हेट स्पीच से निपटने के लिए एक अलग कानून की अनुपस्थिति के कारण मौजूद खामियों का दुरुपयोग हुआ है। 2017 में, समिति ने एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें ऑनलाइन हेट स्पीच को रोकने के लिए सख्त कानूनों की सिफारिश की गई थी।प्रत्येक राज्य में एक राज्य साइबर अपराध समन्वय होना चाहिए, जो एक अधिकारी होना चाहिए जो पुलिस महानिरीक्षक के पद से कम का न हो। प्रत्येक जिले में एक जिला साइबर क्राइम सेल होना चाहिए। इसने ?5,000 के जुमार्ने के साथ दो साल तक की सजा का प्रस्ताव किया। विधि आयोग की सिफारिशों को लागू करनाः विधि आयोग ने अपनी 267 वीं रिपोर्ट में आईपीसी की धारा 153(इ) के तहत 'नफरत को उकसाने पर रोक लगाने और कुछ मामलों में डर, अलार्म या हिंसा भड़काने' पर आईपीसी की धारा 505 के तहत नए प्रावधान जोड़कर भारतीय दंड संहिता में संशोधन का सुझाव दिया। यह बातचीत, मध्यस्थता और मध्यस्थता के माध्यम से हेट स्पीच की समस्या का समाधान करने का एक बेहतर तरीका है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर निर्णय

वैश्विक रुख से तय होगी शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक के नतीजे, वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुख इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेंगी। मंगलवार को महावीर जयंती और शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर बाजार में अवकाश रहेगा।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लि. के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, निवेशकों की निगाह एफपीआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के रुख पर रहेगी। एफपीआई अब शुद्ध खरीदार हो गए हैं। बाजार की निगाह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक

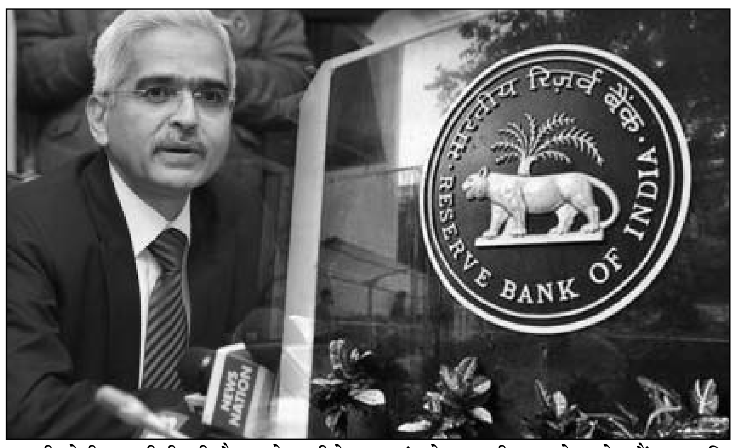

पर भी होगी। एमपीसी की बैठक के नतीजे छह अप्रैल को घोषित होंगे।

शनिवार को आए वाहन बिक्री के आंकड़े काफी अच्छे रहे हैं। मारुति सुजुकी, हुंदै और टाटा मोटर्स ने बीते वित्त वर्ष में अपनी सबसे ऊंची सालाना बिक्री दर्ज की है। यह आज की तारीख तक वाहन उद्योग का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया है। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष तकनीकी शोध अजित मिश्रा ने कहा, यह सप्ताह छुट्टियों वाला है। कई घटनाक्रमों तथा आंकड़ों की वजह से बाजार भागीदार व्यस्त रहेंगे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई के आंकड़े तीन और पांच अप्रैल को आएंगे। बाजार की निगाह विशेषरूप से छह अप्रैल को आने वाली एमपीसी की बैठक के नतीजे पर रहेगी।

उन्होंने कहा कि घरेलू कारकों के अलावा विदेशी कोषों का प्रवाह भी बाजार की दिशा को प्रभावित करेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,464.42 अंक या 2.54 प्रतिशत के लाभ में रहा। शुक्रवार को सेंसेक्स 1,031.43 अंक या 1.78 प्रतिशत के लाभ से 58,991.52 अंक पर बंद हुआ था। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि निकट भविष्य में बाजार की निगाह रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर रहेगी।

शुक्रवार को एशिया, यूरोप और अमेरिका के बाजार भी सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि निवेशकों को एमपीसी की बैठक के नतीजों के साथ पीएमआई आंकड़ों का बेसब्री से इंतजार है। इसके अलावा अमेरिका के निजी उपभोग के आंकड़ों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके आधार पर ही अमेरिकी केंद्रीय बैंक का भविष्य का रुख तय होगा।

एफपीआई ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार में डाले 7,936 करोड़ रुपये

नई दिल्ली,एजेंसी। लगातार दो माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च में भारतीय शेयर बाजार में 7,936 करोड़ रुपये का निवेश किया है। अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडाणी समूह की कंपनियों में पैसा लगाने से एफपीआई का निवेश मार्च में सकारात्मक रहा है।

जीएलसी वेल्थ एडवाइजर एलएलपी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संचित गर्ग ने कहा कि यदि अडाणी समूह की कंपनियों में आए निवेश को निकाल दिया जाए, तो मार्च में एफपीआई का शुद्ध निवेश नकारात्मक हो जाएगा। इसका आशय है कि मार्च में भी एफपीआई बिकवाल ही रहे हैं।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का सतत बिकवाली का सिलसिला समाप्त होता दिख रहा है। पिछले कुछ सत्रों से वे लिवाल बन गए हैं। विजयकुमार ने कहा, ह्वाइएफपीआई के लिए निकट भविष्य का दृष्टिकोण अब और अधिक सकारात्मक दिखता है। भले ही भारतीय मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक बना हुआ है, लेकिन हाल के समय में बाजार में जो करेक्शन हुआ है उससे अब मूल्यांकन कुछ ठीक हो गया है।

उन्होंने कहा कि निर्यात में बढ़ोतरी की वजह से चालू खाते के घाटे (कैड) की स्थिति सुधरी है। ऐसे में एफपीआई आगे संभवतः आक्रामक तरीके से बिकवाली नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में चालू खाते का घाटा 4.4 प्रतिशत था। तीसरी तिमाही में चालू खाते का अधिशेष रहा है। इसलिए आगे चलकर भारतीय रुपये के स्थिर रहने की संभावना है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने मार्च में भारतीय शेयरों में शुद्ध रूप से 7,396 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 5,294 करोड़ रुपये और जनवरी में 28,852 करोड़ रुपये की निकासी की थी। दिसंबर, 2022 में भी एफपीआई ने शुद्ध रूप से 11,119 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 2,505 करोड़ रुपये निकाले हैं। जनवरी में उन्होंने बॉन्ड बाजार में 3,531 करोड़ रुपये और फरवरी में 2,436 करोड़ रुपये डाले थे।

जम्मू-कश्मीर ने 2021-22 में बजट का 20 प्रतिशत कम उपयोग किया: कैग

जम्मू,एजेंसी। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान बजट का इस्तेमाल कुल 1.39 लाख करोड़ रुपये के अनुदान और विनियोग की तुलना में 20 प्रतिशत कम था। रिपोर्ट में सरकार से अपनी बजटीय धारणाओं में अधिक यथार्थवादी होने को कहा है। कैग ने बचत की उम्मीद के बीच संबंधित विभागों द्वारा अनुदान और विनियोग को सरेंडर करने की विफलता की भी आलोचना की है। बचत 28,504.50 करोड़ रुपये रही थी।

कैग ने 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए केंद्र शासित प्रदेश के वित्त पर अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, वित्त वर्ष 2021-22 में व्यय के लिए कुल प्रावधान 1,39,795.19 करोड़ रुपये था। वर्ष के दौरान वास्तविक व्यय 1,11,983.49 करोड़ रुपये (80 प्रतिशत) था, जिसके परिणामस्वरूप 2021-22 के दौरान 27,811.70 करोड़ रुपये की बचत हुई।

कैग ने कहा कि बजटीय आवंटन अवास्तविक प्रस्तावों पर आधारित थे क्योंकि कुल 35 अनुदान में से 22 में पूंजीगत खंड में 100 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष के दौरान 123 योजनाओं में शामिल 28 अनुदान के तहत 5,092.25 करोड़ रुपये के संपूर्ण बजट प्रावधान का उपयोग नहीं हुआ, जिससे आम जनता को वांछित लाभ नहीं मिल सका।

विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढ़कर 578.8 अरब डॉलर पर

मुंबई,एजेंसी। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में वृद्धि से 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.98 अरब डॉलर बढ़कर लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 578.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 12.8 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 572.8 अरब डॉलर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 24 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.4 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 509.73 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 1.4 अरब डॉलर की भारी वृद्धि हुई, जिससे यह

बढ़कर 45.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 20.1 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 18.42 अरब डॉलर हो गया। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 2.7 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 5.15 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की और वृद्धि कर सकता है रिजर्व बैंक

मुंबई,एजेंसी। खुदरा मुद्रास्फीति के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से ऊपर बने रहने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व समेत कई केंद्रीय बैंकों के आक्रामक रुख के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी अगले सप्ताह पेश होने वाली मौद्रिक समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की एक और वृद्धि का फैसला कर सकता है। यह मई, 2022 से शुरू हुए ब्याज दरों में बढ़ोतरी के चक्र में संभवतः आखिरी वृद्धि होगी।

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक तीन अप्रैल से शुरू होने वाली है। तीन दिन तक चलने वाली यह बैठक छह अप्रैल को नीतिगत दर संबंधी फैसले के साथ खत्म होगी।

मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए आरबीआई ने मई, 2022 से लगातार नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का रुख अपनाया हुआ है। इस दौरान रेपो दर चार प्रतिशत से बढ़कर 6.50 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है। गत फरवरी में संपन्न पिछली एमपीसी बैठक में भी रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। एमपीसी की बैठक में मौद्रिक नीति से जुड़े तमाम घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय पहलुओं की व्यापक समीक्षा के बाद कोई फैसला लिया जाएगा। इस दौरान उच्च खुदरा मुद्रास्फीति की स्थिति और विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों- अमेरिकी फेडरल रिजर्व, यूरोपीय केंद्रीय बैंक एवं बैंक ऑफ इंग्लैंड के हालिया कदमों का भी गहन विश्लेषण किया जाएगा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जनवरी में 6.52 प्रतिशत और फरवरी में 6.44 प्रतिशत पर रही है। खुदरा मुद्रास्फीति का यह स्तर आरबीआई के छह प्रतिशत के संतोषजनक स्तर से अधिक है।

एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री सौगत भट्टाचार्य ने हाल ही में संवाददाताओं से कहा, मैं दरों में एक और अंतिम 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद करता हूं।

बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा, पिछले दो माह से मुद्रास्फीति के छह प्रतिशत से ऊपर बने रहने और तरलता के भी अब लगभग तटस्थ हो जाने के बाद ऐसी उम्मीद है कि आरबीआई एक बार फिर रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर सकता है। इसके साथ ही आरबीआई अपने रुख को तटस्थ घोषित कर यह संकेत भी दे सकता है कि दरों में वृद्धि का दौर खत्म हो चुका है।

कुल मिलाकर समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में आरबीआई कुल छह एमपीसी बैठकों का आयोजन करेगा। केंद्र सरकार ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि खुदरा मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो प्रतिशत ऊपर या नीचे) के दायरे में रहे।

नेतृत्व अकेलापन महसूस कराता है, मैं इससे गुजरा हूं: नारायण मूर्ति

अहमदाबाद,एजेंसी। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति ने रविवार को कहा कि नेतृत्व पूरी तरह अकेलापन महसूस कराता है और वह इससे गुजर चुके हैं। मूर्ति ने एक पुस्तक आई डिड व्हॉट आई हैड टू डू का विमोचन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व सही काम करने और उन सैकड़ों और हजारों लोगों का विश्वास बढ़ाने के बारे में भी है जो मार्गदर्शन के लिए आपकी ओर देखते हैं। उद्योगपति मदन मोहंका की जीवनी आई डिड व्हॉट आई हैड टू डू की लेखिका अंजना दत्त हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि वह कहते हैं कि नेतृत्व शीर्ष पर बिल्कुल अकेला महसूस करता है। मैं इससे गुजरा हूं और अब जब कल मैंने मदन को कहने सुना कि ह्वनेतृत्व बहुत-बहुत अकेलापन महसूस करता है तो मैं मदन और अब (उनके बेटे) मेहुल, दोनों में यह महसूस कर सकता हूं।

मदन मोहंका ने 1976 में टेगा इंडस्ट्रीज लिमिटेड की स्थापित किया था और वह उसके चेयरमैन व कार्यकारी निदेशक हैं। उनके बेटे मेहुल कंपनी के प्रबंध निदेशक व समूह सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें आज भी स्थिर रही, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर आज जारी दरों के अनुसार देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

हायर का 2023 में 8,000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

नई दिल्ली,एजेंसी। टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनी हायर इंडिया का लक्ष्य इस साल (2023) 8,000 करोड़ रुपये का कारोबार हासिल करने का है। यह पिछले साल की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के अध्यक्ष सतीश एनएस ने पीटीआई-भाषा से कहा कि उत्पाद पोर्टफोलियो और बिक्री नेटवर्क के विस्तार से कंपनी को यह लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। हायर इंडिया अपने ग्रेटर नोएडा संयंत्र के विस्तार के दूसरे चरण में 1,500 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। यह कार्य 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इससे कंपनी को कलपुर्जों का स्थानीयकरण बढ़ाने में मदद मिलेगी। यह निवेश हायर इंडिया की पूर्व में घोषित 3,100 करोड़ रुपये की निवेश प्रतिबद्धता का हिस्सा है। ग्रेटर नोएडा कारखाने में हायर इंडिया रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन बनाती है।

अगले चरण में कंपनी इंजेक्शन मोल्डिंग सुविधा और एक पीसीबी संयंत्र लगाएगी। इसके अलावा कंपनी संयुक्त उद्यम में एक कंप्रेसर संयंत्र की संभावना पर भी विचार कर रही है।

सतीश ने कहा, यहां से हम घरेलू आपूर्ति करते हैं और पड़ोसी बाजारों जैसे श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश को निर्यात करते हैं। आगे चलकर हमारा विचार इसे घरेलू बाजार और निर्यात का केंद्र बनाने का है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल, तिलहन कीमतों में मजबूती का रुख

नई दिल्ली,एजेंसी। विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम नीचे जाने के बाद थोड़ा सुधरने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में लगभग सभी खाद्य तेल, तिलहन कीमतों में मजबूती दिखाई दी। सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल जैसे देशी तेल-तिलहन के अलावा कच्चे पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के भाव भी पिछले सप्ताहांत के मुकाबले लाभ के साथ बंद हुए।

बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में सीपीओ और सोयाबीन के भाव ज्यादा नीचे हो गये थे जिसमें समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार हुआ है। लेकिन देश में बहुतायत में आयात हो चुके सूरजमुखी तेल का दाम आज भी

सीपीओ से नीचे ही बना हुआ है। जिस सोयाबीन डीगम तेल का भाव पहले 1,060-1,070 डॉलर प्रति टन था वह अब सुधरता हुआ 1,110-1,120 डॉलर प्रति टन हो गया है। सूरजमुखी तेल का भाव तो अब भी सोयाबीन तेल से लगभग 70 डॉलर नीचे है और लिवाल नहीं हैं। सूत्रों ने कहा कि हैरत इस बात की होती है कि सरकार ने शुल्कमुक्त आयात की छूट इसलिए दी थी कि उपभोक्ताओं को खाद्य तेल लगभग छह रुपये सस्ता मिले पर हो ये रहा है कि शुल्कमुक्त आयात करने वाले इसी सस्ते तेल को बंदरगाह में थोक में प्रीमियम राशि वसूल कर बेच रहे हैं। खुदरा बाजार में तो यह उपभोक्ताओं को लगभग दोगुने दामों पर उपलब्ध है।

सूत्रों ने कहा कि संभवतः आम चुनाव से पहले आयात शुल्क नहीं बढ़ाने की हिचकिचाहट के कारण देश सस्ते आयातित खाद्य तेलों से पटता जा रहा है। राजस्थान के जयपुर में गत 13 मार्च को हुए तेल संगठनों के सेमिनार में बैठक के दौरान यह आवाज उठी कि मुद्रास्फीति को दुरुस्त रखने के लिए अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के निर्धारण की व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिये और इसकी जिम्मेदारी तेल संगठन ह्वामोपाह्व और केंद्रीय खाद्य तेल उद्योग एवं व्यापार संगठन (सीओओआईटी) को दी गई है।

सूत्रों ने कहा कि सोपा निरंतर देश के तेल उद्योग और किसान हितों की रक्षा के लिए आवाज उठा रहा है और उसने वायदा कारोबार पर अंकुश जारी रखने के अलावा तेल उद्योग और किसानों की समस्या के बारे में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखने के अलावा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के समक्ष भी इन चिंताओं को रखा है। सोपा का कहना है कि अगर स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो किसान भविष्य में तिलहन खेती करने से कतराएंगे।

एक नजर

देश में बिजली की खपत मार्च में 0.74 प्रतिशत घटकर 127.52 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में बिजली की खपत मार्च, 2023 में 0.74 प्रतिशत घटकर 127.52 अरब यूनिट (बीयू) रह गई। यह 31 माह में पहली मौका है जबकि बिजली की खपत घटी है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

बिजली की खपत में कमी का प्रमुख कारण देश में पश्चिमी विक्षोभ से भारी बारिश और मार्च में तापमान कम रहना है। इससे पहले अगस्त, 2020 में बिजली की खपत में गिरावट आई थी। उस समय बिजली की खपत अगस्त, 2019 के 111.52 अरब यूनिट से दो प्रतिशत से अधिक घटकर 109.21 अरब यूनिट रह गई थी। इस दौरान कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण बिजली की खपत में कमी आई थी।

विशेषज्ञों ने अनुमान जताया है कि आर्थिक गतिविधियों में और सुधार के साथ-साथ तापमान चढ़ने से अप्रैल में बिजली की मांग और खपत बढ़ेगी। आंकड़ों के अनुसार, बिजली की खपत मार्च, 2022 में 128.47 अरब यूनिट (बीयू) थी। यह मार्च, 2021 में 120.63 अरब यूनिट थी। वहीं मार्च, 2020 में यह 98.95 अरब यूनिट रही थी।

कृषि गतिविधियों में तेजी से मार्च में पेट्रोल, डीजल की बिक्री में उछाल

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में मार्च में ईंधन की मांग बढ़ी है। रविवार को जारी उद्योग के शुरूआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, कृषि गतिविधियों में तेजी से मार्च के पहले पखवाड़े में ईंधन की मांग में आई सुस्ती दूर हो गई। कृषि क्षेत्र की मजबूत मांग के साथ-साथ ठंड के मौसम की सुस्ती के बाद परिवहन में तेजी से फरवरी में ईंधन की बिक्री उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। लेकिन मार्च के पहले पखवाड़े (15 मार्च तक) में इसमें सुस्ती देखी गई। हालांकि, महीने के दूसरे पखवाड़े में ईंधन की मांग में तेजी आई और फरवरी के उच्च आधार के बावजूद मासिक आधार पर बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल की बिक्री पिछले महीने 5.1 प्रतिशत बढ़कर 26.5 लाख टन हो गई। मासिक आधार पर बिक्री 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। देश में सबसे अधिक खपत वाले ईंधन डीजल की मांग मार्च के दौरान 2.1 प्रतिशत बढ़कर 68.1 लाख टन हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में 66.7 लाख टन डीजल की बिक्री हुई थी। मासिक आधार पर मांग में 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पहले पखवाड़े में सालाना आधार पर पेट्रोल की बिक्री में 1.4 प्रतिशत और डीजल की बिक्री में 10.2 प्रतिशत की गिरावट आई थी। मार्च में पेट्रोल की खपत मार्च, 2021 की तुलना में 16.2 प्रतिशत और मार्च, 2020 से लगभग 43 प्रतिशत अधिक रही। इस दौरान डीजल की खपत मार्च, 2021 से 13.5 प्रतिशत और मार्च, 2020 से 41.8 प्रतिशत अधिक थी।

इंदौर अनाज मंडी: मूंग, उड़द में मजबूती, दालों में घटबढ़

इंदौर, एजेंसी। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग के कारण सप्ताहांत दलहन जिन्सों में मजबूती हुई। मूंग तथा उड़द में भाव ऊंचे रहे। सप्ताहांत दालों में घटबढ़ हुई। चावल में उठाव सुधार लिए रहा।

सप्ताहांत चना कांटा 5350 से 5400 रुपये खुलने के बाद इसी स्तर पर थमा। मूंग 8000 से 9000 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 7000 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 8100 से 9100 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 7500 से 8700 रुपये से 7500 से 8600 तथा उड़द 7000 से 7400 रुपये खुलकर 7200 से 7800 पर थमी। मसूर 5900 से 5950 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद इसी स्तर पर बंद हुई। दालों में मांग से घटबढ़ हुई। सप्ताहांत मूंग दाल, तुअर दाल में भाव ऊपर नीचे हुए। रवा मैदा चना बेसन में लिवाली कमजोर रही जिससे भाव कम हुए। चावल में ग्राहकी सुधार लिए रही।

सराफा बाजार: सोना, चांदी में तेजी

इंदौर, एजेंसी। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में मजबूती दर्ज की गई। इस दौरान सोना 400 रुपये तथा चांदी 800 रुपये महंगी बिकी।

कारोबार की शुरूआत में सोना 58000 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 58400 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरूआत 67900 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 68700 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 58700 नीचे में 58000 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 68700 तथा नीचे 67600 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1970 डॉलर तथा चांदी 2408 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

बेमौसम बरसात से 5.23 लाख हेक्टेयर में गेहूं की फसल प्रभावित

नई दिल्ली/चंडीगढ़/भोपाल/जयपुर,एजेंसी। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवा ने तीन राज्यों में 5.23 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में गेहूं की फसल को प्रभावित किया है। इससे किसानों के लिए उपज के भारी नुकसान और कटाई का संकट पैदा हो गया है।

भारत गेहूं के प्रमुख उत्पादकों में से एक है। यह देश की एक बड़ी आबादी के लिए प्रमुख भोजन है। भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच ऊंची मुद्रास्फीति और खाद्य सुरक्षा की चिंता से पहले से है। ऐसे में गेहूं की फसल के नुकसान से स्थिति और खराब हो सकती है।

अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम के कारण तीन राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में लगभग 5.23 लाख हेक्टेयर गेहूं की फसल खराब होने का अनुमान है।

उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

यूपीआई भुगतान प्रणाली ढांचे के वित्तपोषण को 0.3 प्रतिशत का शुल्क लगा सकती है सरकार: अध्ययन

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार यूपीआई भुगतान प्रणाली के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और इसकी वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के लेनदेन पर 0.3 प्रतिशत एकसमान डिजिटल भुगतान सुविधा शुल्क लगाने पर विचार कर सकती है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-बंबई ने एक अध्ययन में यह सुझाव दिया है।

चार्जेस फॉर पीपीआई बेस्ड यूपीआई पेमेंट्स- द डिसेप्शन शीर्षक से प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि 0.3 प्रतिशत सुविधा शुल्क से 2023-24 में लगभग 5,000 करोड़ रुपये जुटाए जा सकते हैं। मोबाइल वॉलेट के माध्यम से होने वाले भुगतान पर विनिमय शुल्क लगाने के भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के फैसले के प्रभावों का विश्लेषण करने वाले अध्ययन में कहा गया है कि दुकानदारों को मिलने वाले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगना चाहिए, चाहे वह सीधे यूपीआई के जरिये आए या प्रीपेड ई-वॉलेट के माध्यम से। एनपीसीआई ने दुकानदारों को यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने पर एक अप्रैल, 2023 से भुगतान राशि का 1.1 प्रतिशत का इंटरचार्ज शुल्क काटने का प्रावधान शुरू किया है।

यह प्रीपेड वॉलेट आधारित यूपीआई लेनदेन पर लागू होगा। मौजूदा कानून के तहत बैंक या यूपीआई का परिचालन करने वाला कोई प्रदाता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यूपीआई के जरिये भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति पर शुल्क नहीं लगा सकता। हालांकि, कई मौकों पर बैंक और प्रणाली प्रदाताओं ने यूपीआई कानून की अपनी सुविधा से व्याख्या करने का प्रयास किया है।

कोहली, डु प्लेसिस की जोड़ी चमकी

आरसीबी की विजयी शुरूआत

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने विराट कोहली (82 नाबाद) और फाफ डु प्लेसिस (73) के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को मुंबई इंडियन्स को आठ विकेट से रौंदकर टूनार्मेंट की धमाकेदार शुरूआत की।

मुंबई ने युवा सनसनी तिलक वर्मा (84 नाबाद) के विस्फोटक अर्द्धशतक की मदद से 171 रन बनाये, लेकिन कोहली-डु प्लेसिस के बीच हुई 148 रन की साझेदारी से आरसीबी ने 16.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली।

तिलक जब बल्लेबाजी करने उतरे तब मुंबई 20 रन पर तीन विकेट गंवा चुका था। उन्होंने अपनी टीम को संकट से निकालते हुए 46 गेंद पर नौ चौकों और चार छक्कों की सहायता से 84 रन बनाये, जबकि मुंबई के अन्य बल्लेबाज 75 गेंद पर 76 रन ही बना सके।

मुंबई की तुलना में आरसीबी के बल्लेबाजों को जरा भी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अपने घरेलू मैदान चिन्नास्वामी स्टेडियम पर चार साल बाद लौटते हुए कोहली ने 49 गेंद पर छह चौके और पांच छक्के लगाकर 82 रन की नाबाद पारी खेली। कप्तान डु प्लेसिस 43 गेंद पर 73 रन (पांच चौके, छह छक्के) बनाकर आउट हो गये, लेकिन कोहली ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर विजयी छक्का जड़कर आरसीबी को दमदार जीत दिलाई। आरसीबी ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी के लिये बुलाया और उसके गेंदबाज पावरप्ले में विपक्षी टीम पर हावी रहे। मोहम्मद सिराज ने ईशान किशन को 10 रन के स्कोर पर आउट किया, जबकि रीस टोपली ने कैमरन ग्रीन को मात्र पांच रन पर पवेलियन भेजा।

कप्तान रोहित शर्मा पिच पर बुरी तरह संघर्ष करते नजर आये और आकाश दीप का शिकार होने से पहले 10 गेंद पर एक रन ही बना सके। तिलक ने आकाश को छक्का जड़कर पारी का प्रवाह बदलना चाहा लेकिन माइकल ब्रेसवेल ने सूर्यकुमार यादव (15) को आउट करके आरसीबी को चौथी सफलता दिला दी।

मुंबई के ऊपरी क्रम के ढहने के बाद तिलक को कुछ देर के लिये नेहाल वधेरा का साथ मिला। अपना पहला आईपीएल मैच खेल रहे नेहाल ने 13 गेंद पर 21 रन बनाते हुए तिलक के साथ 50 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। नेहाल ने कर्ण शर्मा को दो छक्के जड़कर पारी की रफ्तार बढ़ाई ही थी कि कर्ण ने उन्हें और टिम डेविड (चार) को आउट करके मुंबई को दो बड़े झटके दिये।

मुंबई 16 ओवर में 111 रन ही बना सका था, जिसके बाद तिलक ने आरसीबी के गेंदबाजों पर अविश्वसनीय प्रहार शुरू किया। उन्होंने 17वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़कर 32 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया और अगली 14 गेंद पर 31 रन बटोरे। हर्षल पटेल ने 17वें ओवर में ऋतिक शौकीन का विकेट निकाला लेकिन उनकी जगह बल्लेबाजी करने उतरे अरशद खान ने नौ गेंद पर 15 रन का योगदान दिया। तिलक और अरशद ने 17 गेंद पर 48 रन की साझेदारी करके मुंबई को 171/7 के मजबूत स्कोर पर पहुंचा दिया।

आरसीबी की ओर से सिराज, टोपली, आकाश, हर्षल पटेल और ब्रेसवेल ने एक-एक विकेट चटकाया, जबकि कर्ण ने दो सफलताएं हासिल कीं।

आरसीबी के लिये बल्लेबाजी करने उतरे कोहली और डु प्लेसिस ने पावरप्ले का लाभ उठाते हुए तेजी से रन बटोरे। कोहली ने दूसरे ओवर में अरशद खान को चौका जड़कर आक्रमण का आगाज किया जबकि डु प्लेसिस ने तीसरे ओवर में 'आरसीबी, आरसीबी' के शोर के बीच इंपैक्ट प्लेयर जेसन बेहरेनडॉफ को एक चौका और दो छक्के जड़े।

कोहली को 17 रन के स्कोर पर एक जीवनदान भी मिला जब जोफ्रा आर्चर अपनी ही गेंद पर उनका कैच नहीं पकड़ सके। कोहली ने इसके बाद आर्चर को एक छक्का और दो चौके जड़ते हुए आरसीबी को पावरप्ले में 53 रन तक पहुंचा दिया।

कोहली ने जीवनदान का लाभ उठाते हुए 38 गेंद में अपना अर्द्धशतक पूरा किया। इससे पहले डु प्लेसिस ने भी 29 गेंद पर पचासा जमाया।

कोहली और डु प्लेसिस के बीच 89 गेंद पर हुई 148 रन की साझेदारी ने मुंबई को मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया। मुंबई हार का स्वाद चखने से पहले डु प्लेसिस और दिनेश कार्तिक को आउट किया, लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने क्रीज पर आते ही दो छक्के जड़े और आरसीबी के ऊपर से दबाव हटा दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की नजरें लखनऊ के खिलाफ जीत पर

चेन्नई, एजेंसी। पहला मैच हारने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स अपने गढ चेपॉक स्टेडियम पर सोमवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य इस सत्र में जीत का खाता खोलने का होगा। महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चार बार की चैम्पियन टीम यहां चार साल बाद लौटी है। दर्शकों में इसे लेकर काफी उत्साह है और पूरा स्टेडियम कल चेन्नई के पीले रंग में रंगा रहेगा।

रूतुराज गायकवाड़ की शानदार पारी के बावजूद चेन्नई को पहले मैच में गुजरात टाइटंस ने हराया। चेन्नई के प्रशंसकों को बाकी बल्लेबाजों से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो पहले मैच में नाकाम रहे थे। आईपीएल नीलामी में 16 करोड़ 25 लाख रुपए में खरीदे गए इंग्लैंड के सुपरस्टार बेन स्टोक्स पहले घरेलू मैच में अपनी उपयोगिता साबित करने को बेताब होंगे। बीच के ओवरों में धीमी रनगति के अलावा गेंदबाजों का फॉर्म भी धोनी की चिंता का सबब है।

चेन्नई के लिये राहत की बात यह है कि मैच एम ए चिदंबरम स्टेडियम पर हो रहा है जहां स्पिनरों की भूमिका अहम हो सकती है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच दस दिन पहले यहां खेले गए तीसरे वनडे में ऐसा ही देखा गया था। रविंद्र जडेजा और मिशेल सेंटनेर पहले मैच में प्रभावी नहीं रहे लेकिन यहां लय में लौटने की कोशिश में होंगे। चेन्नई एक अतिरिक्त स्पिनर को भी उतार सकती है। श्रीलंका के महीश तीक्षणा पहले तीन मैचों के लिये उपलब्ध नहीं है तो देखना होगा कि किसे मौका दिया जाता है।

दूसरी ओर केएल राहुल की अगुवाई वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स ने शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स पर भारी अंतर से जीत दर्ज की। काइल मायर्स ने तूफानी बल्लेबाजी की तो मार्क वुड ने पांच विकेट चटकाये। बल्लेबाजी में मायर्स के अलावा कप्तान राहुल, निकोलस पूरन और मार्कस स्टोइनिस पर भी नजरें होंगी। वहीं गेंदबाजी में वुड के साथ रवि बिश्नोई और के गौतम की भूमिका अहम रहेगी।

टीमें :

चेन्नई सुपरकिंग्सः महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायुडु, मोईन अली, बेन स्टोक्स, रविंद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिशेल सेंटनर, सुभ्रांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथिसा पथिराना, महीश तीक्षणा, भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे।

लखनऊ सुपर जायंटसः लोकेश राहुल (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, कुणाल पांड्या, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन, नवीन उल हक, आयुष बडोनी, आवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, जयदेव उनादकट, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

टाइटन्स में विलियम्सन की जगह ले सकते हैं स्मिथ : मांजरेकर

मुंबई, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में चोटग्रस्त केन विलियम्सन की जगह गुजरात टाइटन्स का हिस्सा बन सकते हैं।

मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'क्रिकेट लाइव' पर कहा, "मुझे लगता है कि केन विलियम्सन के प्रतिस्थापन के रूप में स्मिथ को चुनना एक शानदार निर्णय होगा। स्टीव स्मिथ जिस तरह के खिलाड़ी हैं, टीम वैसा ही खिलाड़ी चाहती है जो हर तरह से खेल सके।"

गौरतलब है कि चेन्नई सुपर किंग्स और टाइटन्स के बीच खेले गये आईपीएल 2023 के पहले मैच में फील्डिंग करते हुए विलियम्सन को चोट लगी, जिसके कारण वह टूनार्मेंट से बाहर हो गये हैं। मांजरेकर ने कहा कि स्मिथ बल्लेबाजी के साथ-साथ कप्तानी के नजरिये से भी टाइटन्स के लिये कारगर साबित हो सकते हैं।

मांजरेकर ने कहा, "नये नियम (इम्पैक्ट प्लेयर नियम) को ध्यान में रखते हुए मैं देखना चाहूंगा कि स्मिथ कैसी कप्तानी करते हैं। हम भारत ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान भी इस बारे में बात कर रहे थे। हार्दिक पांड्या ने भी (सुपर किंग्स के विरुद्ध मैच के बाद) कहा था कि उन्हें मदद की जरूरत है। इस नजरिये से यह बेहतरीन फैसला हो सकता है।"

गौरतल है कि स्मिथ आईपीएल 2020 तक दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा थे, हालांकि इस साल उन्होंने नीलामी में अपना नाम नहीं दिया। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा कि वह टूनार्मेंट में लौटने के लिये अगले साल तक का इंतजार करना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, "मुझे नहीं पता कि मैं क्वालीफाई कर पाऊंगा या नहीं, मैंने खुद को नीलामी में भी नहीं रखा था। मुझे नहीं लगता कि इसकी कोई संभावना है। शायद हमें यह देखने के लिये अगले साल तक का इंतजार करना होगा कि हम कहां जाते हैं।

सनराइजर्स पर राजस्थान की रॉयल जीत

हैदराबाद, एजेंसी। जॉस बटलर (54), यशस्वी जायसवाल (54) और संजू सैमसन (55) के आतिशी अर्द्धशतकों के बाद युजवेंद्र चहल (17/4) की दर्शनीय गेंदबाजी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को 72 रन से मात दी।

गत उपविजेता रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 203 रन बनाये। इसके जवाब में सनराइजर्स 131 रन तक ही पहुंच सका।

पिछले आईपीएल के शीर्ष स्कोरर रहे बटलर की बल्लेबाजी में रत्ती भर बदलाव नहीं आया और उन्होंने 22 गेंद पर सात चौकों एवं तीन छक्कों के साथ 54 रन बनाये। जायसवाल ने 54 (37) जबकि सैमसन ने 55 (32) रन की पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने पहले ही ओवर में दो विकेट गंवा दिये और मेजबान टीम इसके बाद वापसी नहीं कर सकी। चहल ने रॉयल्स के लिये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की और चार ओवर में 17 रन के बदले चार विकेट लेकर सनराइजर्स की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी।

सनराइजर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी लेकिन राजस्थान के बल्लेबाजों का पहली गेंद से ही बोलबाला रहा। सलामी बल्लेबाज बटलर और जायसवाल ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिये 35 गेंद में 85 रन जोड़ लिये। यह पावरप्ले में रॉयल्स का सबसे बड़ा स्कोर है। बटलर ने इसमें 22 गेंद पर सात चौकों और तीन छक्कों के साथ 54 रन का योगदान दिया।

फजलहक फारुकी ने पावरप्ले समाप्त होने से पहले बटलर को पवेलियन लौटा दिया, लेकिन सनराइजर्स को इसके बाद सैमसन और जायसवाल के प्रहार का सामना करना पड़ा। सैमसन-जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिये 54 रन की साझेदारी की। जायसवाल ने 34 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया, हालांकि वह भी 54 रन बनाकर फारुकी का शिकार हो गये।

जायसवाल के आउट होने के बाद सनराइजर्स विपक्षी टीम की रनगति पर कुछ हद तक लगाम कसने में सफल रहा। उमरान मलिक ने देवदत्त पडिक्कल को दो रन पर बोल्ड किया, जबकि रियान पराग सात रन बनाकर टी नटराजन का शिकार हो गये।

सैमसन ने इस बीच अपना अर्द्धशतक पूरा करके रॉयल्स की पारी को संबल दिया। उन्होंने 32 गेंद की पारी में तीन चौके और चार छक्के जड़ते हुए 55 रन बनाये।

सनराइजर्स ने अंतिम चार ओवर में सैमसन को आउट करते हुए कसी हुई गेंदबाजी की, लेकिन शिमरन हेटमायर (16 गेंद, 22 रन) की मदद से रॉयल्स 200 रन का आंकड़ा पार करने में कामयाब रही। फारुकी (चार ओवर, 41 रन) और नटराजन (तीन ओवर, 23 रन) ने दो-दो विकेट लिये, जबकि उमरान (तीन ओवर, 32 रन) को एक विकेट हासिल हुआ।

सिंधु ने स्पेन मास्टर्स में जीता रजत

मैड्रिड, एजेंसी। शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु ने मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के फाइनल में रविवार को इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया तुनजुंग से हारने के बाद रजत पदक से संतोष किया।

तुनजुंग ने मात्र 29 मिनट चले एकतरफा मुकाबले में सिंधु को 21-8, 21-8 से मात दी। सिंधु ने इससे पहले आमने-सामने के सातों मुकाबलों में तुनजुंग को मात दी थी, लेकिन यहां उनके पास विश्व की नंबर 12 शटलर के सवालों का कोई जवाब नहीं था।

सेमीफाइनल में टॉप सीड कैरोलीना मरीन को हराने वाली तुनजुंग ने मुकाबले की सधी हुई शुरूआत करते हुए पहले गेम में ब्रेक तक 11-6 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सिंधु ने पहला पॉइंट स्कोर किया, हालांकि तुनजुंग ने 11-7 की बढ़त के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। दूसरे गेम में तुनजुंग ने अधिक आक्रामकता दिखाई और ब्रेक तक 11-3 की विशाल बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद सिंधु ने कुछ मौकों पर बेहतर खेल दिखाया लेकिन इंडोनेशियाई शटलर ने 20-8 पर मैच पॉइंट को जीत में बदलकर स्वर्ण अपने नाम कर लिया। स्पेन मास्टर्स इस साल के अन्य आयोजनों की तुलना में सिंधु के लिये बेहतर टूनार्मेंट था। उन्होंने 2023 में इससे पहले सिर्फ एक बार क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी थी, जबकि इंडिया ओपन सहित तीन आयोजनों में उन्हें पहले चरण में ही बाहर होना पड़ा था।

मंत्रालय के पत्र के बाद एनआरएआई प्रमुख रनिंदर लंबी छुट्टी पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रमुख को खेल कोड के तहत बारह वर्ष से अधिक पद पर नहीं बने रहने के खेल मंत्रालय से मिले निर्देश के बाद भारतीय राष्ट्रीय राइफल महासंघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष रनिंदर सिंह लंबी छुट्टी पर चले गए हैं।

मंत्रालय ने एनआरएआई से अध्यक्ष पद के लिये निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव कराने के लिये भी कहा है। ऐसा नहीं करने पर खेल कोड के तहत कार्रवाई की जायेगी। मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि रनिंदर ने बतौर अध्यक्ष बारह वर्ष (29 दिसंबर 2010 से 29 दिसंबर 2022) पूरे कर लिये हैं और खेल कोड के तहत वह पद पर आगे बने नहीं रह सकते। रनिंदर को सितंबर 2021 में फिर अध्यक्ष चुना गया था।

एनआरएआई ने 30 मार्च को अपनी संचालन ईकाई के सदस्यों को लिखे पत्र में छह अप्रैल को आपात बैठक की सूचना दी है। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालीकेश नारायण सिंह देव अध्यक्ष का काम संभालेंगे। एनआरएआई सचिव राजीव भाटिया ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा है कि सरकार ने महासंघ को याद दिलाया है कि रनिंदर के बतौर अध्यक्ष 12 साल पूरे हो चुके हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सलीम दुरार्नी का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। दर्शकों की मांग पर छक्के जड़ने वाले पूर्व भारतीय क्रिकेटर सलीम दुरार्नी का रविवार को उम्रजनित बीमारी के बाद निधन हो गया।

वह 88 वर्ष के थे। वह अपने छोटे भाई जहांगीर दुरार्नी के साथ गुजरात के जामनगर में रह रहे थे।

दुरार्नी के परिवार के करीबी सूत्रों ने उनके निधन की पुष्टि की।

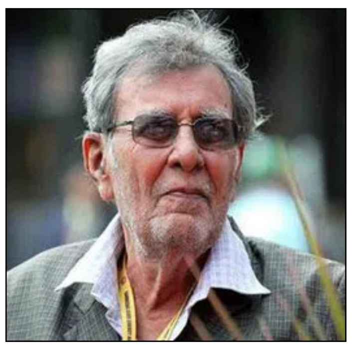

अफगानिस्तान में जन्मे पश्तून मूल के दुरार्नी ने 29 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए 75 विकेट लिये। इसके अलावा उन्होंने बल्ले से 1202 रन भी बनाये, जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 104 रन था। उन्होंने 50 पारियों के टेस्ट करियर में सात अर्द्धशतक भी जड़े थे।

दुरार्नी का सबसे यादगार प्रदर्शन 1961-62 में इंग्लैंड के खिलाफ खेली गयी घरेलू टेस्ट श्रृंखला में आया था। उन्होंने कलकत्ता और मद्रास में खेले गये टेस्ट मैचों में क्रमशः आठ और 10 विकेट लिये, जिसकी मदद से भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की जीत दर्ज कर सका था। इस जीत के एक दशक बाद दुरार्नी ने 1971 में वेस्ट इंडीज में भारत की ऐतिहासिक जीत में भी अहम भूमिका निभाई। पोर्ट ऑफ स्पेन में खेले गये टेस्ट मैच में दुरार्नी ने क्लीव लॉयड और सर गार्फील्ड सोबर्स के बहुमूल्य विकेट चटकाये। भारत ने यह मैच सात विकेट से जीता और पांच मैचों की श्रृंखला 1-0 से अपने नाम करते हुए वेस्ट इंडीज में पहली टेस्ट सीरीज जीती।

अपने खुशमिजाजी स्वभाव के लिए जाने जाने वाले क्रिकेटर ने क्रिकेट का किला फतह करने के बाद बॉलीवुड में भी हाथ आजमाया था। दुरार्नी 1973 में परवीन बॉबी के साथ 'चरित्र' में काम करने के अलावा 'एक मासूम' (1969) में भी नजर आये थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुरार्नी के निधन पर शोक जताया

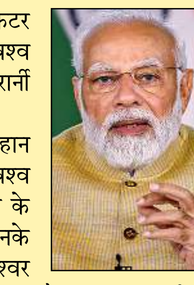

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महान भारतीय क्रिकेटर सलीम दुरार्नी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि विश्व क्रिकेट में भारत के उत्थान में उनका अहम योगदान रहा। दुरार्नी का 88 वर्ष की उम्र में रविवार को निधन हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, सलीम दुरार्नी जी महान क्रिकेटर थे और अपने आप में एक संस्थान थे। उन्होंने विश्व क्रिकेट में भारत के उत्थान में अहम योगदान दिया। मैदान के भीतर और बाहर वह अपनी शैली के लिये जाने जाते थे।उनके निधन से दुखी हूं। उनके परिवार और मित्रों को सांत्वना। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। गुजरात के साथ दुरार्नी के करीबी और मजबूत संबंधों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने कई साल गुजरात और सौराष्ट्र के लिये खेला और प्रदेश में अपना घर भी बनाया। उन्होंने कहा, मुझे उनसे बात करने का मौका मिला और मैं उनकी बहुमुखी प्रतिभा से काफी प्रभावित रहा। उनकी कमी निश्चित तौर पर खलेगी। दुरार्नी अपने छोटे भाई जहांगीर दुरार्नी के साथ जामनगर में रहते थे।

एक नजर

मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने चौथा पेशेवर मुकाबला जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने विस्कोनसिन के मिलवायूकी में अमेरिका के रेयान रेबार को तकनीकी नॉकआउट से हराकर अपना चौथा पेशेवर मुकाबला जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता मंदीप (29 वर्ष) 2020 में पेशेवर बने थे जिसमें उनका रिकॉर्ड अब 4-0 हो गया है।

अर्जुन पुरस्कार प्राप्त कर चुके मंदीप से हाल में अमेरिका के महान मुक्केबाज रॉय जोंस जूनियर ने अगले तीन साल के लिए पेशेवर सर्किट में मुक्केबाजी के लिये करार किया था। इससे मंदीप अमेरिका के इस महान मुक्केबाज से जुड़ने वाले देश के पहले मुक्केबाज बन गये। यह जोंस के मार्गदर्शन में उनका पहला मुकाबला था।

मैने अपनी उपयोगिता साबित कर दी है : मायर्स

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स के नये खिलाड़ी काइल मायर्स ने आईपीएल के अपने पदार्पण मैच में 38 गेंद में 73 रन बनाने के बाद कहा कि उन्होंने अपनी उपयोगिता साबित कर दी है।

लखनऊ ने उनकी पारी की बदौलत छह विकेट पर 193 रन बनाये। बाद में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने 14 रन देकर पांच विकेट चटकाये और लखनऊ ने 50 रन से जीत दर्ज की। मायर्स ने कहा, ह्यह्यमैने हमेशा आईपीएल खेलने का सपना देखा था और आज मौका मिला। मैं अच्छी शुरूआत करके अपनी काबिलियत दिखाना चाहता था और मैने वही किया।

दक्षिण अफ्रीका के क्विंटोन डिकॉक की जगह टीम में शामिल किये गए मायर्स ने कहा, यह नई पिच थी और हमें पता नहीं था कि कैसी रहेगी। हमने तेजी से रन बनाने की कोशिश की। मैं यहां पिछले साल भी आया था लेकिन खेलने का मौका नहीं मिला। मैने टीम के माहौल में रहकर काफी कुछ सीखा। इससे मुझे काफी फायदा मिला। मायर्स पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें एक भी मैच में नहीं उतारा गया।

केन विलियमसन आईपीएल से बाहर, गुजरात टाइटंस ने पुष्टि की

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज केन विलियमसन घुटने की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग से बाहर हो गए हैं। टीम ने इसकी पुष्टि की। न्यूजीलैंड के चैम्पियन बल्लेबाज को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को पहले मैच के दौरान एक कैच लपकने का प्रयास करते समय चोट लगी थी।

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने एक विज्ञप्ति में कहा, ह्यह्यटूनार्मेंट में इतने पहले केन को चोट के कारण खोना दुखद है। हम उनके जल्दी फिट होने की कामना करते हैं।ह्णह्ण अब विलियमसन स्वदेश रवाना होकर इलाज करायेंगे। टीम उनके विकल्प का ऐलान जल्दी ही करेगी। विलियमसन को रूतुराज गायकवाड़ का छक्का बचाते हुए सीमारेखा के पास गिरने से चोट लगी। उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और फिर वह मैदान पर नहीं लौटे।

इंडियन वेटलिफ्टिंग टीम ने वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में 12 पदक जीते

बेगूसराय (बिहार), एजेंसी। यूरोप के अल्बेनिया में 25 मार्च से एक अप्रैल तक आयोजित वेटलिफ्टिंग के वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप का देररात समापन हो गया। इस चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने 12 पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय खिलाडियों का यह अब तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है। प्रतियोगिता में भारत के 13 खिलाड़ियों जोशना, आकांक्षा, अस्मिता, कोएल, मीना, संजना, मार्टिना, धनुष, तूफेल, गुरु नायडू, टोमचौ, गोलोम एवं भराली ने हिस्सा लिया।

भारत की बेटियां बेहतर प्रदर्शन करते हुए 413 अंक प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहीं। भारतीय लड़के अपना बेहतर प्रदर्शन करते हुए 393 अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे। लड़कों और लड़कियों के कुल अंकों को जोड़ दिया जाए तो भारत 806 अंकों के साथ इस चैंपियनशिप में सबसे ऊपर है। भारतीय खिलाड़ी पहली बार वेटलिफ्टिंग के वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में टीम ट्रॉफी लेने में कामयाब रहे।

मैनेजमैंट टिप्स

दृढ़ बनने की कला में माहिर बनें

आवश्यकता से अधिक दृढ़ बॉस को दबंग और तानाशाह माना जा सकता है लेकिन जो बॉस हमेशा नरमी की प्रवृत्ति दिखाता है, उसे कमजोर समझा जाता है। अच्छे बॉस को इन दोनों के बीच संतुलन खोजना चाहिए। इसका अर्थ यह नहीं है कि आपको हर समय दृढ़ होने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बजाय अलग-अलग स्थितियों में दोनों नीतियों का इस्तेमाल करने के लिए तैयार रहना चाहिए। टीम के सदस्यों को यह जरूरत हो सकती है कि कोई खास मुश्किल लक्ष्य हासिल करने के लिए आप उन्हें चुनौती दें या आपको इस बारे में चुप रहने की जरूरत महसूस हो सकती है ताकि वे स्वयं आगे बढ़ जाएं, लचीले बनें। अपनी भावनात्मक बुद्धि का इस्तेमाल करके तय करें कि कब दृढ़ता दमघोंटू नहीं, बल्कि प्रेरक होगी और कब पर्दे के पीछे रहना हताश करने से ज्यादा उचित होगा।

समय बचाने का सीधा सा रास्ता है कि मल्टीटास्किंग बनें। अक्सर हमारी दिनचर्या के ऐसे बहुत से काम होते है जिनमें हम दो कामों को या इससे अधिक कामों को एक साथ कर सकते हैं ऐसे कामों को चिन्हित करके हम अपने समय की बचत कर सकते हैं।

आप रात में अगले दिन के लिए कामो की सूची बना लीजिये। यानि एक लिस्ट उनकी जो काम आपको कल करने हैं और फिर उस लिस्ट को अगले दिन अपने पास रखियेङ्ग इससे आपको हर पल अहसास होता रहेगा कि कितना काम आप खतम कर चुके और कितना अभी शेष बचा है। हर दिन रात में खुद अपनी टारगेट लिस्ट का मूल्याङ्कन जरूर करें। जिससे आपको पता चले कि बीते कल की रात अपने खुद को कितना टारगेट दिया था और आप कितने टास्क खतम कर पाए इससे दूसरे दिन आप काम करने की स्पीड स्वतः बढ़ा देंगे।

माने या न माने पर आज के समय में सबसे ज्यादा टाइम लेता है सोशल मीडिया फेसबुक पर घंटो होम पेज स्क्रॉल करना। अगर कोई फोटो या स्टेटस डाला है तो बार बार जाकर लिखे और कमेंट का वेट करना। सही माने तो ऐसी हालत में अगर हम फेसबुक लॉगआउट भी कर देते हैं तो भी मष्तिष्क तुरंत वहां से नहीं हटा पाते। इससे हमारा बहुत सा समय नष्ट हो जाता है। एक व्यवस्थित टाइम टेबल जरूर बनायें और सबसे जरुरी कि उसे फॉलो करें। अक्सर लोग बस टाइम टेबल बना लेते हैं और एक या दो दिन से ज्यादा फॉलो नहीं कर पाते।

मोबाइल पर घंटो चिपके रहने वालों से बचने का प्रयास कीजिय, खुद को यह समझने का प्रयास कीजिये की अभी यह सब आपके और आपके भविष्य के लिए सही नहीं है, और एक सिम पर्सनल भी रखिये। जिसके नंबर सिर्फ आपके खास लोगो के पास हों। ताकि पढाई के दौरान नार्मल नंबर स्विच ऑफ कर सको।

सुबह जल्दी उठने की आदत डालिये। इससे दिन भर आलास नहीं रहेगा।हम लोग व्हाट्सप्प, फेसबुक, मोबाइल के चक्कर में अक्सर देर रात सोते हैं..तो दूसरे दिन देर से उठते भी हैं. इससे सारा टाइम मैनेजमेंट बिगड़ जाता है। हमेशा घडी को 5 या 10 मिनट आगे रखिये। इससे आप कामों को तय सीमा के भीतर खतम कर सकेंगे, और ऐसा करने से एक फायदा और होगा कि आप कभी भी लेट नहीं होंगे। समय व्यर्थ बिलकुल भी न गंवाएं। किसी भी काम को करने से पहले एक बार जरूर सोचें कि क्या वह आपके लिए किसी भी तरह से फायदेमंद है? आपको खुद तय करना होगा कि इस समय आपके लिए क्या महत्वपूर्ण हैङ्गऔर आपको किसे टाइम देना चाहिए।

नमी से निखरेगी खूबसूरती

सुन्दर व आकर्षक त्वचा पाने के लिए कई तरह के उपाय आजमाए जाते हैं, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकलता। सिर्फ कॉस्मेटिक्स के बल पर मनचाही खूबसूरती हासिल नहीं की जा सकती। खूबसूरत दिखना है तो त्वचा को भीतर से चाहिए नमी। पानी क्यों जरूरी है आपकी खूबसूरती के लिए....

हम खूबसूरत त्वचा पाने के लिए क्या कुछ नहीं करते! टीवी पर आने वाले विज्ञापनों को देखकर कभी कोई क्रीम लगाते हैं तो कभी किसी खास फेसवॉश पर जोर देते हैं। इस दौरान आस-पड़ोस के लोगों द्वारा बताए गए नुस्खे भी बड़े महत्वपूर्ण लगते हैं। पर नतीजा जीरो ही आता है। पता है ऐसा क्यों? क्योंकि खूबसूरती सिर्फ बाहरी लेप लगाने से नहीं आती। इसके लिए हमारा खानपान भी बेहद मायने रखता है। बात अगर सुंदर त्वचा की हो रही है तो यहां यह बात भी मायने रखती है कि आप दिन भर में कितना पानी पीती हैं। डॉक्टरों की रिपोर्ट भी यही कहती है। लेडी हार्डिंग कॉलेज की डॉक्टर मोनिका पुरी के अनुसार त्वचा में निखार सिर्फ ब्यूटी प्रोडक्ट से नहीं आता, बल्कि इसके लिए पानी सबसे महत्वपूर्ण है। त्वचा जब तक हाईड्रेटेड नहीं होगी, उसमें चमक आना नामुमकिन है। हालांकि डॉ. मोनिका यह भी कहती हैं कि त्वचा को हाईड्रेटेड रखना सिर्फ त्वचा की सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि हमारे शरीर की सेहत के लिए भी जरूरी है। हमारा शरीर 70 फीसदी पानी से बना हुआ है। इसलिए यह और भी जरूरी हो जाता है कि हम दिन में खूब सारा पानी पिएं, ताकि शरीर के भीतर पानी का स्तर बना रहे। त्वचा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि त्वचा पसीने के रूप में हमारे शरीर से विषाक्त बाहर निकालता है और यह तभी संभव है, जब त्वचा में भरपूर नमी होगी।

खाने में करें बदलाव...

चमकदार त्वचा चाहिए तो खाने-पीने के मामले में भी आपको थोड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। अंदाजा लगाएं तो शरीर में जाने वाले 20 फीसदी पानी का स्त्रोत हमारा खाना ही होता है, जिसमें फल और सब्जियां शामिल हैं। इसलिए अगर आप खूब सारा पानी नहीं पी सकतीं तो ऐसे फल या सब्जी खाएं, जिनमें 90 फीसदी पानी होता है, जैसे खीरा। खीरे में 96.6 फीसदी पानी होता है। टमाटर में 95 प्रतिशत पानी होता है। ऐसे ही शिमला मिर्च, गोभी, तरबूज, स्ट्रॉबेरी, ब्रोकली, गाजर आदि को ज्यादा-से-ज्यादा मात्रा में अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन सब में 90 फीसदी से ज्यादा पानी होता है।

इनसे बनाएं दूरी...

-सिगरेट, शराब, बीड़ी, गुटखा आदि से त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचता है। जिस चीज में निकोटीन होगी, उससे आपकी त्वचा के हाईड्रेशन को खतरा है। कई बार आपने सुना होगा कि चाय ज्यादा पीने से रंग काला हो जाता है। यह मिथक है, पर इस बात में थोड़ी सच्चाई भी है। चाय में भी निकोटीन होती है। इसलिए आप चाय और कॉफी पर ज्यादा जोर न दें।

-बाहर का तला-भुना, फास्ट फूड आदि पर अपनी निर्भरता कम करें। इससे हमारा पूरा सिस्टम प्रभावित होता है, त्वचा भी इससे अछूती नहीं है।

-त्वचा काली हो, गोरी हो या सांवली, अगर सेहतमंद नहीं है तो कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट लगाकर वह खूबसूरत व आकर्षक नहीं बन सकती। इसलिए खूब पानी पिएं। सेहतमंद खाना खाएं और अपनी हाइजीन का ध्यान रखें।

हाईड्रेशन की खातिर देखभाल जरूरी....

कभी-कभी चीजें बहुत सरल होती हैं, लेकिन हम उनसे इतने डरे होते हैं कि उन समस्याओं में खुद को बेहद उलझा हुआ महसूस करते हैं। त्वचा से जुड़ी समस्याएं भी कुछ ऐसी ही होती हैं। त्वचा को हाईड्रेटेड रखने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप त्वचा को साफ पानी से धोती रहें और धोने के तुरंत बाद चेहरा पोछें नहीं। त्वचा को कुछ देर पानी के साथ छोड़ दें और कुछ देर के बाद पोछ लें। इसके अलावा रात को सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह धोना न भूलें। घर में अगर मलाई और बेसन है तो दोनों को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद उसके सूखने से पहले हल्के हाथ से रगड़ते हुए उसे हटाएं। यह पूरे दिन की गंदगी निकाल बाहर करेगा। बाजार में आने वाले फेसवॉश को इस्तेमाल करने से अच्छा है कि आप घर में ही एक लेप बनाकर रख लें। 100 एमएल रोज वाटर, 90 एमएल वेजिटेबल ग्लिसरीन, 90 एमएल एलोवेरा, किसी एसेंशियल ऑयल की 8 बूंदें और रोज एसेंशियल ऑयल को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण को एक कांच की बोतल में रख लें और जब भी इस्तेमाल करें, पहले बोतल को अच्छी तरह हिला लें। इस लेप से चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें और फिर साफ पानी से धो लें।

ना नहाएं ज्यादा देर...

अगर आपको गुनगुने पानी से नहाने की आदत है तो दस मिनट से ज्यादा न नहाएं। गर्म पानी त्वचा की नमी चुरा लेता है। यही नहीं, त्वचा से निकलने वाले प्राकृतिक तेल, जो त्वचा के लिए मॉइस्चराइजर का काम करते हैं, उन्हें भी खत्म कर देता है। ठंडे पानी से ही नहाएं। ठंड के मौसम में भी ज्याद गर्म पानी से न नहाएं।

10 नियम हर दिन त्वचा को ताजा रखने के...

-रोजाना दिन में दो से ढाई लीटर पानी जरूर पिएं। ज्यादा काम करने से भी पानी की कमी हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि आप शरीर की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त पानी पिएं।

-पूरा दिन पानी पीती रहें, फिर चाहे आपको प्यास लगी हो या नहीं। अगर प्यास नहीं लग रही है तो इसका मतलब यह हुआ कि डीहाइड्रेशन की शुरूआत हो चुकी है।

-जो भी ड्रिंक पसंद है, उसे साथ लेकर चलें। इससे ये होगा कि आप थोड़ी-थोड़ी देर में कुछ लिक्विड लेती रहेंगी।

-आप हाईड्रेटेड रहने के लिए पानी के अलावा हर्बल टी, सॉफ्ट ड्रिंक्स, जूस, दूध आदि भी पी सकती हैं।

-फल और सब्जियां भी आपकी सहायता कर सकती हैं। इनमें काफी मात्रा में पानी होता है।

-शराब से दूर रहें। शराब पीने के बाद बार-बार पेशाब लगती है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है।

-अगर आप कोई खेल खेलती हैं तो खेल शुरू करने से पहले पानी पी लें, क्योंकि खेल के दौरान और उसके बाद पसीने के रूप में शरीर से ज्यादा पानी निकल जाता है।

-घर से बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन क्रीम जरूर लगाएं, ताकि धूप से त्वचा पर कम असर हो।

-12 बजे से 4 बजे के बीच धूप में निकलने से बचें। इस दौरान धूप त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है।

-त्वचा के समय से पहले बूढ़ा होने से बचने के लिए यूवीए व यूवीबी फिल्टर वाले सनस्क्रीन लोशन का उपयोग करें।

सही पोषण की सात अच्छी आदतें

ह म क्या खाते हैं और कितना पानी पीते हैं, यह तय करता है कि हम कितने फिट और स्वस्थ रहेंगे। अच्छी सेहत के लिए खान-पान में पोषण का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। जानते हैं कुछ बातें, जो कर सकती हैं इसमें आपकी मदद...

नाश्ता जरूर करें

खुद को यह बताएं कि सुबह का नाश्ता अच्छी सेहत के साथ-साथ शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने के लिए जरूरी है। टोंड दूध के साथ ओट्स लें। उच्च फाइबरयुक्त फल और एक चुटकी दालचीनी खाएं। इससे रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। आप चाहें तो मल्टीग्रेन ब्रेड और कुछ अंडे, हल्के तले हुए मशरूम और हरी पत्तेदार सब्जियां भी खा सकते हैं।

ज्यादा चाय-कॉफी ठीक नहीं

चाय और कॉफी की मात्रा का ध्यान देना बहुत जरूरी है। ग्रीन टी भी अधिक न पिएं। पांच कप से अधिक ग्रीन टी लेना शरीर में पानी की कमी पैदा करेगा। अगर आप सिर्फ दूध और चीनी वाली चाय पीते हैं तो यह तय है कि आप सीमा से अधिक चीनी डाइट में ले रहे हैं।

खूब खाएं हरी पत्तेदार सब्जियां

यह ध्यान रखें कि हररोज कितनी मात्रा में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन कर रहे हैं। पालक और मेथी में फोलेट प्रचुरता में होते हैं। इस विटामिन से शरीर में लाल रक्त कोशिकाएं तेजी से बनती हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कैलरी बहुत कम होती है। तीनों समय हरी सब्जियों को भोजन में शामिल करें।

पानी है अनमोल

हर आधे घंटे में पानी पिएं। पानी शरीर के पोषक तत्वों को भीतरी अंगों और ऊतकों तक ले जाता है। यह ध्यान रखें कि जूस और अन्य ड्रिंक्स पानी की बराबरी नहीं कर सकते।

नींद का रखें ध्यान

पोषक तत्व नींद पर भी असर डालते हैं। सोने से पहले कैफीन, चॉकलेट, अधिक चिकनाई वाली चीजें न खाएं। ये चीजें आंतों को प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए सोने से पहले अधिक तला हुआ खाना पित्त बनाता है और पाचन प्रक्रिया को धीमा करता है।

हर रोज व्यायाम करें

अपने वर्कआउट में हृदय के लिए लाभकारी व्यायाम करें। शरीर को मजबूत और लचीला बनाए रखने वाले व्यायामों को शामिल करें।

हेल्दी स्नेक्स

हल्के-फुल्के नाश्ते के लिए स्वस्थ ता री के आ ज मा ए । इससे भूख नियंत्रित रहती है। सेब, अनार के दाने और बादाम का सलाद खाएं। शाम के समय गाजर और खीरे का सलाद खाएं।

धर्म के मार्ग पर चाहिए धैर्य

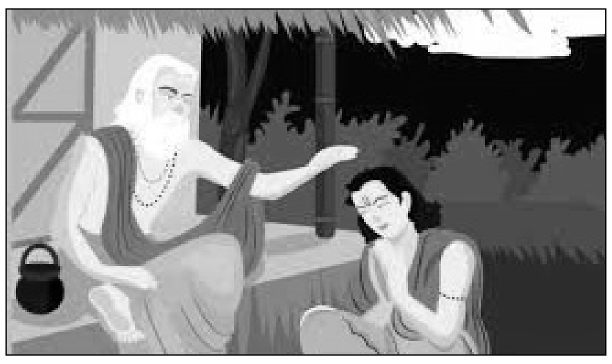

परमात्मा की उपलब्धि के लिए धैर्य बहुत जरूरी है। प्रभु को पाना चाहते हैं तो प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। हो सकता है कई जन्मों की प्रतीक्षा करनी पड़े। अगर आपने धैर्य खोया तो फिर सारा खेल खत्म। प्रभु को पाने की चाह में आपको समय की सीमा से परे हो जाना होगा। और जब आप समय की सीमा को भूल जाते हैं, परमात्मा का साक्षात्कार उसी समय हो जाता है। व्यक्ति धर्म के मार्ग पर गया है, उसने अनंत की फसल काटनी चाही है। उतना ही धैर्य भी चाहिए। धैर्य का अर्थ यह है कि तुम अपेक्षा मत करना। धैर्य का अर्थ यह है- कब होगा, यह मत पूछना। जब होगा, उसकी मर्जी। जब हो जाएगा, तब स्वीकार है। अनंत काल व्यतीत हो जाएगा तो भी तुम यह मत कहना कि मैं इतनी देर से प्रतीक्षा कर रहा हूं, अभी तक नहीं हुआ!

एक बड़ी पुरानी हिंदू कहानी मुझे बहुत प्रीतिकर रही है कि नारद स्वर्ग जा रहे हैं। और उन्होंने एक बूढ़े संन्यासी से पूछा, कुछ खबर-वबर तो नहीं पूछनी है? तो उस बूढ़े संन्यासी ने कहा कि परमात्मा से मिलना हो तो जरा पूछ लेना कि कितनी देर और है, क्योंकि मैं तीन जन्मों से साधना कर रहा हूं! वह बड़ा पुराना तपस्वी था। नारद जी ने कहा, जरूर पूछ लूंगा।

उसके ही पास एक दूसरे वृक्ष के नीचे एक नवयुवक बैठा हुआ अपना एकतारा बजा रहा था। गीत गा रहा था। नारद ने सिर्फ मजाक में उससे पूछा कि क्यों भाई, तुम्हें भी तो कोई बात नहीं पुछवानी है भगवान से? मैं जा रहा हूं स्वर्ग। वह अपना गीत ही गाता रहा। उसने नारद की तरफ आंख उठा कर भी न देखा। नारद ने उसको हिलाया तो उसने कहा कि नहीं, उसकी कृपा अपरंपार है।

चाहिए, वह मुझे हमेशा मिला ही हुआ है। कुछ पूछना नहीं है। मेरी तरफ से उसे कोई तकलीफ मत देना। मेरी बात ही मत उठाना, मैं राजी हूं। और सभी मिला हुआ है। बन सके तो मेरी तरफ से धन्यवाद दे देना। नारद वापस लौटे। उस बूढ़े संन्यासी को जाकर कहा कि क्षमा करना भाई! मैंने पूछा था वह। उन्होंने कहा कि वह बूढ़ा संन्यासी जिस वृक्ष के नीचे बैठा है, उसमें जितने पत्ते हैं, उतने ही जन्म अभी और लगेंगे। बूढ़ा तो बहुत नाराज हो गया।

बच्चों के बैडरूम में जरुर होनी चाहिए ऐसी सुविधाएं

बच्चों का बैडरूम कभी भी ऐसी जगह न बनवाएं जहां अंधेरा रहता हो, उनके बैडरूम में कोई न कोई खिड़की जरुर होनी चाहिए जिससे उनके बैडरूम में रोशनी आती रहें। ट्यूब लाइटें भी सही जगह पर लगी होनी चाहिए।

-घर में बच्चों का बैडरूम भी सही दिशा में बना होना चाहिए, वास्तु के अनुसार बच्चों का बैडरूम पूर्व दिशा में होना चाहिए।

-बच्चे के बैडरूम में सारी चीजों की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। जैसे उसके बैडरूम में पढ़ने के लिए स्टडी टेबल, उसकी किताबों के लिए अलमारी रखी होनी चाहिए।

-बच्चों के बैडरूम में एनिमल शेप की चेयर से कमरे को ओर भी आकर्षक बनाया जा सकता है।

-स्टडी टेबल पर भी टेबल लैम्प का प्रयोग करना चाहिए ताकि बच्चे को पढ़ने के वक्त कोई भी समस्या न आए।

-बच्चों के बैडरूम में ब्राइट कलर्स से पेंट करवाएं ब्ल्यू, पिंक, यैलो, पर्पल, ऑरेंज जैसे ब्राइट कलर्स से पेंट करवाएं।

-बच्चों के कमरे में ज्यादा फर्नीचर न रखें ताकि उसे इधर उधर जाते वक्त मुश्किल न हों।

उद्यमिता की शिक्षा

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले देश में हर किसी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती, पर उद्यमिता की शिक्षा हासिल करने वाले युवाओं के लिए यहां का बाजार एक बड़े मौके की तरह है। एंटरप्रेन्योरशिप के हुनर को तराशकर मनपसंद फील्ड में मन से काम करके तरक्की की सीढ़ियां चढ़ी जा सकती हैं। आखिर आसानी से कैसे बढ़ें इस राह पर, बता रहे हैं हम...

हाल में उत्तर प्रदेश में चपरासी पद की मात्र 368 रिक्तियों के लिए 23.25 लाख आवेदन आना अखबारों की सुर्खियां तो बना ही, इससे राज्य सरकार का संबंधित विभाग भी इस बात को लेकर हैरान-परेशान हो गया कि आखिर इतने आवेदकों का साक्षात्कार लिया कैसे जाएगा। देश में बेरोजगारी की हालत बयां करने वाला इससे जुड़ा एक और दिलचस्प पहलू है। उक्त पद के लिए जहां न्यूनतम योग्यता पांचवीं पास है, वहीं आवेदन

करने वाले 1.53 लाख स्नातक, 25 हजार स्नातकोत्तर के साथ-साथ 250 पीएचडी भी हैं। सबका साक्षात्कार लेने में होने वाली असुविधा को देखते हुए संबंधित विभाग इसके लिए लिखित परीक्षा लेने पर विचार कर रहा है, ताकि आवेदकों की स्क्रीनिंग की जा सके। हालांकि यूपी, बिहार जैसे राज्यों में कुछ सरकारी पदों के लिए लाखों की संख्या में आवेदन मिलना कोई नई बात नहीं है। कुछ वर्ष पहले सफाई कर्मियों के लिए भी लाखों लोगों ने आवेदन किया था, जिसमें हर वर्ग के कैंडिडेट शामिल थे।

हाल के वर्षों में देश के विभिन्न भागों में होने वाली सैन्य भर्तियों में उमड़ने वाली भारी भीड़ के कारण अक्सर भगदड़ और दंगे जैसी स्थिति देखी जाती रही है। पिछले दिनों इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा 1.5 लाख शिक्षा-मित्रों की नियुक्ति को रद्द करने के बाद पूरे प्रदेश में अशांति की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस सबसे दो बातें स्पष्ट होती हैं। एक तो, सरकारी नौकरियों के लिए हमारे देश में जबर्दस्त क्रेज है। दूसरे, हमारे शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता यानी एंटरप्रेन्योर को बढ़ावा देने की शिक्षा न मिलने के कारण ही ज्यादातर युवा सरकारी नौकरियों के पीछे भागते रहते हैं।

सरकारी नौकरी के पीछे

हमारे देश में हर साल तकरीबन 50 लाख युवा डिग्रियां लेकर निकलते हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों, पीएसबी, पीएसयू, स्थानीय निकायों आदि में इतनी रिक्तियां नहीं होतीं कि हर किसी को सरकारी नौकरी मिल सके। निजी क्षेत्र की नौकरियों के लिए उच्च क्षेणी का अपडेटेड हुनर होना चाहिए, जो हमारी पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में सभी युवाओं नहीं मिल पा रहा। ऐसे में हर साल बेरोजगारों की संख्या में विस्फोटक इजाफा होता जा रहा है। सरकारी नौकरी न मिलने हर युवा अपना करियर बनाने या जीवन चलाने के लिए उपयुक्त नौकरी की तलाश करता है। कई बार उन्हें अपने मन का काम मिल जाता है और कई बार नहीं भी। कभी-कभी उन्हें अपनी पसंद के विपरीत काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें काफी प्रयास के बाद भी नियमित नौकरी नहीं मिल पाती।

बेबो की नजर में उर्फी बहादुर

एक्ट्रेस करीना कपूर खान को बॉलीवुड की फैशन डीवा के तौर पर जाना जाता है। 42 साल की उम्र में भी वह अपने फैशन सेंस से सबका ध्यान खींच लेती हैं। करीना के लुक्स लगातार चर्चा में बने रहते हैं। करीना ने हाल ही में टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद के कपड़ों को लेकर रिएक्ट किया था। करीना ने हाल ही में मीडिया को दिए इंटरव्यू में उनसे उर्फी जावेद के कपड़ों को लेकर सवाल पूछा। इस पर रिएक्शन देते हुए करीना ने कहा, "आपको पूरी आजादी है कि किस तरह के कपड़े पहनें या किस तरह का फैशन करें। उर्फी जिस आत्मविश्वास के साथ सबके सामने आती है, उसकी सराहना सभी को करनी चाहिए। मुझे लगता है कि वह बहुत ही शांत लड़की है और बहुत खूबसूरत दिखती है।"

करीना ने आगे कहा, "सच्चाई यह है कि उर्फी जो चाहती है वही करती है और यही सच्चा फैशन है। जब आप कैजुअल होते हैं, तो इस तरह से कपड़े पहनना और सबके सामने दिखना आसान होता है। मुझे उसका आत्मविश्वास पसंद है। मैं खुद एक ऐसी लड़की हूं जिसे खुद पर पूरा भरोसा है। इसलिए मैं उर्फी के आत्मविश्वास की प्रशंसा करता हूं। उन्हें मेरा सलाम।

उर्फी जावेद इस समय अपने फैशन के कारण चर्चा में हैं। जहां एक तरफ उनके कपड़ों को लेकर काफी आलोचना हो रही है वहीं दूसरी तरफ वह लगातार खुद की टॉपलेस तस्वीरें और वीडियो शेयर कर रही हैं। कपड़ों को लेकर ट्रोल होने वालों को उर्फी हमेशा करारा जवाब देती हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड छोड़ने की वजह बतायी

जानी-मानी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड छोड़कर हॉलीवुड में काम करने की वजह बतायी है। प्रियंका चोपड़ा ने बताया है कि उन्होंने बॉलीवुड इसलिए छोड़ा क्योंकि उन्हें मनचाहा काम नहीं मिल रहा था। इसके अलावा कुछ लोगों के साथ उनके रिश्ते भी खराब हो गए थे। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में काम की शुरूआत म्यूजिक के साथ की थी।

प्रियंका चोपड़ा ने बताया कि उन्हें पहली बार अंजुला आचार्य ने एक म्यूजिक वीडियो में देखा था। इसके बाद उन्होंने सात खून माफ की शूटिंग के दौरान कॉन्टैक्ट किया और पूछा कि क्या वह अमेरिका में म्यूजिक करियर बनाने में दिलचस्पी लेंगी। प्रियंका ने कहा, बॉलीवुड में एक किनारे कर दिया गया था। लोग मुझे कास्ट नहीं कर रहे थे, लोगों के साथ मेरी अनबन हो रही थी, मैं इस तरह का खेल खेलना नहीं जानती हूं इसलिए मैं उनकी राजनीति से थक गई थी और मैंने फैसला किया कि मुझे एक ब्रेक की जरूरत है।

प्रियंका ने कहा, गाने ने मुझे दुनिया के दूसरी हिस्से में जाने का मौका दिया, मैं उन फिल्मों के लिए तरस नहीं रही थी, जिन्हें मैं नहीं करना चाहती थी, लेकिन मुझे कुछ लोगों और क्लबों के साथ कॉन्टैक्ट बनाने की जरुरत थी। इसके लिए बहुत मेहनत करनी थी और तब तक मैं काफी काम कर चुकी थी, इसलिए मुझे ऐसा नहीं लगा कि मुझे ये सब करना चाहिए। तो जब मुझे गाने का ऑफर मिला तो मैंने कहा कि कुछ भी हो मैं अमेरिका जा रही हूं बस।

फैशन इवेंट में पति विराट संग रोमांटिक हुई अनुष्का शर्मा

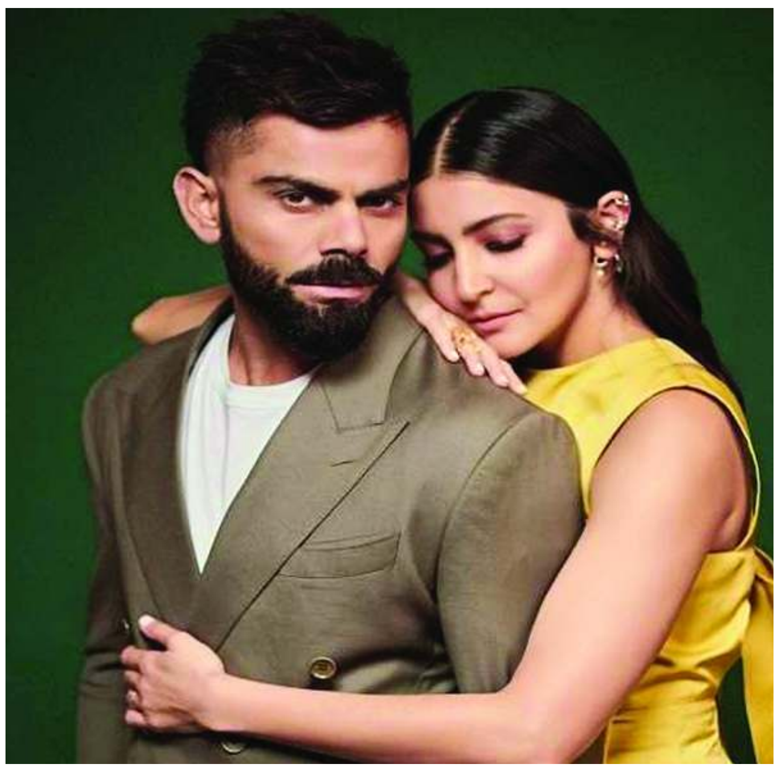

मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित डायर फैशन गाला में बॉलीवुड के कई सितारे ने हिस्सा लिया। वहीं भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा भी इस इवेंट में शामिल हुए। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा अक्सर एक साथ रोमांटिक अंदाज में सोशल मीडिया पर मोमेंट्स शेयर करते रहते हैं। कभी एक दूसरे का हाथ थामकर तो कभी एक दूसरे के साथ मस्ती करते हुए। हाल ही में दोनों मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित डायर फैशन गाला में नजर आए हैं। फोटो में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा काफी खूबसूरत लग रहे हैं। कपल ने फोटोशूट के लिए अलग-अलग तरह के पोज दिए। सोशल मीडिया पर कपल की तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं, पोस्ट पर फैंस भी अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस दौरान अनुष्का येलो लॉन्ग ड्रेस में नजर आईं। उन्होंने बालों को कर्ल कर खुला रखा हुआ है। एक्ट्रेस ने अपना लुक ग्लोसी मेकअप और हाथ में छोटा सा मैचिंग पर्स लेकर पूरा किया है। वहीं विराट कोहली इस दौरान सूट-बूट में नजर आए है। जो काफी ज्यादा हैंडसम लग रहे थे। इस बार विराट ने खुद को मूंछो के साथ नया लुक दिया है। इन फोटोज पर रिस्पॉन्स करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'क्या बात है भैया.. काफी कूल लग रहे हो क्ढ2023 से पहले फोटोशूट् करवा रहे हैं। इस इवेंट में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा के अलावा बॉलीवुड की कई हसीनाओं ने भी शिरकत की। इस इवेंट की खास बात ये थी कि इस इवेंट में तमाम हसीनाएं लग्जरी ब्रांड को अपने अपने अंदाज में प्रमोट करती दिखी थी।

'जवान' में बोल्ड अंदाज में नजर आयेंगी नयनतारा

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री नयनतारा फिल्म जवान में बोल्ड अंदाज में नजर आयेंगी।

एटली कुमार के निर्देशन में बन रही फिल्म जवान में शाहरुख खान और नयनतारा की अहम भूमिका है नयनतारा की यह बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है, जिसके लिए वह काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं। 'जवान' में नयनतारा स्क्रीन पर बिकिनी में काफी बोल्ड अवतार में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि 'जवान' में नयनतारा स्विमसूट में एक सीन ठीक उसी अंदाज में शूट करेंगी जैसा दीपिका पादुकोण ने 'पठान' में किया था। नयनतारा पिछले 16 सालों से कभी फिल्मों में बिकिनी में नहीं नजर आई हैं। आखिरी बार साल 2007 में 'बिल्ला' में नयनतारा का बोल्ड अंदाज सिने प्रेमियों को नजर आया था। लेकिन अब 'जवान' की कहानी के अहम हिस्से के लिए नयनतारा ने ऐसा करना स्वीकार कर लिया है। फिल्म जवान में शाहरुख खान और नयनतारा के अलावा विजय सेतुपति भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वहीं दीपिका पादुकोण भी फिल्म में अहम कैमियो करते दिखाई देंगी। फिल्म जवान इस साल 02 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

अजय देवगन की फिल्म 'भोला' ऑनलाइन लीक

फिल्म 'पठान' और 'तू झूठी मैं मक्कार' के बाद अब सभी की निगाहें अजय देवगन की मोस्ट अवेटेड अपकमिंग फिल्म 'भोला' पर टिकी हैं। 'दृश्यम- 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अजय देवगन एक बार फिर 'भोला' फिल्म से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। अजय देवगन की आने वाली एक्शन-थ्रिलर रिलीज से पहले ही काफी चर्चा में थी। इतना ही नहीं भोला की एडवांस बुकिंग को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। एडवांस बुकिंग से इस फिल्म ने ताबड़तोड़ कमाई की है। इसी बीच फिल्म 'भोला' के ऑनलाइन लीक होने की खबर है।

हाल ही में 'भोला' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है और इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही हैं। अजय देवगन की फिल्म भोला का बजट लगभग एक सौ करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म पहले दिन ही 10 से 12 करोड़ की कमाई कर लेगी। इसी बीच इस फिल्म के मेकर्स के लिए एक बुरी खबर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म "भोला" ऑनलाइन लीक हो गई है।

अजय देवगन की "भोला" रिलीज के पहले दिन ही एचडी क्वालिटी में लीक हो गई है। इतना ही नहीं कुछ लोग यह भी दावा कर रहे हैं कि यह फिल्म कई पायरेट साइट्स पर उपलब्ध है। कहा जा रहा है कि इससे फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर असर पड़ सकता है। इससे अजय देवगन और निमार्ताओं की चिंता बढ़ गई है। 'भोला' से पहले रणबीर कपूर की 'तू झूठी मैं मक्कार' और शाहरुख खान की 'पठान' इसी तरह ऑनलाइन लीक हुई थीं। इस पायरेसी से फिल्म इंडस्ट्री को भारी नुकसान हो रहा है।

मैंने कभी भी घमंड के आगे घुटने नहीं टेके : कंगना रनौत

अभिनेत्री कंगना रनौत, जो अपनी पीरियड ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' के पोस्ट-प्रोडक्शन के काम में व्यस्त हैं, उन्होंने बुधवार को अपने सोशल मीडिया पर साझा किया कि वह अपनी सुंदरता पर गर्व महसूस करती है और खुद के बारे में अच्छा महसूस करती है, लेकिन वह कभी भी घमंड के विचार की शिकार नहीं हुई, जो फिल्मों की ग्लैमरस दुनिया में काफी स्वाभाविक रूप से आती है। अभिनेत्री ने अपने ट्विटर पर अपनी यात्रा से पहले की अपनी तस्वीरों का कोलाज साझा किया। तस्वीरों में 'गैंगस्टर' की अभिनेत्री को अपने कर्ल के साथ एक एथनिक पोशाक पहने देखा जा सकता है। उसने कहा कि पोस्ट में सैल्फी ट्रैफिक बोरियत का परिणाम है। उन्होंने ट्वीट किया, आज एयरपोर्ट जाते हुए ट्रैफिक बहुत मिला तो सोचा थोड़ा अपनी खूबसूरती पर इतरा लेती हूं कमीयां मुझसे भी होंगी शायद, लेकिन घमंड का शिकार मैं कभी नहीं रही। हालांकि, उन्होंने अपने पोस्ट को अंत में एक सवाल के साथ खत्म किया, उन्होंने कहा- अब इस उम्र में यह बीमारी लग जाए तो?

'जी ले जरा' में कैमियो करेंगे शाहरुख खान

बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान आने वाली फिल्म जी ले जरा में कैमियो करते नजर आयेंगे। फिल्म जी ले जरा में कैटरीना कैफ, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट की मुख्य भूमिका है। यह पहली है जब एक ही फिल्म में ये तीनों हीरोइन एक साथ नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग राजस्थान में होगी। जी ले जरा में 'शाहरुख खान' कैमियो करते नजर आयेंगे। फिल्म जी ले जरा में शाहरुख खान का रोल काफी अहम होगा। फिल्म जी ले जरा का निर्देशन फरहान अख्तर कर रहे हैं।'फरहान अख्तर' इन दिनों राजस्थान में मौजूद हैं। वह राजस्थान की सबसे बेस्ट लोकेशन की तलाश कर रहे हैं। हाल ही में फरहान ने इस जर्नी के दौरान की तस्वीर भी पोस्ट की थी। इस पोस्ट को शेयर करते हुए फरहान ने कैप्शन में लिखा है कि, 'अच्छी लोकेशन की तलाश में'। फिल्म जी ले जरा को फरहान ने अपनी बहन जोया अख्तर और रीमा कागती के साथ मिलकर लिखा है। वहीं, इसका निर्माण एक्सेल इंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी के बैनर तले हो रहा है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।